वर्ष 69 अंक 152 पृष्ठ 12
भोपाल, रविवार 01 मार्च, 2026
फाल्गुन शुक्ल पक्ष 13, विक्रम संवत् 2082
महानगर मूल्य 5 रुपए

दैनिक जागरण

www.dainikjagranmpcg.com

पूर्णता धीरे-धीरे हासिल होती है; इसके लिए समय के हाथ की जरूरत होती है।
- वाल्टेयर

PATANJALI® पतंजलि के "देश का सबसे बड़ा ब्राण्ड" बनने की कहानी पतंजलि®

पूजनीय स्वामी रामदेव जी व आचार्य श्री बालकृष्ण जी के तीन दशकों से अधिक के अनवरत पुरुषार्थ, तपस्या और अटल संकल्प के बल पर पतंजलि ने भारत के घर–घर तक अपनी पहुंच बनाई और करोड़ों देशवासियों के हृदय को जीता। योग व आयुर्वेद, जो कभी केवल गुफाओं और गुरुकुलों तक सीमित था, उसे पतंजलि ने जन–जन तक पहुँचाने का ऐतिहासिक कार्य किया। जनमानस की आवश्यकता और आग्रह के अनुरूप औषधियों के साथ–साथ दैनिक जीवन में उपयोगी वस्तुओं का निर्माण किया, और इस प्रकार पतंजलि ने स्वदेशी चेतना को प्रबल किया। लगभग पांच लाख लोगों को प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रोजगार प्राप्त हुआ है। एक करोड़ से अधिक दुकानों तक स्वदेशी सेवा का व्यापक विस्तार हुआ है। 100 करोड़ भारतीयों के समर्थन और 1 करोड़ से अधिक कार्यकर्ताओं के निःस्वार्थ सेवा के लिए हम कृतज्ञ हैं।

5000 से अधिक उत्पादों के साथ स्वदेशी संकल्प: लगभग पाँच हजार से अधिक दैनिक उपयोग की वस्तुएँ, पशु आहार, औषधियाँ तथा जीवनोपयोगी उत्पाद देशवासियों के लिए उपलब्ध कराए गए हैं। रोजगार सृजन के साथ–साथ लगभग एक करोड़ प्रशिक्षित कार्यकर्ता निःशुल्क एवं निःस्वार्थ भाव से सेवा कार्यों में समर्पित हैं। इन अनवरत प्रयासों और संकल्पों के परिणामस्वरूप आज पतंजलि समूह का वार्षिक टर्नओवर लगभग 50,000 करोड़ रुपये तक पहुँच चुका है।

अर्थ से परमार्थ व राष्ट्रसेवा (Prosperity for Charity): PFL को प्राप्त होने वाला सम्पूर्ण लाभ, पतंजलि गुरुकुलम्, भारतीय शिक्षा बोर्ड, आचार्यकुलम, पतंजलि विश्वविद्यालय, रिसर्च फाउंडेशन, चिकित्सा, शिक्षा, वृक्षारोपण, सनातन धर्म और भारत माता की सेवा में पूर्णतः समर्पित किया जाता है। इस प्रकार लाभ का 100% भाग निःस्वार्थ चैरिटी और राष्ट्रसेवा के कार्यों में लगाया जाता है। पूजनीय स्वामी रामदेव जी का संकल्प है कि अपने अंतिम श्वास तक हम पवित्रता और प्रामाणिकता के साथ भारत माता की सेवा करते रहेंगे तथा एक स्वस्थ, समृद्ध और परम वैभवशाली भारत के निर्माण में अपना योगदान देते रहेंगे। पूजनीय आचार्य बालकृष्ण जी कई वर्षों से विश्व के शीर्ष 2% वैज्ञानिकों और अनुसंधानविदों की श्रेणी में सम्मिलित हैं। उनके दृष्टिकोण से पतंजलि विज्ञान, अनुसंधान और स्वदेशी नवाचार के माध्यम से वैश्विक मानचित्र पर अग्रणी ब्रांड बन रहा है। योग, आयुर्वेद, स्वदेशी, सनातन धर्म की सेवा में आज पतंजलि भारत के श्रेष्ठतम संस्थान के रूप में कार्यरत है।

हाई बी. पी. को प्राकृतिक रूप से निर्मूल करने के लिए।

डायबिटीज को रिवर्स करने में लाभदायक

वात रोग, आर्थराइटिस, RA, CRP, AVN, ANA, HLA-B27 आदि के लिए

ब्रोंकाइटिस, अस्थमा, कफ, कोल्ड के लिए रिसर्च एवं एविडेंस बेस्ड मेडिसिन

ब्रेन, नर्वस सिस्टम व मेमोरी के लिए सर्वश्रेष्ठ औषधियां

इम्यूनिटी के लिए सर्वश्रेष्ठ औषधियां

किड्नी प्रॉब्लम्स को रिवर्स करने के लिए

फैटी लिवर, लिवर सिरोसिस, हेपेटाइटिस आदि को रिवर्स करने के लिए

बहिष्कार करें– केमिकल व एनिमल बेस्ड प्रोडक्ट्स का और न्यूट्रेला नैचुरल ऑर्गेनिक प्रोटीन, विटामिन्स, ओमेगा आदि अपनाएं

ओबेसिटी के लिए अचूक औषधि

कोलेस्ट्रॉल के लिए

थायरॉइड के लिए

चिकित्सा के परामर्श के लिए अपने नज़दीकी पतंजलि चिकित्सालय पर अवश्य विज़िट करें।

5000 पतंजलि के एक्सक्लूसिव स्टोर्स के लोकेशन का पता जानने के लिए गूगल पर सर्च करें।

एक कॉल से सभी समस्याओं को घर बैठे नि:शुल्क सॉल्व करने के लिए कॉल करें– **1800 296 1111** तथा पतंजलि की समस्त सेवाओं की जानकारी के लिए **8954 555 999** पर कॉल करें

घर बैठे पतंजलि प्रोडक्ट्स ऑनलाइन आर्डर करने के लिए ऑर्डर मी ऐप डाउनलोड करें।

डाउनलोड करें ORDER ME

पतंजलि के एक्सक्लूसिव स्टोर पर डिस्काउन्ट पाने और साथ ही **15 लाख के इन्श्योरेंस** का लाभ उठाने के लिए पतंजलि स्वदेशी समृद्धि कार्ड बनवाएं। कार्ड का मेम्बर बनने के लिए अपने नज़दीकी पतंजलि स्टोर पर सम्पर्क करें।

PATANJALI® wellness — Yoga, Ayurveda & Naturopathy

समस्त असाध्य रोगों से स्थायी मुक्ति पाने के लिए एक बार 7 दिन पतंजलि वेलनेस में रेजिडेंशियल योग, आयुर्वेद एवं पंचकर्म आदि की चिकित्सा के लिए अवश्य आयें।

रजिस्ट्रेशन के लिए सम्पर्क करें : **8954666222, 8954666333**

लगभग 1 करोड़ स्टोर्स पर पतंजलि के प्रोडक्ट्स उपलब्ध हैं। फिर भी कोई प्रोडक्ट स्टोर पर उपलब्ध नहीं है तो आप दुकानदार से इसकी डिमाण्ड करें, वो इसे उपलब्ध करायेंगे।

भारत एक ऋषि एवं कृषि प्रधान देश है। इसलिए उच्चतम श्रेणी के पशु आहार एवं फूड सप्लीमेंट्स।

पतंजलि पशु आहार

पतंजलि मसाले, पापड़, दलिया, कैंडी, मुरब्बा, नमकीन और पाचक

नोट– पतंजलि के मल्टीग्रेन आटा व कुछ विशिष्ट 1 हजार प्रोडक्ट्स पतंजलि एक्सक्लूसिव स्टोर्स पर ही उपलब्ध हैं।

पतंजलि के आटा रेंज एवं पतंजलि चावल रेंज

दिल्ली एनसीआर, उत्तराखण्ड, राजस्थान व महाराष्ट्र में पतंजलि के डेयरी प्रोडक्ट्स उपलब्ध हैं।

पतंजलि हेल्दी एवं न्यूट्रिशियस फूड प्रोडक्ट्स, पावर वीटा, केसर व ड्राईफ्रूट्स, अचार, जैम व सॉस, पोहा, सूजी, बेसन, सेवई

स्वीट्स एवं स्नैक्स

माइग्रेन पेन, मस्तिष्क आदि के लिए सर्वश्रेष्ठ पतंजलि बादाम रोगन व बादाम पाक

बादाम रोगन व बादाम पाक, एनर्जी बार एवं इंस्टेंट मिक्स

महाकोश, सनरिच, रुची गोल्ड देश का नं. 1 पाम्ल ऑयल ब्राण्ड एवं न्यूट्रेला ऑयल रेंज

धूप–अगरबत्ती के नाम पर बहुत भयंकर मिलावट है तथा 100% पवित्रता बाँस रहित अगरबत्ती, भीमसेनी कपूर, शुद्धतम तिल तेल, हवन सामग्री आदि से अपने इष्ट का पूजन करें।

www.dainikjagranmpcg.com

वर्ष 69 ▸▸ अंक 152 ▸▸ पृष्ठ 12
भोपाल, रविवार 01 मार्च, 2026
▸▸ फाल्गुन शुक्ल पक्ष 13, विक्रम संवत् 2082
▸▸ महानगर ▸▸ मूल्य 5 रुपए

दैनिक जागरण

सुबह-सुबह ईरान पर भीषण हमला

अमेरिका-इजराइल ने बरसाईं मिसाइलें

85 से ज्यादा स्कूली छात्राओं की मौत

तेहरान का पलटवार: खाड़ी देशों में अमेरिका के सात सैन्य ठिकानों को बनाया निशाना

तेहरान/तेल अवीव, जेएनएन। ईरान पर इजरायली और अमेरिकी मिसाइलें बरस रही हैं। पश्चिम एशिया में ईरान जवाबी हमले कर रहा है। ईरान में अब तक इस हमले में 85 से ज्यादा स्कूली छात्राओं की मौत हो चुकी है। रिपोर्ट के अनुसार, हमले में ईरान के रक्षा मंत्री आमिर नासिरजादेह और आईआरजीसी के दो-तीन कमांडरों की मौत हुई है। वहीं, ईरानी मीडिया ने बताया कि हमलों ने 24 प्रांतों को प्रभावित किया है। इसमें 201 लोग मारे गए हैं और 747 लोग घायल हुए हैं।

अमेरिका-इजरायल के इस संयुक्त हमले ने पश्चिम एशिया में अभूतपूर्व तनाव पैदा कर दिया है। इजरायल ने इस हमले को 'शेर की दहाड़' का नाम दिया है, जबकि अमेरिका ने इस ऑपरेशन को 'ऑपरेशन एपिक फ्यूरी' यानी जबर्दस्त गुस्सा नाम दिया है। इस हमले का मकसद ईरान की मिसाइल क्षमता, न्यूक्लियर प्रोग्राम, मिलिट्री इंफ्रास्ट्रक्चर और लीडरशिप को निशाना बनाना था। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इसे 'मेजर कॉम्बैट ऑपरेशन' बताया और ईरानी लोगों से अपील की कि वे अपनी सरकार बदल लें। ईरान ने अप्रत्याशित और अभूतपूर्व ताकत का प्रदर्शन करते हुए पश्चिम एशिया के 7 देशों में मौजूद अमेरिकी सैन्य अड्डों पर मिसाइलों से हमला कर दुनिया को चौंका दिया।

ईरान की राजधानी तेहरान में जब अचानक इजरायल और अमेरिका ने मिसाइल और बम गिराना शुरू किया उस समय भारत में सुबह के लगभग 11 लेकिन ईरान में 9 बजे का वक्त था। ईरान के तेहरान, कॉम, तबरेज, करमनशाह, कराज, इस्फहान पर बम गिरे। ईरान का दावा है कि मिनाब शहर का लड़कियों का एक स्कूल हमले की चपेट में आ गया। 85 बच्चियों की मौत हो गई है। हमले के बाद ईरान के कई शहरों में अफरा-तफरी का माहौल रहा और लोग सुरक्षित स्थानों पर भागते दिखाई दिए।

नेतन्याहू का दावा

ईरानी सुप्रीम कमांडर खामनेई मारे गए

इजराइली पीएम बेंजामिन नेतन्याहू ने एक टेलीविजन संबोधन में दावा किया कि ईरान के सर्वोच्च नेता अली खामनेई के 'अब हमारे बीच न रहने' के 'कई संकेत' मिल रहे हैं। हालांकि, उन्होंने पुष्टि के लिए कोई ठोस सबूत पेश नहीं किया। नेतन्याहू ने कहा कि अमेरिका और इजराइल के संयुक्त हमलों में खामनेई के तेहरान स्थित आवास/कंपाउंड को नष्ट कर दिया गया है।

इसराइल डिफेंस फोर्सेज (आईडीएफ) ने कहा कि उसके हमलों में उन स्थानों को निशाना बनाया गया, जहां ईरान के वरिष्ठ नेता और सुरक्षा अधिकारी मौजूद थे। आईडीएफ के मुताबिक, इस ऑपरेशन की महीनों से योजना बनाई गई थी और इसकी रणनीति विशेष खुफिया सूचनाओं पर आधारित थी। ट्रंप ने ईरानी सेना से हथियार डालने की अपील की है। ईरान ने 400 से ज्यादा बैलिस्टिक, सुपरसोनिक और क्रूज मिसाइलें दागीं, जो इजरायल, यूएई के अबूधाबी और दुबई, सऊदी अरब की राजधानी रियाद, कतर की राजधानी दोहा और बहरीन की राजधानी मनामा, कुवैत, जॉर्डन और इराक के अमेरिकी सैन्य अड्डों पर टारगेटेड रहीं।

ईरान-इजराइल संघर्ष से वैश्विक तनाव चरम पर- पेज-11 पर
पेज-12 भी देखें

ईरानी विदेश मंत्री बोले- शीर्ष नेतृत्व सुरक्षित

ईरानी विदेश मंत्री अरागची ने कहा कि सुप्रीम लीडर आयतुल्लाह अली खामेनेई 'जिंदा' हैं और हमलों में ईरान ने 'शायद एक-दो कमांडर' खोए हैं। उन्होंने कहा कि ईरान तनाव कम करने और बातचीत के लिए तैयार है, बशर्ते अमेरिका और इसराइल अपने हमले बंद करें। अरागची ने हमलों को 'बिना उकसावे वाला और गैर-कानूनी' करार देते हुए कहा कि ईरानी सेना हमलावरों को 'सबक सिखाने' के लिए तैयार है। उन्होंने खाड़ी देशों से भी संपर्क कर कहा कि वे अपने इलाकों का इस्तेमाल ईरान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई के लिए न होने दें।

दुबई के आसमान पर ईरानी मिसाइलें...

ईरान ने पश्चिम एशिया में मचाई सनसनी

इजरायल और अमेरिका के हमले के बाद ईरान लगभग एक घंटे तक तो सहमा रहा, लेकिन इसके बाद ईरान की सेना ने जब जवाब में पश्चिम एशिया के 7 देशों पर हमला किया तो दुनिया सहम उठी। ईरान ने अमेरिकी सैन्य अड्डे वाले देशों-सऊदी अरब, यूएई, बहरीन, कुवैत, कतर, जॉर्डन और इराक पर बैलेस्टिक मिसाइलों से हमला किया।

ईरान ने इन ठिकानों पर दागी बैलिस्टिक मिसाइलें और ड्रोन

बहरीन: यूएस 5वां फ्लट मुख्यालय पर मिसाइल हिट, मनामा में विस्फोट।
यूएई: अबूधाबी, अलधाफ्रा बेस पर हमले
कतर: अल उदैद एयर बेस पर टारगेट
कुवैत: अली अल सलेम बेस पर हमला
जॉर्डन: दो मिसाइल इंटरसेप्ट
सऊदी अरब: रियाद में धमाके रिपोर्ट

भारत की एडवाइजरी: नागरिक सावधानी बरतें, शेल्टर में रहें

मिडिल ईस्ट में पूरी तरह से चल रहे युद्ध के बीच भारत ने इजराइल और ईरान में अपने नागरिकों को सलाह दी है कि वे 'बहुत ज्यादा सावधानी' बरतें और तय शेल्टर के पास रहें। 9.7 मिलियन भारतीय मिडिल ईस्ट में रहते और काम करते हैं।

धुएं के गुबार से भरा तेहरान का आसमान

अमेरिका और इजरायल ने ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई के घर के कैंपस के पास धमाका किया। यहां 7 मिसाइलें गिरीं। फिलहाल अली खामेनेई कुशल हैं। अमेरिका और इजरायल ने ईरान के राष्ट्रपति भवन, रक्षा मंत्रालय, खुफिया विभाग के मुख्यालय और एटॉमिक एनर्जी ऑफ ईरान के ऑफिस पर हमला किया है। इस बीच ईरानी संसद राष्ट्रीय सुरक्षा कमेटी के चेयरमैन ने इजरायल-अमेरिका को सीधी धमकी देते हुए कहा है कि ये लड़ाई तुमने शुरू की है, लेकिन इसे खत्म हम करेंगे। ईरान ने कहा है कि इस हमले के जवाब में इजरायल को कुचल दिया जाएगा। ईरान ने हमले के बाद अपने एयरस्पेस को बंद कर दिया है। वहां से कोई भी विमान उड़ान नहीं भर रहा है।

आतंकी ईरानी सरकार के पास परमाणु हथियार नहीं रहेगा। ईरान का सत्ता प्रतिष्ठान सरेंडर करे अन्यथा उनकी मौत निश्चित है।

- डोनाल्ड ट्रंप,
राष्ट्रपति, अमेरिका

47 सालों से अयातुल्ला शासन 'इजराइल की मौत', 'अमेरिका की मौत' चिल्ला रहा है, इसने हमारा खून बहाया है, कई अमेरिकियों को मारा है।

- बेजामिन नेतन्याहू
पीएम, इजरायल

टेररिस्ट रिजीम के पास नहीं रहेगा परमाणु हथियार: यूएस

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा कि कुछ समय पहले यूनाइटेड स्टेट्स मिलिट्री ने ईरान में बड़े कॉम्बैट ऑपरेशन शुरू किए। हमारा मकसद ईरानी सरकार से आने वाले खतरों को खत्म करके अमेरिकी लोगों की रक्षा करना है। ट्रंप ने ईरान सरकार को बहुत सख्त, भयानक लोगों का एक खतरनाक ग्रुप बताया। उन्होंने कहा, 47 सालों से ईरानी सरकार अमेरिका को मौत का नारा लगा रही है और यूनाइटेड स्टेट्स, हमारे सैनिकों और कई, कई देशों में बेगुनाह लोगों को निशाना बनाकर खून-खराबे और बड़े पैमाने पर हत्या का एक कभी न खत्म होने वाला कैंपेन चला रही है। इजरायल-अमेरिका ने क्यों किया हमला हमले का मुख्य कारण ईरान का परमाणु कार्यक्रम है। ट्रंप ने दावा किया कि ईरान परमाणु हथियार बनाने की कगार पर है, जो अमेरिका और इजरायल के लिए अस्तित्व का खतरा है। ट्रंप ने ईरान को 10-15 दिनों का अल्टीमेटम दिया था कि वह यूरेनियम संवर्धन रोकें, बैलिस्टिक मिसाइल कार्यक्रम सीमित करें और हमास, हिजबुल्लाह जैसे प्रॉक्सी ग्रुप्स का समर्थन बंद करें। इन देशों के बीच जिनेवा में हाल ही में हुई शांति वार्ता फेल रही, इसके बाद ईरान पर अटैक करने का फैसला किया गया। इजरायली पीएम बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा, हमारा जॉइंट ऑपरेशन बहादुर ईरानी लोगों के लिए अपनी किस्मत अपने हाथों में लेने के लिए हालात बनाएगा।

अजित प्लेन क्रैश रिपोर्ट एयरपोर्ट पर थीं खामियां

मुंबई,जेएनएन। महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम अजित पवार की 28 जनवरी को मुंबई से बारामती जाते समय विमान हादसे में मौत को लेकर कई तरह के सवाल उठ रहे हैं। इस बीच एएआईबी ने प्रारंभिक रिपोर्ट जारी की है, इसमें एयरपोर्ट को लेकर कई तरह की खामियों को उजागर किया गया है। एएआईबी ने कम विजिबिलिटी, मौसम से जुड़ी बेसिक सुविधाओं की कमी और अनकंट्रोल्ड एयरफील्ड पर ऑपरेशनल गैप को हाईलाइट किया है।

टी-20 वर्ल्ड में आज
सुपर-8 के मुकाबले

द. अफ्रीका बनाम जिम्बाब्वे
समय : दोपहर 3.00 बजे से

भारत बनाम वेस्टइंडीज
समय: शाम 7.00 बजे से

प्रसारण: जियो हॉट स्टार और स्टार स्पोर्ट्स

भारत-वेस्टइंडीज के बीच आज मुकाबला जीते तो सेमीफाइनल की टिकट पक्की

टी-20 वर्ल्डकप : सुपर-8 के आखिरी मैच में दोनों टीमों के लिए करो या मरो की जंग

कोलकाता, जेएनएन। टी20 विश्व कप 2026 के सुपर-8 में भारत और वेस्टइंडीज के बीच मुकाबला सेमीफाइनल का टिकट तय करेगा, जहां दोनों के लिए यह करो या मरो की जंग है। 2016 के टी20 विश्व कप सेमीफाइनल में वानखेड़े स्टेडियम पर मिली हार की कसक के साथ भारत अब ईडन गार्डेन्स में हिसाब बराबर करने उतरेगा। टी20 विश्व कप 2026 का सुपर-8 चरण रोमांचक मोड़ पर पहुंच चुका है। दो टीमें सेमीफाइनल में प्रवेश कर चुकी हैं जबकि दो स्थानों के लिए लड़ाई जारी है। भारत-वेस्टइंडीज के बीच आज को अहम मुकाबला खेला जाएगा। टीम इंडिया विपक्षी टीम को हल्के में नहीं लेना चाहेगी। अगर सूर्यकुमार यादव की कप्तानी वाली टीम इस मैच को जीतती है तो सेमीफाइनल में जगह बना लेगी। हालांकि, हार के साथ भारत का सफर समाप्त हो जाएगा। ये मुकाबला उसी पिच

पर होगा, जहां स्कॉटलैंड ने 200 से ज्यादा रन बनाए थे। क्यूरेटर सुजान मुखर्जी ने बताया कि भारत और वेस्टइंडीज के बीच सुपर-8 का मैच इसी पिच पर टूर्नामेंट का दूसरा मैच हुआ था। पूर्व बीसीसीआई अध्यक्ष सौरव गांगुली ने मुकाबले से पहले सुजान मुखर्जी और क्यूरेटर आशीष भौमिक के साथ चर्चा की।

पाकिस्तान टूर्नामेंट से बाहर

उधर, कैंडी में पाकिस्तान टी-20 वर्ल्ड कप से बाहर हो गया है। उसने शनिवार को अपने आखिरी सुपर-8 मैच में श्रीलंका को 5 रन से हराया, लेकिन टीम टॉप-4 में जगह नहीं बना सकी। इस नतीजे से न्यूजीलैंड सेमीफाइनल में पहुंच गई है। कैंडी के पल्लेकेले क्रिकेट स्टेडियम में पाकिस्तान को सेमीफाइनल के लिए श्रीलंका को कम से कम 65 रन के अंतर से हराना था। उसे 213 रन का टारगेट चेज कर रही श्रीलंका को 147 रन पर रोकना था। लेकिन, श्रीलंकाई टीम ने 16वें ओवर में 150 रन का आंकड़ा पार कर लिया। पाकिस्तानी टीम ने टॉस जीतकर बैटिंग करते हुए 20 ओवर में 8 विकेट पर 212 रन बनाए। जवाबी पारी में श्रीलंकाई टीम 20 ओवर में 6 विकेट पर 207 रन ही बना सकी। साहिबजादा फरहान प्लेयर ऑफ द मैच रहे।

किसानों के कल्याण के लिए प्रदेश में हो रहे नवाचार: सीएम

दिल्ली में सीएम ने शाह, पार्टी अध्यक्ष से की मुलाकात

विशेष संवाददाता, भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि राज्य सरकार हर मुश्किल वक्त में किसानों के साथ खड़ी है। प्रदेश के सभी किसानों की बेहतरी के लिए हम कई नवाचार कर रहे हैं। कृषि कल्याण वर्ष में हमें प्रदेश के किसानों को आत्मनिर्भर बनाने वाले सभी कार्यों और नवाचारों को प्रोत्साहन देंगे। मुख्यमंत्री शनिवार को नई दिल्ली में पत्रकारों से चर्चा कर रहे थे। उन्होंने कहा कि यूनियन कार्बाइड फैक्ट्री की खाली पड़ी जमीन पर एक भव्य स्मारक बनाए जाने के लिए केंद्रीय गृह मंत्री शाह से मार्गदर्शन प्राप्त किया है। दिल्ली में राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन से भेंट के दौरान उन्हें विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन की जानकारी दी और उन्हें बाबा महाकाल के दर्शन के लिए उज्जैन आने का निमंत्रण भी दिया।

सीएम ने कहा, पिछले दिनों राज्य में आयी प्राकृतिक आपदा से किसानों को हुई फसल क्षति के

सीएम डॉ. यादव ने केंद्रीय गृह मंत्री शाह से भेंट की।

मुआवजे के लिए सर्वे के बाद सरकार मदद कर रही है। गेहूं उत्पादन में हम देश में दूसरे स्थान पर हैं। प्रदेश में उड़द, मसूर, तुअर पर्याप्त मात्रा में पैदा होती है। मप्र तिलहन में भी प्रथम स्थान रखता है। सोयाबीन और मूंगफली सबसे अधिक मप्र में ही होती है। प्राकृतिक खेती और बागवानी में भी मप्र सबसे आगे है। पहली बार कृषि केबिनेट जनजातीय अंचल बड़वानी में 2 मार्च को होने जा रही है। इसमें हम किसानों को होली की सौगात देने जा रहे हैं।

संक्षिप्त खबरें

असिस्टेंट प्रोफेसर के लिए आज होगी परीक्षा

एजुकेशन रिपोर्टर, भोपाल । मप्र लोक सेवा आयोग असिस्टेंट प्रोफेसर के पदों के लिए राज्य पात्रता परीक्षा (सेट) का आयोजन रविवार को प्रदेश के 12 संभागीय मुख्यालयों पर कराएगा। एक लाख 46 हजार आवेदक 31 विषयों की परीक्षा में सम्मिलित होंगे। परीक्षा दो भाग में होगी। पहला भाग सामान्य और दूसरा भाग उम्मीदवारों के विषय से संबंधित होगा। परीक्षा के लिए प्रदेश में 390 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं। परीक्षा का समय दोपहर 12 से तीन बजे तक का रखा गया है। परीक्षा की निगरानी करने के लिए एमपीपीएससी ने कड़ी निगरानी व्यवस्था की हुई है। एमपीपीएससी के ओएसडी आर पंचभाई ने बताया कि सेट परीक्षा के सतत आयोजन से प्रदेश के उम्मीदवारों को शामिल होने क मौका मिलेगा।

मप्र को मिल रही 'चीता स्टेट' की वैश्विक पहचान :सीएम

विसं, भोपाल। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश को चीता प्रोजेक्ट के जरिए चीता स्टेट के रूप में वैश्विक पहचान मिल रही है। बोत्सवाना से लाए गए 9 चीते कूनो नेशनल पार्क में छोड़े जाने से प्रदेश एक कदम और आगे बढ़ा है। सीएम ने केंद्रीय वन मंत्री भूपेन्द्र यादव का आभार जताते हुए कहा कि वे स्वयं गौरवपूर्ण क्षण के साक्षी बनना चाहते थे, लेकिन विकास कार्यों एवं जनकल्याणकारी योजनाओं की सतत प्रतिबद्धताओं के मद्देनजर नई दिल्ली में होने से उपस्थित नहीं हो सके। उपलब्धि वन्य जीव संरक्षण की दिशा में महत्वपूर्ण पड़ाव है।

भोपाल जिला भाजपा की टीम से एमआईसी सदस्य होंगे बाहर, हो सकते हैं दो अध्यक्ष

भाजपा ने अपने सभी जिला संगठनों की सूची की जारी, भोपाल की अभी अटकी

विशेष संवाददाता, भोपाल। मध्यप्रदेश भाजपा ने भोपाल को छोड़कर अपनी सभी जिलों की संगठन टीम की घोषणा कर दी है। शिवरात्रि पर्व पर टीम घोषित होने का दावा भी किया गया था, लेकिन अभी भी सूची जारी नहीं हो पा रही है। जानकार मान रहे हैं कि संगठन के लिए भोपाल जिले की टीम का गठन करना मुसीबत बनता जा रहा है, क्योंकि इसमें नेताओं में एकराय नहीं बन पा रही है, लेकिन सूत्रों का कहना है कि नई टीम में अध्यक्ष को छोड़कर किसी भी एमआईसी सदस्य को शामिल नहीं किया जाएगा। गौरतलब है कि पिछले एक सप्ताह में प्रदेश भाजपा ने भोपाल के अलावा उन जिलों की टीम की घोषणा कर दी है, जहां पर किसी वजह से अब तक कार्यकारणी का गठन नहीं हो पा रहा था। जिला टीम को लेकर अब भी स्थिति साफ नहीं है। उल्लेखनीय है कि पूर्व में भोपाल जिले की घोषित सूची को वरिष्ठ नेतृत्व द्वारा होल्ड किया गया था। तब कहा गया था कि जो सूची जिलाध्यक्ष रविन्द्र यति ने बनाई है, उसमें सभी स्थानीय जनप्रतिनिधियों की राय नहीं ली गई। जिससे सूची जारी होते ही वरिष्ठ नेताओं और पार्टी विधायकों ने संगठन से अपना एतराज जताया, जिसके बाद सूची को होल्ड कर दिया गया। सूची होल्ड होने के दो दिन बाद जिलाध्यक्ष रविन्द्र यति ने बयान दिया था कि महाशिवरात्रि पर्व पर जिले की टीम घोषित कर दी जाएगी, लेकिन पर्व निकले लगभग 15 दिन बीत चुके हैं और अब तक टीम की घोषणा नहीं हो सकी है। सूत्रों का कहना है कि क्षेत्रीय संगठन महामंत्री अजय जामवाल के निर्देश पर प्रदेशाध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल ने जिलाध्यक्ष रविन्द्र यति से कहा है कि वे एक बार फिर पार्टी के सभी विधायकों, जिला और संभागीय संगठन प्रभारियों से मिलकर तीन-तीन नामों की सूची मांगें। सांसद से भी पूरी टीम को लेकर चर्चा करें। इसके बाद सूची को तैयार कर प्रदेश संगठन के पास भेजा जाए, जिससे जिले की टीम की घोषणा की जा सके। पार्टी से जुड़े सूत्रों का कहना है कि जो नई सूची तैयार हो रही है, उसमें वरिष्ठ नेतृत्व के निर्देश के बाद किसी भी एमआईसी (महापौर काउंसिल) सदस्य को शामिल नहीं किया जाएगा। इनके अलावा जो विवादित नाम हैं, उन्हें भी हटाया जाएगा। यानि कि नई टीम में 60 प्रतिशत नए नाम हो सकते हैं। जिलाध्यक्ष की विधायकों और पूर्व विधायकों सहित अन्य संबंधित नेताओं से चर्चा हो चुकी है, लेकिन अभी भी भोपाल सांसद से उनकी सूची को लेकर मंत्रणा होनी है। इसके बाद जल्द ही सूची जारी की जाएगी।

होल्ड सूची में कई एमआईसी सदस्य बने थे पदाधिकारी

गौरतलब है कि भाजपा ने भोपाल की जो जिला टीम की सूची को होल्ड किया था, उसमें जिलाध्यक्ष रविन्द्र यति के अलावा मनोज राठौर, अशोक वाणी, सुषमा बावीसा को भी शामिल किया गया था। जानकारों का कहना है कि यदि नई गाइडलाइन के हिसाब से सूची तैयार की जाती है, तो फिर उक्त सहित दूसरे एमआईसी सदस्यों को जिले की टीम में संगठन का काम करने का मौका नहीं मिलेगा।

भोपाल में भाजपा के 31 मंडल संगठन

भाजपा संगठन से जुड़े जानकारों का मानना है कि भोपाल में भाजपा के 31 मंडल संगठन हैं। अगर इसे संघ की दृष्टि से देंखे, तो भोपाल चार जिले में बंटा है। ऐसे में भोपाल को महानगर की श्रेणी में रखा जा सकता है। अगर ऐसा होता है, तो फिर भोपाल भाजपा संगठन को दो जिलाध्यक्ष बनाने होंगे। जिन्हें आधे-आधे मंडल बांट कर नए सिरे से संगठन खड़ा किया जा सकता है। जानकारों का कहना है कि यदि किसी कारण से ऐसा नहीं किया जाता है, तो जब भी प्रदेश में विधानसभा और लोकसभा को लेकर परमीशन किया जाएगा, तब भोपाल में विधानसभा क्षेत्र बढ़ने के साथ ही भाजपा के दो जिला संगठन बनाए ही जाएंगे।

> जिले की कार्यकारिणी घोषणा जल्द कर दी जाएगी। हमने इस संबंध में अपनी पूरी तैयारी कर ली है। हम नई टीम के साथ और मजबूती से पार्टी संगठन के लिए काम करेंगे।
>
> ■ **रविन्द यति**, भाजपा जिला अध्यक्ष

दो वरिष्ठों को सुपरसीड कर सेन को बनाया वन बल प्रमुख

राज्य शासन के वन विभाग ने आदेश किया जारी

विशेष संवाददाता, भोपाल। भारतीय वन सेवा वर्ष 1991 बैच के अधिकारी शुभरंजन सेन को राज्य वन बल प्रमुख बनाया गया है। 28 फरवरी को वन बल प्रमुख पद से बीएन अंबाड़े सेवा निवृत्त हो गए। सेन को दो वरिष्ठ अधिकारियों को सुपरसीड कर मुखिया बनाया गया है। ऐसा प्रदेश में 15 वर्ष बाद हुआ है। वन बल प्रमुख बीएन अंबाड़े के उत्तराधिकारी को लेकर एक पखवाड़े से राज्य शासन स्तर पर कवायद चल रही थी। वरिष्ठता के आधार पर 1989 बैच के आईएफएस अधिकारी एचयू खान इस पद के दावेदार माने जा रहे थे। 1990 बैच के विभाष कुमार ठाकुर भी इस पद की रेस में थे। लेकिन राज्य सरकार ने शुभरंजन सेन को विभाग का प्रमुख बनाने का आदेश शनिवार को जारी कर दिया। ये दोनों अधिकारी छह से सात माह के अंदर सेवानिवृत्त होने वाले थे, जबकि सेन वर्ष 2027 तक पद पर रहेंगे। सरकार की सोच है कि सेवानिवृत्त में कम समय होने पर प्रमुख पद पर बैठाने वाले अधिकारी को काम करने के लिए ज्यादा मौका नहीं मिलता। ऐसे में पद पर उस अधिकारी को बैठाया जाए, जिसे काम करने का मौका मिल सके और उनका सेवाकाल पहले उपलब्धियों भरा हो। कहा जा रहा है कि प्रधान मुख्य वन संरक्षक (वन्य प्राणी) के तौर पर सेन के कार्यकाल में कई विभागों ने उपलब्धियां प्राप्त की हैं।

होली के बाद खान -ठाकुर के बारे में होगा निर्णय

जानकारी के अनुसार शुभरंजन सेन से वरिष्ठ एचयू खान और विभाष कुमार ठाकुर की नए सिरे से पदस्थापना को लेकर होली के बाद निर्णय हो सकता है। इसी तरह पीसीसीएफ वन्य प्राणी के पद पर कौन बैठेगा, इसे लेकर भी निर्णय होना है। वर्तमान में यह पद शुभरंजन सेन के पास है। जानकारों का कहना है कि इस पद पर लघु वनोपज संघ की प्रबंध संचालक समिता राजौरा को बैठाया जा सकता है।

15 साल बाद फिर किया सुपरसीड

गौरतलब है कि लगभग 15 साल पहले भी दो वरिष्ठ अधिकारियों को सुपरसीड करते हुए वी.गंगोपाध्याय को मध्यप्रदेश वन विभाग का वन बल प्रमुख बनाया गया था। उस समय प्रदेश में शिवराज सिंह चौहान की सरकार थी। यानि कि 15 साल बाद एक बार फिर से अधिकारियों को सुपरसीट करते हुए वन बल प्रमुख की नियुक्ति की गई है।

सीएम मोहन-हेमंत दिल्ली में, शाह ने विजयवर्गीय व पटेल को भी बुलाया

वरिष्ठों के दिल्ली दौरे से प्रदेश में बढ़ीं राजनीतिक सरगर्मियां

सीएम और प्रदेश अध्यक्ष ने राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन से की मुलाकात

विशेष संवाददाता, भोपाल। मध्यप्रदेश की राजनीति में शनिवार का दिन सरगर्मियों भरा रहा। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव भाजपा प्रदेशाध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल के साथ नई दिल्ली प्रवास पर पहुंचे, तो कयास लगाए जाने लगे कि अब कभी भी सत्ताधारी दलों के नेताओं को निगम मंडल सहित अन्य सरकारी संस्थाओं में पद मिलेंगे। दोनों नेताओं ने राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन और केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह से अलग-अलग मुलाकात की है। गौरतलब है कि मध्यप्रदेश में निगम-मंडल और प्राधिकरण सहित अन्य संस्थाओं में राजनीतिक नियुक्तियों का मामला पिछले लगभग छह माह से किसी न किसी कारण से टलता आ रहा है। सीएम डॉ. यादव जब भी दिल्ली प्रवास पर गए, दावेदारों की उम्मीद बढ़ी, लेकिन अब तक नियुक्तियों पर से पर्दा नहीं हट सका है। हालांकि विधानसभा सत्र प्रारम्भ होने से पहले प्रदेशाध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल ने भी निगम मंडलों में जल्द नियुक्तियां होने की बात कही थी। सरकार और संगठन स्तर पर तैयारी पूरी हो चुकी है और कभी भी नियुक्तियों से जुड़ी सूची जारी कर दी जाएगी। अब तक सूची जारी नहीं हो सकी है। विधानसभा का बजट सत्र समाप्त होने के बाद मुख्यमंत्री डॉ. यादव और प्रदेशाध्यक्ष खंडेलवाल ने शनिवार को दिल्ली में कई वरिष्ठ नेताओं से मुलाकात की है। राष्ट्रीय संगठन महामंत्री बीएल संतोष भी मुलाकात हुई है। इसके अलावा दोनों नेताओं के केंद्रीय मंत्री शाह से मिलकर संगठन और सरकार के कामकाजों का जहां जिक्र किया है, वहीं विधानसभा सत्र के दौरान लिए गए निर्णयों से उन्हें अवगत भी कराया है।

मार्च में बड़ा फेरबदल संभावित

सूत्रों की मानें तो अगले माह मध्यप्रदेश में सरकार और संगठन स्तर पर कोई बड़ा निर्णय हो सकता है। जानकार इसे मंत्रिमण्डल विस्तार और फेरबदल से जोड़ रहे है। कहा जा रहा है कि शनिवार को केंद्रीय नेताओं मुलाकात के दौरान मंत्रिपरिषद में संभावित फेरबदल को लेकर भी चर्चा की गई है। कहा तो यह भी जा रहा है कि कुछ बड़े चेहरों को राष्ट्रीय संगठन में ले जाकर नए विधायकों को मंत्री पद की शपथ दिलाई जा सकती है। इनमें से कुछ महिला विधायकों के नाम भी लिए जा रहे है।

भागीरथपुरा की स्थिति से अवगत कराया

कैबिनेट मंत्री कैलाश विजयवर्गीय शनिवार को दिल्ली प्रवास पर रहे। उन्हें शुक्रवार को देर शाम केंद्रीय मंत्री अमित शाह के कार्यालय से दिल्ली पहुंचने को कहा गया था। जिससे विजयवर्गीय शुक्रवार की रात को ही दिल्ली पहुंच गए थे। उन्होंने शनिवार को केंद्रीय मंत्री शाह से अलग से भेंट की। सूत्रों का कहना है कि इस भेंट में विजयवर्गीय ने बजट सत्र के दौरान विपक्ष से हुई तीखी बहस के बारे में शाह को जानकारी दी और भागीरथपुरा की वास्तविक स्थिति से भी उन्हें अवगत कराया है। विजयवर्गीय ने इस संबंध में सोशल मीडिया पर पोस्ट कर मुलाकात की तस्वीर भी साझा की है। विजयवर्गीय ने अपने ट्वीट में लिखा कि उनकी दिल्ली प्रवास के दौरान केंद्रीय मंत्री शाह से सौजन्य भेंट हुई है। इस अवसर पर उनसे मध्यप्रदेश की प्रगति के संदर्भ में चर्चा हुई और विभिन्न समसामायिक विषयों एवं जनकल्याण पर सार्थक संवाद भी हुआ है। इसी तरह सरकार के पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री प्रहलाद पटेल को भी दिल्ली बुलाया गया था। उनकी भी अमित शाह से मुलाकात हुई है।

100 केंद्रों पर लगे स्वास्थ्य शिविरों में पहुंचे 10 हजार नागरिक

भोपाल। राष्ट्रीय सेवा भारती द्वारा शनिवार को राजधानी में अलग-अलग 100 केन्द्रों में स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया,जिसमें विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा स्वास्थ्य परीक्षण और चिकित्सीय परामर्श दिया गया। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष पर आयोजित स्वास्थ्य शिविरों में आरोग्य भारती, सबका सहारा सोशल वेलफेयर सोसाइटी और एमपी टीबी एसोसिएशन ने अपनी भूमिका निभाई। अध्यक्ष डॉ. अभिजीत देशमुख और भोपाल विभाग सेवा प्रमुख पर्वत सिंह शिविर के दौरान सक्रिय रहे। उनके मुताबिक शिविर में 10 हजार से भी अधिक नागरिकों ने लाभ उठाया। डॉ. देशमुख ने कहा, एक ही समय में 100 केंद्रों पर चिकित्सा सेवाओं का प्रबंधन करना और 10 हजार लोगों तक पहुंचना एक चुनौतीपूर्ण कार्य था, जिसे एकजुटता और इन प्रतिष्ठित संस्थानों के सहयोग से प्राप्त किया है। यह उपलब्धि हमारे संकल्प और सेवा भावना की एक बड़ी विजय है।

कार्यालय कार्यपालन यंत्री लो.नि.वि. वि ./यां. संभाग रीवा

क्रमांक/11624/कार्य/निविदा/2025-26 — रीवा, दिनांक 17/02/2026
निविदा क्र. D-58/2025-26 — रीवा, दिनांक 17/02/2026

निविदा आमंत्रण-सूचना

निम्नलिखित कार्य हेतु ऑन-लाइन निविदा आमंत्रित की जाती है। जिसका विवरण www.mptenders.gov.in पर देखा जा सकता है। आमंत्रित निविदा का संक्षिप्त विवरण।

क्र.	टेण्डर आई.डी. क्रमांक	कार्य का नाम	आमंत्रण क्र.	कार्य पूर्ण करने की समयावधि	ठेकेदार की श्रेणी	कार्य की अनुमानित राशि	निविदा प्रपत्र का मूल्य	अमानत राशि
1	2026_PWDRB_483827_1	जिला रीवा के एस. एस. मेडिकल कॉलेज रीवा में पुराने मेडिकल कॉलेज भवन के विद्युत उन्नयन का कार्य।	प्रथम आमंत्रण	06 माह	'अ' श्रेणी या उच्च विद्युत ठेकेदार	10993038.00	12500.00	109930.00
2	2026_PWDRB_483828_1	जिला रीवा के जी. एम.एच. अंतर्गत संस्कृत कन्या छात्रावास (ए-ब्लॉक) के विद्युत उन्नयन का कार्य।	प्रथम आमंत्रण	03 माह	'अ' श्रेणी या उच्च विद्युत ठेकेदार	2507376.00	5000.00	50000.00
3	2026_PWDRB_483829_1	जिला रीवा के जी. एम.एच. अंतर्गत संस्कृत कन्या छात्रावास (बी-ब्लॉक) के विद्युत उन्नयन का कार्य	प्रथम आमंत्रण	03 माह	'अ' श्रेणी या उच्च विद्युत ठेकेदार	2424485.00	5000.00	50000.00
4	2026_PWDRB_483830_1	जिला रीवा के एस.एस. मेडिकल कॉलेज रीवा अंतर्गत सुमति कन्या छात्रावास के विद्युत उन्नयन का कार्य।	प्रथम आमंत्रण	03 माह	'अ' श्रेणी या उच्च विद्युत ठेकेदार	2440340.00	5000.00	50000.00
5	2026_PWDRB_483831_1	जिला रीवा के एस. जी. एम. एच. में आईसीसीयू मेडिसिन रूम के पैनल में नोवेक 1230 गैस के साथ स्वचालित अग्नि जांच और दमन प्रणाली की आपूर्ति, फिक्सिंग, परीक्षण और कमीशनिंग का कार्य।	प्रथम आमंत्रण	06 माह	'अ' श्रेणी या उच्च विद्युत ठेकेदार	4135433.00	5000.00	50000.00
6	2026_PWDRB_483832_1	जिला रीवा के एस. एस. मेडिकल कॉलेज के अन्तर्गत यू.जी. बालक छात्रावास के विद्युत उन्नयन का कार्य।	प्रथम आमंत्रण	03 माह	'अ' श्रेणी या उच्च विद्युत ठेकेदार	2507376.00	5000.00	50000.00
7	2026_PWDRB_483833_1	जिला रीवा के जी.एम.एच. में एनआईसीयू यूनिट रूम में नोवेक 1230 गैस के साथ स्वचालित अग्नि जांच और दमन प्रणाली की आपूर्ति, फिक्सिंग, परीक्षण और कमीशनिंग का कार्य।	प्रथम आमंत्रण	06 माह	'अ' श्रेणी या उच्च विद्युत ठेकेदार	3916682.00	5000.00	50000.00
8	2026_PWDRB_483834_1	जिला रीवा के जी.एम.एच. में एसएनसीयू यूनिट रूम में नोवेक 1230 गैस के साथ स्वचालित अग्नि जांच और दमन प्रणाली की आपूर्ति, फिक्सिंग, परीक्षण और कमीशनिंग का कार्य।	प्रथम आमंत्रण	06 माह	'अ' श्रेणी या उच्च विद्युत ठेकेदार	4114700.00	5000.00	50000.00
9	2026_PWDRB_483835_1	जिला रीवा के जी.एम.एच. में पीआईसीयू यूनिट रूम में नोवेक 1230 गैस के साथ स्वचालित अग्नि जांच और दमन प्रणाली की आपूर्ति, फिक्सिंग, परीक्षण और कमीशनिंग का कार्य।	प्रथम आमंत्रण	06 माह	'अ' श्रेणी या उच्च विद्युत ठेकेदार	7613492.00	10000.00	76135.00
10	2026_PWDRB_483836_1	जिला रीवा के गांधी मेमोरियल अस्पताल के लिए फायर हाइड्रेंट के विद्युतीकरण का कार्य।	प्रथम आमंत्रण	06 माह	'अ' श्रेणी या उच्च विद्युत ठेकेदार	12684743.00	12500.00	126847.00
11	2026_PWDRB_483837_1	जिला रीवा के गांधी मेमोरियल हॉस्पिटल ओपीडी ब्लॉक के लिए फायर हाइड्रेट के विद्युतीकरण काा कार्य।	प्रथम आमंत्रण	06 माह	'अ' श्रेणी या उच्च विद्युत ठेकेदार	8278724.00	10000.00	82787.00
12	2026_PWDRB_483838_1	जिला रीवा के एस.एस. मेडिकल कॉलेज रीवा जिले में स्वचालित फायर अलार्म और स्मोक डिटेक्टर सिस्टम प्रदान करने का कार्य।	प्रथम आमंत्रण	06 माह	'अ' श्रेणी या उच्च विद्युत ठेकेदार	5624150.00	10000.00	56242.00
13	2026_PWDRB_483839_1	जिला रीवा के जी.एम.एच. में स्वचालित फायर अलार्म और स्मोक डिटेक्टर सिस्टम प्रदान करने का कार्य।	प्रथम आमंत्रण	06 माह	'अ' श्रेणी या उच्च विद्युत ठेकेदार	9635916.00	10000.00	96359.00
14	2026_PWDRB_483840_1	जिला रीवा के एस.एस. मेडिकल कॉलेज रीवा जिला में आउट डोर रोगी विभाग (ओपीडी) में स्वचालित फायर अलार्म और स्मोक डिटेक्टर सिस्टम प्रदान करने का कार्य।	प्रथम आमंत्रण	06 माह	'अ' श्रेणी या उच्च विद्युत ठेकेदार	5279304.00	10000.00	52793.00
15	2026_PWDRB_483841_1	जिला रीवा के डी. जी. पर नोवेक 1230 गैस के साथ स्वचालित अग्नि जांच और दमन प्रणाली की आपूर्ति, फिक्सिंग, परीक्षण और कमीशनिंग के लिए आइटम। एस.जी.एम.एच. के यूनिट रूम में मुख्य नियंत्रण 33 / 0.4 के. वी. सेट के विद्युतीकरण का कार्य ।	प्रथम आमंत्रण	06 माह	'अ' श्रेणी या उच्च विद्युत ठेकेदार	3252546.00	5000.00	50000.00
16	2026_PWDRB_483842_1	जिला रीवा के एस. एन.सी.यू. पैनेल पर नोवेक 1230 गैस के साथ स्वचालित अग्नि जांच और दमन प्रणाली की आपूर्ति, फिक्सिंग, परीक्षण और कमीशनिंग के लिए विद्युतीकरण का कार्य।	प्रथम आमंत्रण	03 माह	'अ' श्रेणी या उच्च विद्युत ठेकेदार	721444.00	2000.00	14429.00

निविदा फार्म online भुगतान कर 04/03/2026 को शाम 5:30 तक क्रय किये जा सकते हैं। विस्तृत निविदा आमंत्रण सूचना व अन्य विस्तृत जानकारी उपरोक्त वेबसाइट पर देखी जा सकती है। जिसे अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में कार्यालयीन समय पर देखी जा सकती है। किसी भी प्रकार का संसोधन समाचार पत्र में प्रकाशित नहीं किया जायेगा केवल वेबसाइड पर अपलोड किया जायेगा । निविदा राशि के बराबर समान कार्य पूर्ण करने का अनुभव होना आवश्यक है। जिसका पूर्णत: प्रमाण पत्र सक्षम अधिकारी से प्रमाणित होना चाहिये।
निविदा दिनांक- 06/03/2026 को खोली जावेगी।

(इंजी. आर. पी सिंह)
कार्यपालन यंत्री
लोक निर्माण विभाग (वि./यॉं.)
संभाग रीवा (म.प्र.)

जी-26601/25

बच्चों की मुस्कान है अनमोल, इसे सुरक्षित रखें हर हाल

आरजीपीवी में चार डीआर पद स्वीकृत पर काम कर रहे सात

एजुकेशन रिपोर्टर, भोपाल। राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में शासन ने चार डिप्टी रजिस्ट्रार के पद स्वीकृत किए हैं, लेकिन काम सात कर रहे हैं। आरजीपीवी ने जबरिया तीन डीआर नियुक्त हुए हैं। इससे कक्षाएं प्रभावित हो रही हैं। कोई प्रशासनिक अनुभव नहीं होने के कारण कार्यालय में फाइलों के ढेर लग रहे हैं। फैकल्टी होने के बाद भी विद्यार्थी कक्षाओं में सिर्फ बैठकर अपना समय व्यतीत कर रहे हैं। आरजीपीवी में शासन द्वारा नियुक्त किए गए डीआर में कौतिक सोनवने के पास सीएम हेल्पलाइन, स्टोर और विधानसभा का काम है। जबकि डीआर राजेश भार्गव एकेडमिक और पीएचडी, धर्मेश शुक्ला के पास सीएम हेल्पलाइन व दस्तावेज सत्यापन, ट्रांसक्रिप्ट, नाम संशोधन और सुबोध पांडे के पास स्थापना विभाग का प्रभार है। जबकि तीन में एक महिला डीआर के पास परीक्षा, रविंद्र रांदा प्रशासन और राजीव पांडे विधि विभाग में रहते हुए कार्य कर रहे हैं। उक्त तीनों विभाग बहुत छोटे हैं। शासन द्वारा नियुक्त किए गए डीआर ही उक्त विभागों को संभालते थे। उक्त तीनों डीआर को कुलसचिव रहते हुए डॉ मोहन सेन ने नियुक्त किया था। अब कुलसचिव सेन आरजीपीवी से कार्यमुक्त हो गए हैं। इसके बाद भी वे डीआर पदों पर बने हुए हैं।

विद्यार्थियों की कक्षाएं हो रहीं प्रभावित

कार्यालय और कक्षाओं से नदारद रहते हैं प्रोफेसर

डीआर रविंद्र रांदा प्रशासनिक भवन में प्रशासन कार्य देखते हुए हैं, जबकि वे आरजीपीवी के पालीटेक्निक में एसोसिएट प्रोफेसर हैं। वे ना कक्षाओं में मिलते हैं और ना ही प्रशासनिक भवन में दिखाई देते हैं। इससे पालीटेक्निक में प्रवेशरत करीब 200 विद्यार्थियों की कक्षाएं सफर कर रही हैं। इस संबंध में विद्यार्थयों ने गत वर्ष तत्कालीन कुलसचिव सेन से शिकायत भी की थी, लेकिन वे कोई कार्रवाई भी नहीं कर पाए। इसी तरह राजीव पांडे विधि विभाग देखते हुए हैं। जबकि वे कंप्यूटर साइंस के एसोसिएट प्रोफेसर हैं। उनके विभाग में फाइलों का ढेर लगता जा रहा है। वे भी फाइलें निपटाने के लिए कक्षाएं छोड़ देते हैं। इससे विद्यार्थियों की पढ़ाई परवान चढ़ रही है।

> सभी डीआर मेरे नियुक्त होने के पूर्व नियुक्त किए गए हैं। उनसे क्या कार्य लिया जा रहा है। उनकी विभाग में जरूरत को देखते हुए आगामी निर्णय लिया जाएगा।
>
> ■ **प्रो एससी चौबे**, कुलगुरु आरजीपीवी

विधायक निर्मला सप्रे की सदस्यता मामले में सचिवालय ने स्टेटस रिपोर्ट हाईकोर्ट में पेश की

विशेष संवाददाता, भोपाल। बीना विधायक निर्मला सप्रे की दलबदल कानून के तहत सदस्यता के मामले पर विधानसभा सचिवालय ने अपनी स्टेटस रिपोर्ट हाईकोर्ट में पेश कर दी है। इस मामले में हाईकोर्ट अब मार्च के अंतिम सप्ताह सुनवाई करेगा। गौरतलब है कि नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार की याचिका पर बीती 27 फरवरी को हाईकोर्ट में सुनवाई होनी थी। किसी कारण वश इस पर बहस नहीं हो सकी है। बताया गया है कि इस मामले पर मध्यप्रदेश विधानसभा सचिवालय द्वारा स्टेटस रिपोर्ट हाईकोर्ट में पेश कर दी है। जानकारों की मानें तो सचिवालय ने अपनी रिपोर्ट में संविधान की 10 वीं सूची का उल्लेख करते हुए कहा कि किसी विधायक की अयोग्यता पर अंतिम फैसला केवल विधानसभा अध्यक्ष का है। जब तक अध्यक्ष कोई निर्णय नहीं लेते, तब तक न्यायपालिका को इसमें हस्तक्षेप नहीं करना चाहिए। रिपोर्ट में कई सुप्रीम कोर्ट के कई पुराने फैसलों का जिक्र किया गया है। सचिवालय ने कहा कि विधानसभा का कार्यकाल अभी लंबा है, इसलिए देरी से लोकतांत्रिक प्रक्रिया को कोई नुकसान नहीं हो रहा है। ऐसे में प्रक्रिया में तेजी लाने के लिए किसी भी तरह का दबाव नहीं बनाना चाहिए। इस संबंध में नोटिस जारी हो चुके हैं और साक्ष्यों की जांच की जा रही है।

कार्यालय मुख्य अभियंता (भवन)
लोक निर्माण विभाग, निर्माण भवन, प्लाट नं.-27-28, अरेरा हिल्स, भोपाल

एनआईटी नं.- 05/2026/निविदा/सा/मु.अ.भ./ — भोपाल दिनांक 20.02.2026

निम्नलिखित कार्य हेतु ऑनलाईन निविदा पंजीकृत ठेकेदारों अथवा पंजीयन हेतु उपयुक्त पात्रता वाली प्रतिष्ठित फर्म से आमंत्रण की जाती है :-

स. क्र.	पोर्टल टेंडर क्र.	कार्य का नाम	जिला	ठेके की अनुमानित राशि (पीएसी) (रु. लाख में)	अमानत राशि (ईएमडी) (रु. में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य (रु. में)	कार्य पूर्ण करने का समय (माह में वर्षाकाल सहित)
1	2	3	4	5	6	7	8
1	2026_PWPIU_484805_1	यूनानी महाविद्यालय परिसर जिला भोपाल में विभिन्न/मरम्मत/रिनोवेशन कार्य एवं 02 अतिरिक्त क्लास रूम का निर्माण कार्य।	भोपाल	161.87	161870	12500	12 माह वर्षाकाल सहित
2	2026_PWPIU_484823_1	लोक निर्माण विभाग (भवन) जिला भोपाल में विभिन्न विभागों के भवन कार्यों हेतु सुपरविजन एवं क्वालिटी कंट्रोल सर्विसेसे कार्य।	भोपाल	12601.52	252030	15000	24 माह वर्षाकाल सहित
3	2026_PWPIU_484858_1	प्रोवाइडिंग फर्नीचर फार गवर्नमेंट लॉ कॉलेज नर्मदापुरम एंड गवर्नमेंट कॉलेज इछावर डिस्ट्रिक्ट सीहोर म.प्र.	नर्मदापुरम	49.81	50000	5000	03 माह वर्षाकाल सहित
4	2026_PWPIU_484059_1	शासकीय महाविद्यालय खिलचीपुर जिला राजगढ़ में 06 अतिरिक्त अध्ययन कक्षों का निर्माण कार्य	राजगढ़	420.18	420180	15000	12 माह वर्षाकाल सहित
5	2026_PWPIU_484283_1	विदिशा में शासकीय महाविद्यालय लटेरी की बाउण्ड्रीवॉल का निर्माण विदिशा	विदिशा	96.37	96370	10000	10 माह वर्षाकाल सहित

1 निविदा से संबंधित बिड डॉक्यूमेंट वेबसाईट http://mptenders.gov.in पर बिना भुगतान के देखे एवं डाउनलोड किये जा सकेंगे।
2 निविदा प्रपत्र का मूल्य ऑन-लाईन पोर्टल पर क्रेडिट/डेबिट/कैशकार्ड/इंटरनेट बैंकिंग के माध्यम से भुगतान कर निविदा प्रपत्र खरीदा जा सकेगा ।
3 निविदा प्रपत्र केवल ऑन-लाईन दिनांक 20.02.2026 समय 10.30 से दिनांक 06.03.2026 समय 05.30 तक खरीदा जा सकेगा। सूचना व अन्य जानकारी बेबसाईट पर देखी जा सकती है।
4 निविदा से संबंधित समस्त आवश्यक संशोधन उपरोक्त वेबसाईट पर ही दर्ज किये जायेंगे, पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जावेगा।

जी-26603/25

पॉक्सो है सुरक्षा का हथियार, बच्चों पर न करें अत्याचार

मुख्य अभियंता (भवन)
लोक निर्माण विभाग भोपाल

नगर में आज

तुक्के पर तुक्का

शाम: 6:30 बजे से
स्थान : एलबीटी

नृत्य नाटिका

अनंत ज्योति
शाम: 7 बजे से
स्थान: अर्ध्य प्रेक्षागृह, गांधी भवन

सोलो सागा 4.0

नाटक: बैक लेन
शाम : 6:30 बजे से
स्थान : संस्कार भारती हाल

खुल जा सिम-सिम

शाम: 5:30 बजे से
स्थान: ख्याल प्रेमियों का, विद्या नगर

माह का प्रादर्श

स्थान: इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय, श्यामला हिल्स।
समय: शाम 12:00 बजे।

महिलाओं में तेजी से बढ़ रहा कैंसर, स्क्रीनिंग सिर्फ 3 प्रतिशत

- मेनोपोज की कार्यशाला में सामने आए आंकड़े
- यूटरस आपरेशन का हुआ लाइम डेमो

नगर संवाददाता, भोपाल। इंडियन मेनोपॉज सोसायटी के राष्ट्रीय सम्मेलन में जो आंकड़े सामने आए, उन्होंने सभी को चौंका दिया। विशेषज्ञों ने साफ कहा कि ब्रेस्ट कैंसर अब सिर्फ 40-50 साल की महिलाओं की बीमारी नहीं रह गया है। अब 24 साल की युवतियां भी इसकी चपेट में आ रही हैं। इससे भी ज्यादा चिंता की बात यह है कि जहां 90 प्रतिशत महिलाओं की नियमित स्क्रीनिंग होनी चाहिए, वहां देश में 3 प्रतिशत से भी कम महिलाएं जांच करवा रही हैं। डॉक्टरों का कहना है कि अगर समय रहते जांच और वैक्सीनेशन शुरू नहीं किया गया तो आने वाले सालों में स्थिति और गंभीर हो सकती है। सम्मेलन का उद्घाटन इंडियन मेनोपॉज सोसायटी की राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. अनीता शाह, डॉ. सुधा शर्मा, डॉ. शशि श्रीवास्तव, डॉ. वैजयंती, डॉ. मनीषा खरे, डॉ. श्रद्धा अग्रवाल और अन्य पदाधिकारियों की उपस्थिति में हुआ। इस दौरान घोषणा की गई कि आगरा की स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. आरती गुप्ता इंडियन मेनोपॉज सोसायटी की अगली राष्ट्रीय अध्यक्ष होंगी।

कम उम्र में ब्रेस्ट कैंसर की वजह

अहमदाबाद से आईं सर्जिकल ऑन्कोलॉजिस्ट डॉ. अंजना चौहान ने बताया कि कुछ वर्षों में कम उम्र की लड़कियों में ब्रेस्ट कैंसर के मामले बढ़े हैं। इसकी वजह बिगड़ती लाइफस्टाइल है। जंक फूड, मोटापा, शारीरिक गतिविधि की कमी, देर रात तक जागना, तनाव और हार्मोनल असंतुलन ये सभी मिलकर शरीर पर असर डालते हैं। पहले जहां ब्रेस्ट कैंसर 45 साल के बाद देखा जाता था, अब 20 से 30 साल की उम्र में भी केस सामने आ रहे हैं। कम उम्र में बीमारी ज्यादा आक्रामक होती है, इसलिए समय पर पहचान बेहद जरूरी है।

वायरस कई साल तक चुप रहता है

सर्वाइकल कैंसर को लेकर विशेषज्ञों ने चिंता जताई। डॉ. चौहान ने बताया कि यह कैंसर एचपीवी (ह्यूमन पैपिलोमा वायरस) संक्रमण से होता है। यह वायरस कई सालों तक शरीर में बिना लक्षण के रह सकता है और बाद में कैंसर का रूप ले लेता है। उन्होंने बताया कि 28 फरवरी से शुरू हो रहा एचपीवी वैक्सीनेशन अभियान बड़ी पहल है। अगर 14 साल की लड़कियों को समय पर वैक्सीन लग जाए तो भविष्य में सर्वाइकल कैंसर के मामलों में भारी कमी लाई जा सकती है। फिलहाल वैक्सीनेशन का प्रतिशत भी काफी कम है, लेकिन इस नई पहल से इसमें सुधार की उम्मीद है।

डॉक्टर ने ओपीडी से की रोबोटिक सर्जरी

सर्जिकल वर्कशॉप के दौरान प्रजनन एवं स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. प्रिया भावे चित्तावर ने अपनी ओपीडी से बैठकर टेलीरोबोटिक सर्जरी की। करीब एक घंटे चली इस सर्जरी में बच्चेदानी (यूटरस) को सफलतापूर्वक निकाला गया। इस दौरान आए विशेषज्ञों ने लाइव प्रक्रिया देखी और नई तकनीक की बारीकियां समझीं। यह पहला मौक था जब किसी कॉन्फ्रेंस में इस तरह ओपीडी से लाइव टेली सर्जरी का टेलीकास्ट किया गया हो।

संक्षिप्त खबरें

बटेश्वर धाम से आज विदा होंगी मां पार्वती

एजुकेशन रिपोर्टर, भोपाल। श्री बड़वाले महादेव मंदिर सेवा समिति एवं ट्रस्ट द्वारा आयोजित 21 दिवसीय महाशिवरात्रि महोत्सव का समापन मां पार्वती की विदाई और मंदिर में फाग उत्सव के साथ संपन्न होगा। मंदिर समिति के संजय अग्रवाल एवं प्रमोद नेमा ने बताया कि रविवार को बड़वाले महादेव मंदिर परिसर में मां भवानी मंदिर समिति अध्यक्ष आशीष सैनी की अगुवाई में श्रद्धालु शाम पांच बजे पहुंचेंगे। यहां स्वागत पूजन एवं आरती के बाद माता पार्वती की पारंपरिक विदाई होगी। इसके बाद विदाई शोभायात्रा जवाहर चौक जुमेराती, लोहा बाजार, चौक बाजार, लखेरापुरा से भवानी मंदिर सोमवारा पहुंचेगी। यहां फाग उत्सव के साथ कार्यक्रम का समापन होगा। शोभायात्रा में धर्म ध्वज, बैंड, ढोल, डीजे, श्री राधा कृष्ण, श्री गणेश एवं अन्य देवी देवताओं की झांकियों के साथ सबसे आखिर में फूलों एवं विद्युत से सुसज्जित रथ में माता पार्वती विराजमान होंगी। मंदिर में बाबा बटेश्वर का रंग गुलाल एवं फूलों से भूतेश्वर स्वरूप में विशेष श्रृंगार कर महाआरती की जाएगी एवं गुलाल व फूलों से होली खेली जाएगी। इसी के साथ 21 दिवसीय महाशिवरात्रि महोत्सव का समापन होगा। सनातन परंपरा के अनुसार नई दुल्हन पहली होली ससुराल में नहीं मनाती इसी परंपरा के तहत उक्त कार्यक्रम का आयोजन किया जाता है।

बिजनेसमैन के खिलाफ दर्ज कराई एफआईआर

क्राइम रिपोर्टर, भोपाल। दिल्ली के बिजनेसमैन के खिलाफ रिटायर्ड डीएसपी की बेटी ने दहेज प्रताड़ना का आरोप लगाया है। आरोपी पति, सास व ननद दहेज के नाम पर पांच करोड़ रुपए की मांग कर रहे थे। रुपए न मिलने पर शारीरिक व मानसिक रूप से परेशान कर रहे थे। महिला थाना पुलिस भोपाल ने पीड़िता की रिपोर्ट पर केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। महिला थाना पुलिस के मुताबिक, मेंडोरी रातीबड़ निवासी शैब्या (31) की वर्ष 2018 में दिल्ली के सुशांत चोपड़ा से शादी हुई थी। शैब्या के पिता रिटायर्ड डीएसपी भारतेंदु शर्मा हैं। सुशांत दिल्ली में बिजनेसमैन हैं। उनका चाइना में माल सप्लाई होता है। शादी के कुछ समय तक सबकुछ ठीक रहा। लेकिन कुछ समय से आरोपी पति सुशांत व परिवार वाले उसे दहेज लाने के लिए विवश कर रहे थे। दहेज में वह पांच करोड़ की मांग कर रहे थे। पीड़िता ने यह रकम लाने से मना किया तो उसे शारीरिक व मानसिक रूप से प्रताड़ना देना शुरू हो गई। आरोपी पति के साथ सास व ननद उसे प्रताड़ित करने लगे। पीड़िता की रिपोर्ट पर महिला थाना पुलिस ने आरोपी पति सुशांत के साथ रिपू चोपड़ा व पारूल के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

हाइब्रिड अमरूद का नया हब बना भोपाल

जागरण संवाददाता, भोपाल। पांच सालों में भोपाल हाइब्रिड अमरूद के नए हब के रूप में सामने आया है। इसके चलते केंद्र सरकार द्वारा भोपाल के हाइब्रिड अमरूद को एक जिला एक उत्पाद योजना के तहत चुना गया है। पिछले पांच सालों में भोपाल का अमरूद उत्पादन लगभग 70 फीसदी बढ़ गया है, जिसके तहत किसानों को एक सीजन में लगभग लाखों रुपए की आय हो रही है। जिसके चलते उद्यानिकी विभाग किसानों को अमरूद उत्पादन बढ़ाने के लिए केंद्र व राज्य सरकार की विभिन्न योजनाओं जैसे ड्रिप सिस्टम, उच्च किस्म के पौधों का वितरण, तकनीकी मार्गदर्शन के साथ ही अन्य उपकरणों व संसाधनों के लिए ऋण एवं सब्सिडी प्रदान कर रही है। बता दें कि जिले में मनमोहन पाटीदार, अरुण दांगी, अभिषेक दांगी लगातार अमरूद उत्पादन कर रहे हैं। बरखेड़ा बरामद के अभिषेक दांगी बताते हैं कि तीन साल पहले साढ़े चार एकड़ भूमि में 1660 बीएनआर अमरूद के पौधे रोपे थे, जो आज उन्हें 6 हजार 400 केजी अमरूद का उत्पादन दे रहे हैं।

चिनार ड्रीम सिटी में लिफ्ट छह मंजिल से नीचे गिरी, युवक के पैर में फ्रैक्चर

इमरजेंसी बटन दबाया, लेकिन कोई काम नहीं आया, लापरवाही की जांच में जुटी मिसरोद पुलिस

क्राइम रिपोर्टर, भोपाल। मिसरोद इलाके में स्थित चिनार ड्रीम सिटी की लिफ्ट छह मंजिल से सीधे नीचे गिर गई। लिफ्ट में सवार एक युवक का पैर फ्रैक्चर हो गया, जबकि उसका साथी बाल-बाल बच गया। घटना के दौरान युवक ने इमरजेंसी बटन दबाया, लेकिन कोई काम नहीं आया। पुलिस मामले की जांच में जुटी है। मिसरोद थाना प्रभारी रतन सिंह परिहार ने बताया कि 24 वर्षीय अनुज पथरौल चिनार ड्रीम सिटी में छठवें फ्लोर पर आई-605 में रहता है। वह मंडीदीप स्थित एक फैक्ट्री में मार्केटिंग का काम करता है। उसका दोस्त प्रदीप यादव भी साथ में काम करता है। शनिवार सुबह करीब पौने दस बजे दोनों जॉब पर जाने के लिए निकले थे। लिफ्ट पहले से छठे फ्लोर पर ही खड़ी थी। अनुज ने लिफ्ट की शटर खोली और दोनों अंदर दाखिल हुए। अनुज लिफ्ट का बटन दबाने वाला था इससे पहले लिफ्ट तेज रफ्तार से नीचे जाने लगी। कुछ ही सेकंड में लिफ्ट सीधे नीचे जा गिरी। हादसे में अनुज के पैर में चोट आई। जबकि प्रदीप को मामूली चोटें आईं। घटना के बाद दोनों को अस्पताल पहुंचाया गया।

सीमेंट बेस में जाकर धंस गई

अनुज ने पुलिस को बताया कि लिफ्ट के नीचे जाते समय आधा शटर खुला था। उसी दौरान अनुज ने इमरजेंसी बटन दबाने की कोशिश की, लेकिन कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली। लिफ्ट धमाके की आवाज के साथ नीचे जाकर गिरी। लिफ्ट ग्राउंड फ्लोर से करीब एक फीट नीचे बने सीमेंट बेस पर आकर धंस गई। अनुज व उसका साथी लिफ्ट से बाहर निकले। झटके के कारण अनुज का पैर फ्रैक्चर हो गया। थाना प्रभारी रतन सिंह का कहना है कि फिलहाल कोई एफआईआर दर्ज नहीं की गई है। अनुज अपने गृह नगर विदिशा चला गया है। जबकि इंदौर निवासी प्रदीप भी अपने घर चला गया। मामले में किसकी लापरवाही है, इसकी जांच की जा रही है। पुलिस लिफ्ट प्रबंधन से पूछताछ कर रही है।

चिनार ड्रीम सिटी में ही बुजुर्ग की लिफ्ट के डक्ट में गिरने से हुई थी मौत

इसके पहले चिनार ड्रीम सिटी में ही 77 वर्षीय गिरी गोस्वामी की लिफ्ट के डक्ट में गिरने से मौत गई थी। उनका शव 10 दिन तक वहीं पड़ा रहा, जबकि लिफ्ट चलती रही. परिजनों ने गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। मृतक के परिजनों ने 10 दिन पहले थाने में गुमशुदगी की शिकायत दर्ज कराई थी। पुलिस ने जांच भी शुरू की, लेकिन उनका कोई सुराग नहीं मिला। करीब 10 दिन बाद जब सोसाइटी की लिफ्ट से तेज बदबू आने लगी, तब संदेह हुआ। लिफ्ट को रोककर जब नीचे देखा गया तो डक्ट में बुजुर्ग का शव मिला। परिजनों ने कहा था गिरी गोस्वामी किसी काम से बाहर जाने की बात कहकर घर से निकले थे। वे लिफ्ट में सवार हुए, लेकिन इसके बाद वापस नहीं आए। आशंका है कि लिफ्ट की खराबी के चलते वे डक्ट में गिर गए, जिसकी किसी को भनक तक नहीं लगी। स्थानीय रहवासियों का आरोप है कि सोसाइटी की कई लिफ्टें लंबे समय से खराब हैं। इस संबंध में कई बार सोसाइटी प्रबंधन से शिकायत की गई, लेकिन कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई।

दुष्कर्म मामला: अहमदाबाद से लौटी पुलिस, नहीं मिला यासिर

क्राइम रिपोर्टर, भोपाल। बागसेवनिया इलाके में दुष्कर्म और धर्म परिवर्तन का दबाव बनाने के मामले में आरोपी यासिर की तलाश में अहमदाबाद गई पुलिस खाली हाथ लौट आई है। पुलिस ने यासिर की नगर निगम अहमदाबाद से संपत्ति की जानकारी जुटाई है। इधर, रविवार को आरोपी चंदन यादव और अमरीन की रिमांड अवधि खत्म होगी। पुलिस दोनों आरोपियों को जिला अदालत में पेश करेगी। संभवतः दोनों को जेल दाखिल कराया जाएगा। मामले में पुलिस ने आरोपी यासिर, बिलाल और चानू की तलाश है। शुक्रवार को पीड़िताओं ने आरोपी बहनों पर ड्रग्स तस्करी का आरोप लगाया था। पुलिस ने अपनी जांच में इस बिंदू को भी शामिल किया है। जानकारी के मुताबिक, काम के नाम पर हिंदू युवतियों का शोषण अपने भाइयों से करवाने वाली आरोपी बहनें अमरीन और आफरीन पर ड्रग्स तस्करी का आरोप भी लगा है। पीड़िताओं ने पुलिस को बताया कि आरोपी बहनें जरूरतमंद महिलाओं को तलाशती थीं। उनकी मजबूरी का फायदा उठाकर उनका शारीरिक शोषण करवाती थीं। वह ड्रग्स की तस्करी भी करवाती थीं। दोनों पीड़िताओं का इस्तेमाल पर आरोपियों ने दुष्कर्म किया। एक को देह व्यापार में धकेला। वह अन्य युवकों से दोस्ती करने का दबाव डालती थीं। छोटे कपड़े पहनाकर पब व लाउंज में ले जाती थीं। पीड़िताओं का दावा है कि आरोपी महिलाओं के कई रसूखदारों से संबंध हैं। उनके खौफ के कराण अन्य पीड़िताएं सामने नहीं आईं। बड़े पब व लाउंज में ड्रग्स को लेकर कोड वर्ड के रूप में शर्ट कहा जाता था। पुलिस ने आरोपी बहनें अमरीन व आफरीन के मोबाइल को डेटा रिकवर करने के लिए सायबर क्राइम भेजा है। जहां से जानकारी आने पर अन्य खुलासे हो सकते हैं। इधर, आरोपी यासिर की तलाश में अहमदाबाद गई टीम को वह नहीं मिला। पुलिस ने उसके गायकवाड़ थाना इलाके में स्थित पिपली में दबिश दी थी। टीम ने आरोपी यासिर की संपत्ति का ब्यौरा जुटाया है। जहां यासिर रुका था वह अमरीन का फ्लैट है।

यासिर की संपत्ति की जुटाई जानकारी

आज चंदन और अमरीन की रिमांड खत्म

फूलों की होली...

कोलार स्थित खाटू श्याम मंदिर में शनिवार को पांच क्विंटल फूलों की होली खेली गई। इसके लिए बाहर से कलाकार आए थे। इस दौरान इत्र की वर्षा भी की गई।

सड़क पार कर रहे छात्र को कार ने कुचला, मौत

बैरागढ़ में चंचल चौराहा कट प्वाइंट पर हुआ हादसा, आरोपी कार सवार फरार

क्राइम रिपोर्टर, भोपाल। बैरागढ़ इलाके में सड़क पार कर रहे नर्सिंग के छात्र को तेज रफ्तार अज्ञात कार ने टक्कर मार दी। हादसे में उसकी मौत हो गई। घटना चंचल चौराहा पर कट प्वाइंट की है। पुलिस ने पीएम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया है। पुलिस कार की पहचान के लिए आसपास लगे सीसीटीवी कैमरे खंगाल रही है।

पुलिस के मुताबिक, 24 वर्षीय आकाशदीप पिता सुनील कुमार भैंसाखेड़ी खजूरी सड़क में रहता था। वह एक निजी कालेज से बीएससी नर्सिंग की पढ़ाई कर रहा था। शुक्रवार देर रात डेढ़ बजे आकाशदीप निजी काम खत्म कर घर जा रहा था। चंचल चौराहा पर निर्माण कार्य चल रहा है। जैसे ही वह कट प्वाइंट पर पहुंचा, उसे तेज रफ्तार कार ने टक्कर मार दी। इससे आकाशदीप गंभीर रूप से घायल हो गया। इधर, हादसे के बाद चालक कार लेकर फरार हो गया। आकाशदीप को पास स्थित अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां इलाज के दौरान शनिवार तड़के उसकी मौत हो गई। सूचना मिलते ही पुलिस ने शव बरामद कर पीएम के लिए भिजवाया। पुलिस का कहना है कि निजी अस्पताल से देर में सूचना मिली। पुलिस कार की पहचान में जुटी है।

ट्रक पलटने से ड्रायवर की मौत

इधर, खजूरी सड़क इलाके में सड़क हादसे में घायल राकेश शर्मा (36) की मौत हो गई। वह ट्रक चालक थे। नवंबर 2025 में ट्रक लेकर इंदौर से भोपाल की ओर से आ रहे थे। तभी बरखेड़ा बोंदर रेलवे के ओवर ब्रिज के टर्निंग पर उनका ट्रक पलट गया था। हादसे में घायल राकेश का डेढ़ महीने हमीदिया अस्पताल में इलाज चला। इसके बाद उनकी छुट्टी हो गई। वह विदिशा चले गए। जहां तबियत बिगड़ने पर अस्पताल में भर्ती हुए। इलाज के दौरान मौत हो गई। जीरो पर केस डायरी खजूरी सड़क थाना पुलिस को भेजी गई। पुलिस ने दोनों मामलों में मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है।

डिवाइडर से भिड़ी कार हवा में उछली, वीडियो आया सामने

क्राइम रिपोर्टर, भोपाल। गिन्नौरी रोड पर एक तेज रफ्तार कार डिवाइडर से टकराकर हवा में उछल गई। राहगीरों ने कार सवारों को बाहर निकाला। गनीमत रही कि किसी को गंभीर चोट नहीं आई। स्थानीय रहवासियों का कहना है कि डिवाइडर पर कोई रिफ्लेक्टर नहीं लगे हैं। रात के समय डिवाइडर दिखाई नहीं देता। घटना की वीडियो शनिवार को सामने आया है। जो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। जानकारी के मुताबिक, घटना 19 फरवरी की है। घटना के समय तेज रफ्तार कार गिन्नौरी रोड स्थित डिवाइडर से टकरा गई। घटना के वक्त वहां से एक स्कूटी सवार निकल रहा था, जोकि बाल-बाल बच गया। कार डिवाइडर से टकराकर हवा में उछली और पलट गई। स्थानीय लोगों ने कार सवारों को बाहर निकालकर उनकी मदद की। जिस डिवाइडर से कार टकराई उस पर न तो रिफ्लेक्टर लगे थे और न ही कोई चेतावनी बोर्ड है। रात के समय डिवाइडर साफ दिखाई नहीं देता इससे दुर्घटना घट गई। ट्रैफिक पुलिस घटना के कारणों का पता लगा रही है।

नहीं लगे थे रिफ्लेक्टर, राहगीरों ने कार सवारों को निकाला

आयोजन — बीएमएचआरसी में साइंस क्लब का शुभारंभ

मलेरिया रोकने नए मार्कर किए जा रहे हैं विकसित, जल्द होगा ट्रायल

नगर संवाददाता, भोपाल। नेशनल साइंस डे के अवसर पर बीएमएचआरसी में साइंस क्लब का विधिवत शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर एक विशेष व्याख्यानमाला का आयोजन किया गया, जिसमें मलेरिया वैक्सीन एवं निदान में हालिया प्रगति पर विस्तृत चर्चा की गई। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता आईसीएमआर डीएचआर के वैज्ञानिक जी प्रोफेसर डॉ. कैलाश चंद पांडे रहे। उन्होंने बताया कि मलेरिया विश्व में एक बड़ी समस्या के रूप में मौजूद है और संक्रमित मच्छर के काटने से यह रोग एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति में फैलता है। उन्होंने कहा कि हम ऐसे समाधान विकसित करने पर कार्य कर रहे हैं, जिससे मलेरिया के संक्रमण की श्रृंखला को रोका जा सके। डॉ. पांडे ने बताया कि वर्तमान शोध के अनुसार अफ्रीका में लगभग 25 प्रतिशत मलेरिया परजीवी का जीन डायग्नोसिस नहीं हो पा रहा है, जबकि भारत में यह प्रतिशत 5 से 10 के बीच है, परंतु इसके बढ़ने की संभावना है। इस चुनौती से निपटने के लिए वैज्ञानिक ऐसे वैकल्पिक जीन/प्रोटीन की पहचान पर कार्य कर रहे हैं, जिन्हें मलेरिया निदान में मार्कर के रूप में उपयोग किया जा सके। यह प्रोटीन-आधारित एंटीबॉडी संक्रमित व्यक्ति के एंटीजन से बंधकर रैपिड डायग्नोस्टिक टेस्ट में सहायक सिद्ध होगी।

साइंस क्लब का खुलना गर्व की बात

बीएमएचआरसी की प्रभारी निदेशक डॉ. मनीषा श्रीवास्तव ने कहा कि आईसीएमआर के मानकों के अनुरूप बीएमएचआरसी में साइंस क्लब का शुभारंभ होना संस्थान के लिए गर्व का विषय है। उन्होंने कहा कि विश्व स्वास्थ्य संगठन के एक्सपर्ट का मानना है कि मलेरिया की रोकथाम के लिए बेहतर वेक्सीन और दवाएं उपलब्ध हों तो मलेरिया के प्रसार को रोका जा सकता है। मलेरिया की रोकथाम में रैपिड डायग्नोस्टिक टेस्ट कारगर है।

नई वैक्सीन की जा रही तैयार

डॉ. पांडे ने बताया कि पिछले चार-पांच वर्षों से इस दिशा में निरंतर शोध कार्य जारी है। मलेरिया के मानव-से-मानव संक्रमण को रोकने के लिए दो स्तरों पर वैक्सीन विकसित की जा रही है-पहला, मच्छर (मॉस्किटो) स्टेज, जिसमें विकसित प्रोटीन एंटीबॉडी मच्छरों में परजीवी की वृद्धि को लगभग 95 प्रतिशत तक कम कर सकती है; दूसरा, ह्यूमन लिवर स्टेज, जिसमें प्रोटीन-आधारित एंटीजन मानव शरीर में प्रतिरक्षा विकसित कर परजीवी की वृद्धि को रोकने में सहायक होगा। डॉ. पांडे ने जानकारी दी कि विकसित तकनीक एक कंपनी को हस्तांतरित की जा चुकी है और शीघ्र ही इसका क्लीनिकल ट्रायल प्रारंभ होने की संभावना है।

पुरानी रंजिश के चलते दो पक्षों में विवाद, हत्या के प्रयास का केस दर्ज

क्राइम रिपोर्टर, भोपाल। पुरानी रंजिश के चलते पुरानी विधानसभा के सामने दो पक्षों में विवाद हो गया। एक युवक ने अपने पड़ोसी पर डंडे से हमला कर दिया। पिता के साथ मारपीट करने वालों पर उसके बेटों ने पेपर कटर से जानलेवा हमला कर दिया। इससे हाथ की नस कट गई और सीने पर चोट के निशान हैं। पुलिस ने मामले में गंभीर युवक की बहन की शिकायत पर हत्या के प्रयास और दूसरे पक्ष की रिपोर्ट पर मारपीट का केस दर्ज किया है। 24 वर्षीय सनी सिंह पिता मनोज सिंह पुरानी विधानसभा के सामने कुम्हारपुरा में रहता है। वह एक होटल में काम करता है। सनी का अपने पड़ोस में रहने वाले दीपक बहादुर से पुराना विवाद है। शुक्रवार रात करीब साढ़े दस बजे चंपा बाई चौराहा के पास सनी और दीपक का आमना-सामना हो गया। वह एक-दूसरे के साथ पुरानी बात को लेकर गाली-गलौच करने लगे। विवाद बढ़ा तो सनी ने दीपक के साथ मारपीट कर घायल कर दिया। इसका पता चलने पर दीपक के बेटे रोशन और दीपू भी वहां पहुंच गए। दोनों ने पिता के साथ मिलकर सनी के साथ मारपीट कर पेपर कटर से हमला कर दिया। सनी के बाएं हाथ की कलाई की नस कट गई और सीने में भी गहरी चोट आई है। उसका हमीदिया अस्पताल में इलाज हुआ। सनी की बहन नेहा की रिपोर्ट पर पुलिस ने आरोपी दीपक, रोशन और दीपू के खिलाफ हत्या के प्रयास समेत विभिन्न धाराओं में केस दर्ज किया है।

डंडे से किया हमला, पेपर कटर से काटी हाथ की नस, सीने पर वार

समाचार पत्र दैनिक जागरण भोपाल के स्वामित्व एवं अन्य विषयों से संबंधित विवरण

घोषणा

फार्म 4 (नियम 8 देखिये)

1. प्रकाशन स्थान	:	भोपाल
2. प्रकाशन अवधि	:	दैनिक
3. मुद्रक का नाम	:	राजीव मोहन गुप्त
नागरिकता	:	भारतीय
पता	:	म.नं. 01, सौभाग्य निलय, केरवा डेम रोड, मेंडोरी, रातीबड़, भोपाल, मध्यप्रदेश-462044
4. प्रकाशक का नाम	:	राजीव मोहन गुप्त
नागरिकता	:	भारतीय
पता	:	म.नं. 01, सौभाग्य निलय, केरवा डेम रोड, मेंडोरी, रातीबड़, भोपाल, मध्यप्रदेश-462044
5. सम्पादक का नाम	:	राजीव मोहन गुप्त
नागरिकता	:	भारतीय
पता	:	म.नं. 01, सौभाग्य निलय, केरवा डेम रोड, मेंडोरी, रातीबड़, भोपाल, मध्यप्रदेश-462044
6. उन व्यक्तियों के नाम व पते जो समाचार पत्र के स्वामी हों तथा जो समस्त पूंजी के एक प्रतिशत से अधिक के साझेदार या हिस्सेदार हों।	:	जागरण पब्लिकेशन (प्रा.) लि.

मैं, **राजीव मोहन गुप्त,** एतद् द्वारा घोषित करता हूँ कि मेरी अधिकृत जानकारी एवं विश्वास के अनुसार ऊपर दिये गये विवरण सत्य हैं।

दिनांक : 01-03-2026

प्रकाशक के हस्ताक्षर
राजीव मोहन गुप्त

प्रेम किन्हीं सयानों द्वारा बहुत समझदारी से ठहरायी जानेवाली चीज़ नहीं।
- मनोहर श्याम जोशी

शिव की होली, विष्णु की होली

● देवदत्त पटनायक ●

हम होली क्यों मनाते हैं? वेबसाइटों पर मिलने वाले आम जवाबों में होली को विष्णु से जोड़ा जाता है—जो हिंदू पौराणिक कथाओं के अनुसार संसार के रक्षक हैं। नरसिंह अवतार में विष्णु ने राक्षसी होलिका का नाश किया, जिसके पास अग्नि से खुद को बचाने की शक्ति थी, लेकिन उसने अपनी शक्ति का दुरुपयोग करते हुए विष्णु के भक्त प्रहलाद को जलाने की साजिश की। इस प्रकार, होली का त्योहार विष्णु की उन लोगों पर विजय का प्रतीक बन जाता है, जो उनकी पूजा का विरोध करते हैं।

फिर, वसंत ऋतु से ग्रीष्म ऋतु के आगमन के समय, कृष्ण और राधा को झूले पर बैठकर फूलों से होली खेलते हुए दर्शाने वाला एक लोकप्रिय चित्र है। जल उन्हें शीतलता प्रदान करता है, न केवल मौसम की गर्मी से, बल्कि प्रेम और जुनून से भी। यह त्योहार बाद में मुगल और राजपूत दरबारों में लोकप्रिय हुआ। यह महिलाओं के कमरों में खेला जाता था, जहाँ पति अपनी पत्नियों और दरबारी महिलाओं के साथ खेलते थे और संगीतकार संगीत बजाते थे। फूलों से बने रंगीन सुगंधित जल और भांग के सेवन से यह एक मनोरंजक आयोजन बन जाता था।

लेकिन भांग ही क्यों? क्या इसका संबंध शिव से नहीं है? विष्णु उपासक कहेंगे कि इसका संबंध कृष्ण के बड़े भाई बलराम से है, जिन्हें भी भांग बहुत पसंद थी। उनका क्रोध को शांत करने के लिए भांग उन्हें ठंडक पहुंचाती थी। कई मायनों में बलराम शिव के समान हैं। वास्तव में, ओडिशा के पुरी मंदिर में बलराम को शिव के रूप में ही दर्शाया गया है। स्थानीय कला में दोनों को सफेद रंग में चित्रित किया गया है; कृष्ण को काले रंग में। राधा को पीले रंग में चित्रित किया गया है और उन्हें देवी के रूप में देखा जाता है। होली कभी मदन का त्योहार हुआ करती थी, जिन्हें प्रेम के देवता कामदेव के नाम से भी जाना जाता है। यह त्योहार वसंत पंचमी से शुरू होकर होली तक चलता था। महिलाएं उद्यानों में इकट्ठा होकर गीत गाती, नाचती और वृक्षों को गले लगाती थीं। उनकी हंसी और स्पर्श से वृक्षों पर फूल खिल उठते थे और मधुमक्खियां व तितलियां आकर्षित होती थीं। ऐसा माना जाता था। क्योंकि वे सभी कामदेव की प्रिय थीं।

शिव को कामंतक कहा जाता है, जो काम का नाश करने वाले हैं, पखवाड़े भर बाद, कामदेव स्त्रियों की हंसी और रंगों के साथ पुनर्जीवित होते हैं। होली में प्रेम लौट आता है। पिछली रात आग से नष्ट हुआ प्रेम अगले दिन जल से पुनर्जीवित हो जाता है।

कई संस्कृत नाटकों में इस त्योहार का उल्लेख मिलता है। महिलाएं झूले पर बैठती थीं, इसलिए डोला पूर्णिमा का नाम पड़ा, जो पूर्णिमा की रात को झूलने का प्रतीक है। बाद में इसे होला पूर्णिमा और फिर होली कहा जाने लगा। 19वीं शताब्दी में भारत से पलायन कर चुके कैरेबियन हिंदू इस त्योहार को फागवाह के रूप में मनाते हैं, जो फाल्गुन महीने को संदर्भित करता है।

बौद्ध धर्म में कामदेव को पसंद नहीं किया जाता था। वे उसे इच्छा के राक्षस मारा के रूप में देखते थे, जिसकी पराजय से सिद्धार्थ गौतम की विजय हुई और वे बुद्ध बन गए। लेकिन इस त्योहार का विरोध करना मुश्किल था क्योंकि लोग इसे बहुत पसंद करते थे। आज भी, कई बौद्ध कार्यकर्ता इस त्योहार को जातिवादी मानते हैं। थाईलैंड में, बौद्ध लोग सोनक्रान नामक होली जैसे त्योहार में भाग लेते हैं, जिसमें जल डाला जाता है। म्यांमार में भी ऐसा ही एक त्योहार मनाया जाता है। लेकिन यह त्योहार एक महीने बाद, गर्मियों के चरम पर मनाया जाता है। इसमें रंग नहीं, केवल जल डाला जाता है।

यह त्योहार शिवरात्रि के पखवाड़े भर बाद मनाया जाता है, जो शिव के विवाह की रात है। यह बात तर्कसंगत भी है क्योंकि शिव को कामंतक कहा जाता है, जो काम का नाश करने वाले हैं, जो सर्दियों में कष्ट का कारण बनता है। पौधे मुरझाकर मर जाते हैं। लेकिन फिर वे पार्वती से विवाह करते हैं और कामेश्वर बन जाते हैं, प्रेम के देवता, जिन्होंने कामसूत्र की रचना की और उसे ऋषियों को सौंपा। और इस प्रकार, पखवाड़े भर बाद, कामदेव स्त्रियों की हंसी और रंगों के साथ पुनर्जीवित होते हैं। होली में प्रेम लौट आता है। पिछली रात आग से नष्ट हुआ प्रेम अगले दिन जल से पुनर्जीवित हो जाता है।

साहित्य उत्सवों में 'वर्जित' हैं, राजनीति, सेना, सेक्स और धर्म विषयों पर चर्चाएं

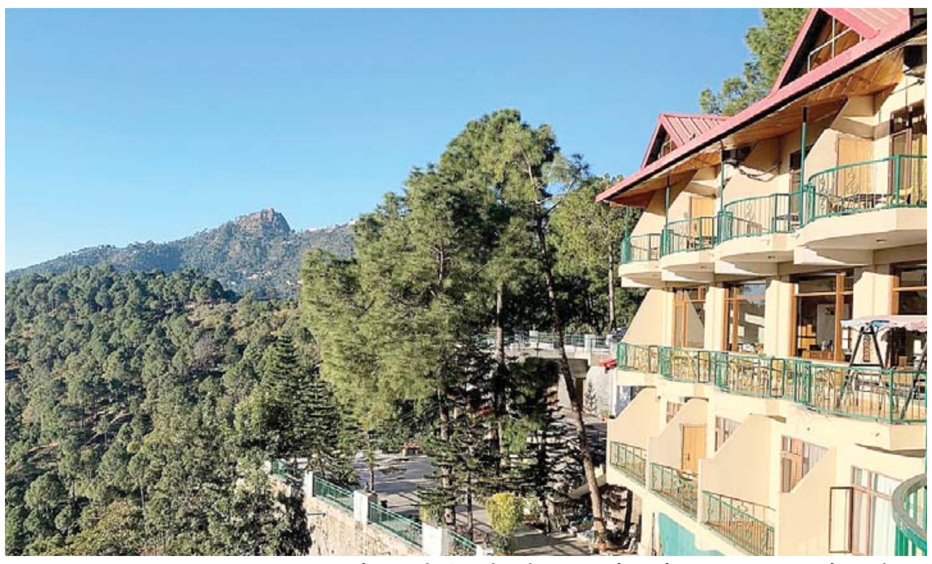

" 1880 में स्थापित ऐतिहासिक कसौली क्लब से कश्मीर की झलक देखी जा सकती है। हमारे देश के इस हिस्से में बहुत कुछ ऐसा हो रहा है जो अभी तक छिपा हुआ है। केएस लिटफेस्ट के पिछले संस्करणों में प्रभावशाली विचारकों की मज़बूत आवाज़ें राष्ट्रीय चिंताओं पर खुलकर चर्चा और बहस करती सुनाई देती थीं। अब ऐसा नहीं है। राजनीति, सेक्स, धर्म और सैन्य विषय भारत भर के साहित्य उत्सवों में खतरे में हैं। इस तरह के संवादों को रोकने, बाधित करने और सीमित करने की तमाम कोशिशें की जाती रही हैं।

● शोभा डे ●

मैं खुशवंत सिंह साहित्य उत्सव के लिए वहाँ जा रही था। सात साल बाद, रास्ते में बहुत कम बदलाव आया था, सिवाय खंडहर से हो रहे उन रिसॉर्ट्स के जो सुरम्य पहाड़ियों को चीरकर और एकड़ों में फैले चीड़ और देवदार के जंगलों को नष्ट करके बनाए गए थे, जो उस समय के सेवानिवृत्त देसी ब्रिगेडियरों के लिए मुख्य आकर्षण हुआ करते थे। ये रिसार्ट आज भी पुरानी सुख-सुविधाओं के लिए तरस रहे हैं।

कसौली अपने आप में एक दुनिया है, जो कुख्यात कसौली बंदरों द्वारा नियंत्रित और आबाद है, जो इतने आक्रामक हैं कि लाठीधारी हट्टे-कट्टे आदमियों से खाना छीन लेते हैं। स्थानीय लोग चेतावनी देते हैं- इन बंदरों से निपटने के बजाय, खाने-पीने की जो भी चीज़ें आप ले जा रहे हैं, उन्हें फेंक देना ही बेहतर है।

इन चुनौतियों के बावजूद, कसौली दिल्लीवालों को बड़ी संख्या में आकर्षित कर रहा है। ये वो लोग हैं जो फैंसी विला को निवेश के अवसर के रूप में प्रचारित करते हैं। मुझे कसौली के लिए डर है। दशकों तक यह जंगली इलाकों में अच्छी जिंदगी की तलाश में रहने वाले बुजुर्गों के लिए एक सभ्य जगह थी। दुर्भाग्य से, ऐसे लोग इस शांत जगह में घुस आए हैं और बेहद प्रतिष्ठित रियल एस्टेट पर नजर गड़ाए हुए हैं।

मॉल और उसके आसपास के दुकानदारों से बात करने पर, कुछ महत्वपूर्ण बदलाव देखने को मिलते हैं। लोकप्रिय तिब्बती बाजार अब मौजूद नहीं है। लेकिन पुराने साइनेज मौजूद हैं। कभी यहां का जीवंत तिब्बती समुदाय आज अदृश्य है। जाहिर है, सेना उनकी लगातार मौजूदगी से बहुत खुश नहीं थी। कसौली की रणनीतिक स्थिति को देखते हुए, यहाँ फौजियों की मज़बूत संख्या को नज़रअंदाज करना मुश्किल है। यह एक सैन्य-प्रभावित क्षेत्र होने के कारण, सेना के उच्च अधिकारियों से भरा हुआ है, जिसका प्रशासन एक छावनी बोर्ड द्वारा किया जाता है, जिसका नेतृत्व अब सीईओ हिमांशु सामंत करते हैं। साफ़ मौसम में, 1880 में स्थापित ऐतिहासिक कसौली क्लब से कश्मीर की झलक देखी जा सकती है।

हमारे देश के इस हिस्से में बहुत कुछ ऐसा हो रहा है जो अभी तक छिपा हुआ है। केएस लिटफेस्ट के पिछले संस्करणों में प्रभावशाली विचारकों की मज़बूत आवाज़ें राष्ट्रीय चिंताओं पर खुलकर चर्चा और बहस करती सुनाई देती थीं। अब ऐसा नहीं है। ज़्यादातर लिटफेस्ट में बातचीत रूखी, दबी हुई, आत्म-चेतन और आत्म-संवेदन वाली हो गई है। इस बीच, साहित्य उत्सव में जनरल नरवणे की काल्पनिक कृति, 'कैंटोनमेंट कॉन्सपिरेसी- अ मिलिट्री थ्रिलर' पर गहन चर्चा हुई, जिसका नेतृत्व रियर एडमिरल निर्मला कन्नन (सेवानिवृत्त) ने किया। ज़ाहिर है, यह बहुप्रतीक्षित संस्मरण, जो अभी तक प्रकाशित नहीं हुआ है, सैन्य अभियानों और सरकारी नीतियों के बारे में संवेदनशील खुलासे करता है। जनरल नरवणे ने इस विवाद में पड़ने से इनकार कर दिया और बार-बार यही कहा- गेंद प्रकाशक और रक्षा मंत्रालय के पाले में है।

मेरा अपना सत्र तो पूरी तरह से हंगामेदार था! मैंने और दर्शकों ने इसका भरपूर आनंद लिया। हालाँकि सुबह 10.30 बजे का समय कामुकता पर चर्चा करने के लिए बहुत जल्दी था। इसके लिए रात 10.30 बजे एक विशेष सत्र आयोजित किया जाना चाहिए था, फिर भी तेजधूप और असामान्य गर्मी के बावजूद रिकॉर्ड संख्या में लोग मौजूद थे। मुझे खुशी हुई कि कार्यक्रम स्थल खचाखच भरा हुआ था। दर्शकों में से एक 89 वर्षीय सज्जन 'बिग ओ' (ऑर्गेज़्म) पर चर्चा करने के लिए दृढ़ थे। दर्शकों में गंभीर स्कूली बच्चे भी थे, और मैं नहीं चाहती थी कि उनके शिक्षक कान में ईयर प्लग लगाने की माँग करें।

राजनीति, सेक्स, धर्म और सैन्य विषय भारत भर के साहित्य उत्सवों में खतरे में हैं। इस तरह के संवादों को रोकने, बाधित करने और सीमित करने की तमाम कोशिशों के बावजूद, मुझे बहुत हैरानी हुई जब पाकिस्तान के एक पूर्व राजनयिक (जो पहले केएस लिट फेस्ट में नियमित रूप से आते थे) ने मेरी नई किताब 'द सेंसुअल सेल्फ- एन एक्सप्लोरेशन ऑफ़ लव, सेक्स एंड रोमांस' पर आधारित मेरे उटपटांग सत्र के कुछ घंटों बाद मुझे एक व्हाट्सएप संदेश भेजा, जिसमें उन्होंने बताया कि उन्हें यह जीवंत सत्र बहुत पसंद आया। मैं हैरान थी, उन्हें कैसे पता चला कि जब वह अपने लाहौर स्थित घर में आराम कर रहे थे, तब क्या हुआ था? उन्होंने एक हँसने वाला इमोजी भेजा और शरारती अंदाजमें बताया कि सीमा के दोनों ओर हमारे जवानों को अभी तक लाइव स्ट्रीमिंग को ब्लॉक करना नहीं आया है!

ब्रिटिश वास्तुकार एडविन लुटियंस- नई दिल्ली के डिजाइनर

● अंकित गुप्ता ●

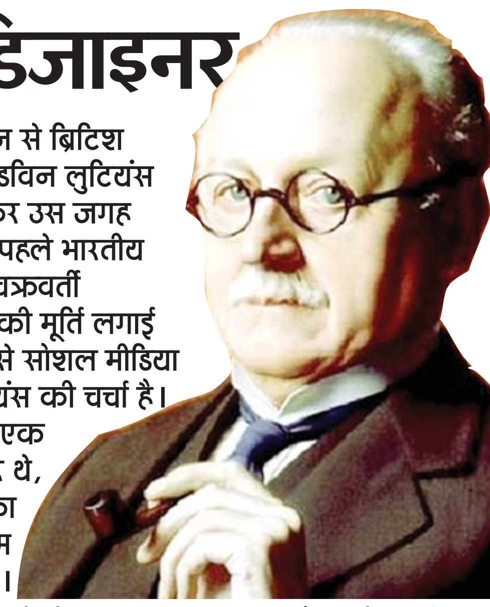

" राष्ट्रपति भवन से ब्रिटिश वास्तुकार एडविन लुटियंस की प्रतिमा हटाकर उस जगह स्वतंत्र भारत के पहले भारतीय गवर्नर-जनरल चक्रवर्ती राजगोपालाचारी की मूर्ति लगाई गई। इसके बाद से सोशल मीडिया पर एडविन लुटियंस की चर्चा है। एडविन लुटियंस एक ब्रिटिश वास्तुकार थे, उन्हें नई दिल्ली का डिजाइनर के नाम से जाना जाता है।

राष्ट्रपति राजधानी दिल्ली के राष्ट्रपति भवन में सोमवार को राजाजी उत्सव मनाया गया। स्वतंत्र भारत के पहले भारतीय गवर्नर-जनरल चक्रवर्ती राजगोपालाचारी को राजाजी के नाम से जाना जाता है। सोमवार को राष्ट्रपति भवन में द्रौपदी मुर्मू ने चक्रवर्ती राजगोपालाचारी की प्रतिमा का अनावरण किया। यह प्रतिमा ब्रिटिश वास्तुकार एडविन लुटियंस की जगह लगाई गई है। इसके बाद से सोशल मीडिया पर एडविन लुटियंस की चर्चा है। एडविन लुटियंस ब्रिटिश वास्तुकार थे, जिन्हें नई दिल्ली का डिजाइनर भी कहा जाता है। उन्होंने राजधानी की रूपरेखा तैयार की और कई स्थलों को डिजाइन किया। उनकी डिजाइन में यूरोपीय शैली और भारतीय स्थापत्य शैली का मिला-जुला रूप नजर आता है।

कैसे भारत आए एडविन लुटियंस?

साल 1911 में किंग जॉर्ज पंचम ने दिल्ली दरबार में बड़ा ऐलान किया। उन्होंने देश की राजधानी को कोलकाता से दिल्ली ट्रांसफर करने की घोषणा की। हालांकि इसके पीछे कई वजह बताई गईं। बंगाल में अंग्रेजों के प्रति क्रांतिकारियों की उठती आवाज भी इसकी एक वजह थी। इस घोषणा के बाद ब्रिटिश सरकार का मानना था कि दिल्ली को राजधानी बनाने पर उनकी ताकत बढ़ेगी। दिल्ली ब्रिटिश साम्राज्य की प्रतीक बनेगी। अंग्रेजों का मानना था कि यहां कई ऐसे निर्माण बनाए जाएं जो बड़े ब्रिटिश अधिकारियों के लिए होंगे। अंग्रेज रईसों के लिए होंगे। इसके लिए उन्हें एक अनुभवी आर्किटेक्ट की जरूरत थी। अंग्रेजों के मानकों पर ब्रिटिश आर्किटेक्ट एडविन लुटियंस खरे उतरे। 1912 में लुटियंस को आधिकारिकतौर पर भारत में बुलाया गया और दिल्ली की रूपरेखा तैयार की गई। उन्होंने सरकारी इमारतों से लेकर सड़क तक की डिजाइन तय की। उन्होंने हरबेंट बेकर के साथ मिलकर कई जानी-मानी इमारतों पर काम किया।

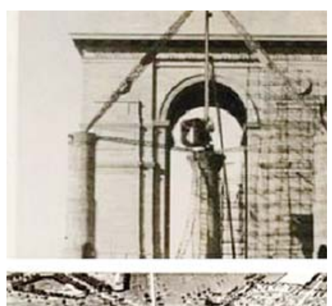

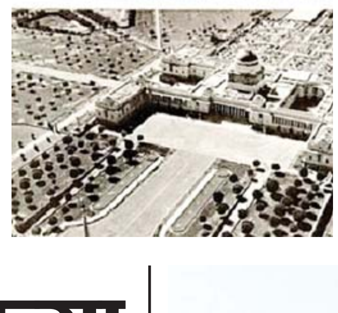

बदल दिया दिल्ली कर स्वरूप

लुटियंस ने दिल्ली के कई हिस्सों को डिजाइन किया। इसमें राष्ट्रपति भवन है, जिसे वायसराय हाउस कहा जाता था। यह भारत के राष्ट्रपति का आधिकारिक निवास बना। जिसे भारतीय छतरियां-जाली और यूरोपीय शैली को मिलाकर बनाया गया। प्रथम विश्व युद्ध में शहीद भारतीय सैनिकों की याद में बना स्मारक बनाया, जिसे इंडिया गेट के नाम से जाना जाता है। इसे डिजाइन किया।

इंडिया गेट के अलावा पुरानी संसद, नॉर्थ/साउथ ब्लॉक और कनॉट प्लेस समेत दिल्ली के कई हिस्सों और सड़कों को डिजाइन किया। इसमें अमृता शेरगिल रोड, पृथ्वीराज रोड, एपीजे अब्दुल कलाम रोड (औरंगजेब रोड), सरदार पटेल मार्ग, चाणक्यपुरी, खान मार्केट, कनॉट प्लेस, भगवान दास रोड, तिलक रोड, गोल्फ लिंक्स, जोर बाग और सुंदर नगर शामिल हैं।

दुनिया भर में दिखाई अपनी कला भारत के अलावा उन्होंने लंदन में राष्ट्रपति युद्ध स्मारक सेनोटेफ (1920) और 20वीं सदी में कैसल ड्रोगो को डिजाइन किया। इसके अलावा कई कंट्री हाउस और निजी आवास जैसे हीथकोट डिजाइन किए। इसके अलावा फ्रांस में थीवल मेमोरियल बनाया। यह प्रथम विश्व युद्ध में लापता सैनिकों की स्मृति में बनाया गया विशाल स्मारक है। उनकी वास्तुकला की खासियत यूरोपीय क्लासिकल शैली रही है जिसमें स्थानीय शैली भी जोड़ी जाती थी।

डॉ. लहरी- योगी के आमंत्रण को इंकार किया

" बीएचयू के जाने-माने कार्डियोथोरेसिक सर्जन पद्म श्री से सम्मानित डॉ लहरी को आज भी एक हाथ में बैग, दूसरे में काली छतरी लिए हुए पैदल घर या बीएचयू हास्पिटल की ओर जाते हुए देखा जा सकता है। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से उनके घर पर जाकर मिलने से इनकार करने को लेकर डॉ लहरी की सादगी और स्पष्टता की चर्चा हर ओर हो रही है।

चर्चा में

● सुनील शर्मा ●

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को वाराणसी की जिन प्रमुख हस्तियों से मुलाकात करनी थी, उनमें एक नाम डॉ टीके लहरी का भी था। लोगों का निःशुल्क इलाज करने वाले बनारस के जाने-माने कार्डियोथोरेसिक सर्जन पद्म श्री डॉ. टी.के. लहरी (डॉ तपन कुमार लहरी) ने मुख्यमंत्री योगी के घर पर जाकर मिलने से इनकार कर दिया। योगी से मुलाकात कराने के लिए अपने घर पहुंचने वाले अफसरों से डॉ लहरी ने कहा कि मुख्यमंत्री को मिलना है तो वह मेरे ओपीडी में मिलें।

बताया जाता है कि इससे पहले डॉ लहरी तत्कालीन प्रधानमंत्री चंद्रशेखर को भी इसी तरह न मिलने का दो टूक जवाब देकर निरुत्तरित कर चुके हैं। सचमुच 'धरती के भगवान' जैसे डॉ लहरी वह चिकित्सक हैं, जो वर्ष 1994 से ही अपनी पूरी तनख्वाह गरीबों को दान करते रहे हैं। अब रिटायरमेंट के बाद उन्हें जो पेंशन मिलती है, उसमें से उतने ही रुपए लेते हैं, जिससे वह दोनो वक्त की रोटी खा सकें। बाकी राशि बीएचयू कोष में इसलिए छोड़ देते हैं कि उससे वहां के गरीबों का भला होता रहे। उन्हें किसी भी दिन शहर के अन्नपूर्णा होटल में पच्चीस रुपए की थाली का खाना खाते हुए देखा जा सकता है। डॉ. लहरी देश के ऐसे डॉक्टर हैं, जो मरीजों का निःशुल्क इलाज करते हैं। अपनी इस सेवा के लिए डॉ. लहरी को भारत सरकार द्वारा वर्ष 2016 में चौथे सर्वश्रेष्ठ नागरिक पुरस्कार पद्म श्री से सम्मानित किया जा चुका है। वर्ष 2003 में बीएचयू से रिटायरमेंट के बाद से भी उनका नाता वहां से नहीं टूटा है। मेडिकल कॉलेज में तीन दशक तक पढ़ा-लिखाकर सैकड़ों डॉक्टर तैयार करने वाले डॉ लहरी के पास खुद का चारपहिया वाहन नहीं है। वह आज भी अपने आवास से अस्पताल तक पैदल ही आते जाते हैं। डॉ लहरी जितने अपने पेशे के साथ प्रतिबद्ध हैं, उतने ही अपने समय के पाबंद भी। आज उनकी उम्र लगभग 75 साल हो चुकी है लेकिन उन्हें देखकर बीएचयू के लोग अपनी घड़ी की सूइयां मिलाते हैं। रिटायर होने के बाद विश्वविद्यालय ने उन्हें इमेरिटस प्रोफेसर का दर्जा दिया था। वह वर्ष 2003 से 2011 तक वहाँ इमेरिटस प्रोफेसर रहे। इसके बाद भी उनकी कर्तव्य निष्ठा को देखते हुए उनकी सेवा इमेरिटस प्रोफेसर के तौर पर अब तक ली जा रही है।

डॉ. टीके लहरी को ओपन हार्ट सर्जरी में महारत हासिल है। अमेरिका से डॉक्टरी की पढ़ाई करने के बाद 1974 में वह बीएचयू में 250 रुपए महीने पर लेक्चरर नियुक्त हुए थे। सन् 1997 से ही उन्होंने वेतन लेना बंद कर दिया था। उस समय उनकी कुल सैलरी एक लाख रुपए से ऊपर थी। रिटायर होने के बाद जो पीएफ मिला, वह भी उन्होंने बीएचयू के लिए छोड़ दिया। डॉ. लहरी बताते हैं कि रिटायरमेंट के बाद उन्हें अमेरिका के कई बड़े हॉस्पिटल्स से ऑफर मिला, लेकिन वह अपने देश के मरीजों की ही जीवन भर सेवा करने के लिए दृढ़ प्रतिज्ञ हैं। वह बीएचयू से आवास के अलावा और कोई सुविधा नहीं लेते हैं।

कंकाली टीले के नीचे दबा है समृद्ध इतिहास

● अमित मुद्गल ●

केवल पौराणिक ही नहीं, बल्कि ऐतिहासिक दृष्टि से भी मथुरा में कई स्थल भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के लिए खास महत्वपूर्ण हैं। कंकाली टीला, मथुरा में स्थित एक प्राचीन और महत्वपूर्ण पुरातात्विक स्थल है, जो मुख्य रूप से दूसरी शताब्दी ईस्वी (कुषाण काल) के 800 से अधिक जैन अवशेषों, स्तूपों और प्रतिमाओं के लिए प्रसिद्ध है। खुदाई में यहां से 132 ईस्वी की देवी सरस्वती की एक सिरविहीन प्रतिमा मिली, जिसे उनकी प्राचीनतम मूर्तियों में से एक माना जाता है।

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, द्वापर युग में जब कंस कारागार में देवकी की संतान (योगमाया) को मारने के लिए उसे पत्थर पर पटकने वाला था, तब वह उसके हाथों से बचकर आकाश में विलीन हो गई। वह शक्ति कंकाली देवी के रूप में इस टीले पर प्रकट हुई और आकाशवाणी के माध्यम से कंस के वध की सूचना दी। अब यहां कंकाली देवी का मंदिर है। यह स्थान प्राचीन काल में विभिन्न धर्मों का महत्वपूर्ण केंद्र रहा, विशेषकर जैन धर्म का। वर्ष 1890-91 की खुदाई में यहां से ईसा पूर्व दूसरी शताब्दी से लेकर 12वीं शताब्दी तक की 700 से अधिक जैन मूर्तियां व कलाकृतियां प्राप्त हुईं। इनमें आयगपट व 132 ईस्वी की देवी सरस्वती की एक सिरविहीन प्रतिमा विशेष रूप से उल्लेखनीय है, जिसे सरस्वती जी की प्राचीनतम मूर्तियों में गिना जाता है। कंकाली टीले की खोदाई में मिले प्राचीन जैन स्तूप के अवशेष ने इतिहासकारों को हैरान कर दिया। यह इस बात का साक्षी बना कि प्राचीन काल में जैन धर्म में भी स्तूपों की पूजा की परंपरा थी।

यह टीला बौद्ध धर्म से भी जुड़ा रहा। कंकाली से प्राप्त मूर्तियां और शिलालेख संकेत देते हैं कि उस समय तक दिगंबर व श्वेतांबर का स्पष्ट विभाजन नहीं हुआ था। तीर्थंकरों की प्रतिमाएं निर्वस्त्र रूप में हैं, जबकि भिक्षुओं को एक बांह पर वस्त्र धारण किए हुए दर्शाया गया है। एक महत्वपूर्ण शिलालेख सोडासा की कंकाली टीला पट्टिका भी मिला है, जो मथुरा में शक क्षत्रप शासक सोडासा के शासनकाल का उल्लेख करता है। 11वीं शताब्दी में महमूद गजनवी ने कंकाली टीले की सांस्कृतिक धरोहरों को नष्ट किया। बाद में, सिकंदर लोदी ने भी यहां विध्वंस कराया। इतने हमलों के बावजूद इसके नीचे समृद्ध इतिहास दबा है।

संक्षिप्त खबरें

सोशल मीडिया की अफवाहों पर ध्यान ना दें: पुलिस कमिश्नर

जागरण,भोपाल। भोपाल पुलिस कमिश्नर संजय कुमार ने शुक्रवार को आगामी त्यौहार को लेकर बैठक की। पुलिस कमिश्नर कार्यालय में आयोजित बैठक में हिंदू उत्सव समिति, नगर रक्षा समिति और शांति समिति, एमपीईबी, पीडब्ल्यूडी, नगर निगम अधिकारी समेत कई कर्मचारी मौजूद रहे। इस दौरान त्यौहारों की तैयारियों, जुलूस मार्ग, बिजली समेत कई विषयों पर चर्चा की गई। वहीं समस्याओं के निराकरण के लिए संबंधित अधिकारियों को दिशा निर्देश दिए गए। सभी त्यौहार शांतिपूर्ण सौहार्द एवं भाईचारे की भावना से मनाने का आग्रह किया। होलिका दहन, धुलेंडी, रंगपंचमी, रमजान, ईद-उल- फितर आदि के दौरान पुलिस का सहयोग करने समेत अफवाहों पर ध्यान नहीं देने की अपील की। पुलिस कमिश्नर ने त्यौहारों के दौरान देर रात तक थाना क्षेत्र में रहने, बलवा ड्रिल सामग्री रखने, अलर्ट रहने समेत सोशल मीडिया पर नजर रखने के निर्देश दिए गए। बैठक में अतिरिक्त पुलिस आयुक्त अवधेश गोस्वामी, अतिरिक्त पुलिस आयुक्त मोनिका शुक्ला समेत अन्य अधिकारी कर्मचारी मौजूद रहे।

स्कोप ग्लोबल स्किल्स यूनिवर्सिटी में नवोन्मेष 2026 का आयोजन

जागरण, भोपाल। मध्य भारत के पहले कौशल विश्वविद्यालय स्कोप ग्लोबल स्किल्स यूनिवर्सिटी में इनोवेशन कार्निवाल नवोन्मेष 2026 आयोजित किया जा रहा है। इसका उद्देश्य युवाओं में उद्यमिता, रचनात्मकता और तकनीक आधारित समाधानों को प्रोत्साहित करना है। यह आयोजन अटल इन्क्यूबेशन सेंटर-रबीन्द्रनाथ टैगोर यूनिवर्सिटी (एआईसी-आरएनटीयू) द्वारा रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय के सहयोग से किया जा रहा है। कार्यक्रम में 10,000 से अधिक प्रतिभागियों-छात्रों, स्टार्टअप, उद्योग जगत के प्रतिनिधियों, निवेशकों और नीति निर्माताओं-के शामिल होने की संभावना है। प्रतिभागियों को 5 लाख रुपये तक के पुरस्कार जीतने का अवसर मिलेगा। पैनल चर्चाओं, कार्यशालाओं और मेंटरशिप सत्रों के माध्यम से प्रतिभागियों को विशेषज्ञों और निवेशकों से संवाद का मौका मिलेगा, जिससे वे अपने विचारों को सशक्त बना सकेंगे। आवेदन की अंतिम तिथि 10 मार्च 2025 है। अधिक जानकारी और पंजीयन के लिए www.navonmesh-fest.com पर विजिट करें।

बैंक एसोसिएशन ने निभाया दायित्व

भोपाल। केनरा बैंक ऑफिसर्स एसोसिएशन, भोपाल ने शनिवार को विशेष आयोजन कर अपने सामाजिक दायित्वों को निभाया। पदाधिकारियों ने द्वारा विशेष अवसर पर जहां बच्चों को साथ समय बिताया गया,तो वहीं जरुरतमद महिलाओं को राशन प्रदान किया । एसोसिएशन के महासचिव के.रविकुमार और के.के. त्रिपाठी सहित दूसरे पदाधिकारी व बैक कर्मी मौजूद रहे।

बाइक सवार ने युवती का पर्स लूटा

जागरण,भोपाल। कमलानगर थाना क्षेत्र में बाइक सवार बदमाश एक युवती का पर्स लूटकर फरार हो गया। घटना के वक्त युवती मां के साथ मार्केट से खरीददारी कर घर जा रही थी। पुलिस ने लूट का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार 25 वर्षीय शिवानी भैसारे पिता दीपचंद्र सूर्यानगर कॉलोनी में रहती है। वह निजी काम करती है। शुक्रवार शाम को नेहरू नगर मार्केट होकर वह अपनी मां के साथ घर वापस लौट रही थी। तभी करीब साढ़े सात बजे पीछे से आए बाइक सवार बदमाश ने शिवानी के हाथ से पर्स झपट लिया। घटना के वक्त वह कुछ समझ पाती उससे पहले ही आरोपी वहां से निकला। लूटे गए पर्स में मोबाइल, नकदी समेत अन्य जरूरी दस्तावेज रखा था। पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ मामला दर्ज किया है।

लालघाटी सहित कई इलाकों में बिजली कटौती

जागरण संवाददाता, भोपाल। रविवार को अरेरा हिल्स व लालघाटी सहित कई इलाकों में बिजली कटौती की जाएगी। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी से मिली जानकारी के अनुसार आज अरेरा हिल्स, ईसराणी लॉ चेंबर, दुर्गा नगर, अर्जुन नगर, केंद्रीय स्कूल क्रमांक 1, चिनार कॉम्पलेक्स व आसपास सुबह 10.30 से शाम 5 बजे तक, सुल्तानिया इन्फेंट्री रोड, विट्ठल नगर, एमईएस कालोनी, नेवरी मंदिर व आसपास और शिवा अपार्टमेंट, नयापुरा, बरेला गांव, राजीव रोसरी, काजी वजदुल कालोनी, ओम शिव नगर, मुंशी प्रेम कालोनी, संतजी की कुटिया, बैरागढ़ थाना व आसपास सुबह 10 से 1 बजे तक और मेयो अस्पताल, झिरनो का मंदिर, व एलबीएस अस्पताल व आसपास सुबह 10 से शाम 4 बजे तक बिजली कटौती की जाएगी।

पड़ोसी ने छात्रा से की छेड़छाड़

भोपाल। बैरागढ़ थाना क्षेत्र में रास्ता रोककर पड़ोसी ने नाबालिग छात्रा के साथ छेड़छाड़ की। पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।17 वर्षीय आनंदी राहुल नगर इलाके में रहती है। वह 11वीं क्लास की छात्रा है। स्कूल से आते-जाते समय पड़ोसी दिलीप काछी उसका पीछा कर परेशान कर रहा था। शुक्रवार शाम को आरोपी ने भद्दे कमेंट कर छात्रा का हाथ पकड़कर उसके छेड़छाड़ की।

असलम चमड़ा के करीबी से रंगदारी मांगने वाला बर्खास्त रेलकर्मी गिरफ्तार

गो मांस तस्कर बताकर कर रहा था ब्लैकमेल, निशातपुरा पुलिस ने रंगेहाथ दबोचा

क्राइम रिपोर्टर, भोपाल। गो मांस तस्करी के आरोप में गिरफ्तार असलम चमड़ा के करीबी से तीन लाख की रंगदारी मांगने वाले बर्खास्त रेलकर्मी राजेश तिवारी को निशातपुरा पुलिस ने शनिवार को गिरफ्तार किया है। आरोपी राजेश तिवारी गो मांस तस्कर बताकर पीड़ित को ब्लैकमेल कर रहा था। पुलिस ने उसे रंगेहाथ दबोच लिया। डील करने का वीडियो भी सामने आया है। पुलिस ने आरोपी राजेश से एमडी ड्रग व अवैध हथियार बरामद किया है। निशातपुरा पुलिस के मुताबिक, शाहबेज खान उर्फ जिब्बी (41) चिनार स्ट्रीट मैदा मिल

होशंगाबाद रोड में रहता है। वह असलम चमड़ा का करीबी है। शाहबेज ने ब्लैकमेलिंग के संबंध में 27 फरवरी को शिकायत की थी। शिकायत में उसने बताया था कि राजेश तिवारी उसके खिलाफ लगातार सोशल मीडिया पर वीडियो अपलोड कर रहा है। वीडियो में वह उसे गो मांस तस्कर से लेकर भू माफिया बता रहा है। इस तरह वह उसे बदनाम कर रहा है। बदनाम न करने के एवज में वह तीन लाख रुपए की मांग कर रहा है। वह पहले भी ढाई लाख रुपए ले चुका है। हथियार दिखाकर धमकी देता है। पुलिस मामले की जांच में जुटी थी।

2 ग्राम एमडी ड्रग बरामद डील के मुताबिक जिब्बी ने राजेश तिवारी को निशातपुरा इलाके में रकम देने के लिए शनिवार को बुलाया। इसके पहले उसने पुलिस को सूचना दे दी। जैसे ही राजेश तिवारी उससे रकम लेने आया। उसने पुलिस को इशारा कर दिया। पुलिस की एक टीम पहुंची और आरोपी को रंगेहाथ गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपी राजेश के पास से 2 ग्राम एमडी ड्रग और अवैध देशी पिस्टल बरामद की है। इसके अलावा उसकी कार में 12 बॉटल शराब मिली है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट, आबकारी एक्ट, आर्म्स एक्ट के तहत केस दर्ज किया है।

राजेश पर महिला ने लगाया था रेप का आरोप

आरोपी राजेश मछली गैंग और असलम चमड़ा के बीफ स्मगलिंग गैंग का पर्दाफाश करने का दावा करता था। रेलवे में नौकरी के दौरान राजेश पर एक महिला ने रेप का आरोप लगाया था। उसके खिलाफ हत्या के प्रयास का भी केस दर्ज है। वह खुद को सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर भी बताता है। अक्सर अलग-अलग अमीर लोगों के खिलाफ विवादित वीडियो पोस्ट करता रहता है। अगस्त 2025 में मछली गैंग के खिलाफ प्रशासन के बुल्डोजर चलने के दौरान राजेश तिवारी ने कार्रवाई के समर्थन में तिरंगा लहराया था। राजेश का आरोप था कि मछली गैंग ने उन्हें प्रताड़ित किया। अपहरण कर मारपीट की लेकिन पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की थी।

भोपाल मंडल में डायरेक्ट सिग्नलिंग सिस्टम शुरू

ट्रेनों के परिचालन की बढ़ेगी क्षमता

नगर संवाददाता, भोपाल। भोपाल मंडल के कुरवाई केथोरा-मंडीबामोरा-कुल्हार रेलखंड में ऑटोमैटिक ब्लॉक सिग्नलिंग प्रणाली को सफलतापूर्वक कमीशन कर दिया गया है। भारतीय रेलवे में पहली बार पश्चिम मध्य रेल के रेलखंड में डायरेक्ट ड्राइव मॉड्यूल आधारित तकनीक का प्रयोग कर ऑटोमैटिक ब्लॉक सिग्नलिंग प्रदान की गई है। इस अत्याधुनिक तकनीक की मुख्य विशेषता यह है कि इसमें ब्लॉक सेक्शन में लगे ऑटो सिग्नलों को सीधे रास्ते के किनारे स्थित कैबिनेट के माध्यम से डायरेक्ट ड्राइव किया जाता है। इस परियोजना को पश्चिम मध्य रेल के सिग्नलिंग विभाग और परम-सीमेंस कंसोर्टियम द्वारा संयुक्त रूप से निष्पादित किया गया है। इस तकनीक के क्रियान्वयन से रेलवे

सिग्नलिंग में तांबे के तारों और रिले की आवश्यकता में भारी कमी आएगी। यह नई तकनीक न केवल लागत प्रभावी है, बल्कि रेलवे संचालन में विश्वसनीयता और सुरक्षा के स्तर को भी कई गुना बढ़ाती है। इस उपलब्धि से ट्रेनों के परिचालन की क्षमता बढ़ेगी और सेक्शन में ट्रेनों के बीच का अंतराल कम होने से रेल यातायात और अधिक सुगम होगा। प्रोजेक्ट के तहत कुरवाई केथोरा-मंडी बामोरा के बीच ऑटो हट और मंडी बामोरा-कुल्हार के बीच ऑटो हट का निर्माण किया गया है। कैबिनेट और ऑटो हट को जोड़ने के लिए रिंग पाथ में ऑप्टिकल फाइबर केबल बिछाई गई है। साथ ही, रूट डायवर्सिटी सुनिश्चित करने के लिए ओएफसी का उपयोग किया गया है।

आउटसोर्स कर्मचारी ने पत्नी से विवाद के बाद लगाई फांसी

जागरण,भोपाल। हनुमानगंज थाना क्षेत्र में आउटसोर्स कर्मचारी ने फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। मृतक ने कोई सुसाइड नोट नहीं छोड़ा है। जिससे आत्महत्या के कारणों का खुलासा नहीं हो सका है। पुलिस ने पीएम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया है। पुलिस के अनुसार 36 वर्षीय जितेंद्र कीर पिता रमेश फूटा मकबरा में रहता था। वह एम्स में साफ-सफाई का काम करता था और शराब पीने का आदी था। पिछले एक हफ्ते से वह काम पर नहीं जा रहा था। चार दिन पहले शराब पीने को लेकर उसका पत्नी से विवाद हुआ। जिसके बाद पत्नी बच्चों के साथ मायके चली गई थी। शुक्रवार शाम को पड़ोसियों ने जब उसे साड़ी से बने फांसी के फंदे पर लटका देखा। इधर, अरेरा हिल्स इलाके में युवक ने फांसी लगाकर जान दे दी। पुलिस के अनुसार 19 वर्षीय विशाल गिरी पिता राना प्रताप भीमनगर बिहारी मोहल्ला में रहता था। वह सुलोचन का नशा करता था। शुक्रवार को उसने घर में फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली।

होली से पहले खाद्य पदार्थों की जांच

जागरण संवाददाता, भोपाल। होली से चार दिन पहले गुजिया, नमकीन, बर्फी और अन्य मिठाइयों की सैंपलिंग शुरू हो गई है। इसके साथ ही तेल, मसालों, पके हुए खाद्य पदार्थ और दूध की मौके पर ही वेन में जांच की जा रही है। शासन से मिले आदेश के बाद खाद्य सुरक्षा प्रशासन का अमला पूरे जिले में सैंपलिंग व मौके पर ही खाद्य पदार्थों की जांच का काम कर रहा है। इसी तारतम्य में शनिवार को जहांगीराबाद स्थित मनोकांशा गृह उद्योग से गुजिया, नमकीन और मावा बर्फी के नमूने लिए गए। ऑनडोर कोलार से नमकीन और दाल, ब्रज स्वीट्स एंड डेयरी कोलार से मावा व रसगुल्ला के सैंपल लिए गए। देवनारायण स्वीट्स कोलार से बर्फी, जैन डेयरी कोलार से मावा और पनीर, हीरा स्वीट्स कोलार से गुजिया, नमकीन, बर्फी और मावा और कोलार स्थित काबुल कन्फेक्शनरी के निर्माण स्थल से गुजिया व मावा के नमूने, राजस्थान मिष्ठान भंडार शैतान सिंह

मार्केट से मिल्क केक ,रसगुल्ला, मलाई टिकिया, नमकीन एवं मटरी, गागर स्वीट्स 10 नंबर मार्केट से मिल्क केक, मलाई बर्फी के नमूने जांच के लिए कलेक्ट किए गए और इन्हें जांच के लिए राज्य खाद्य प्रयोगशाला भेजा गया। इसके अलावा अमले ने चलित खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला से 30 नमूनों की मौके पर ही जांच की।

पमरे की जीएम हुईं रिटायर अधीनस्थों ने दी विदाई

नगर संवाददाता, भोपाल। पश्चिम मध्य रेलवे की महाप्रबंधक शोभना बंदोपाध्याय शनिवार को रिटायर्ड हो गईं। जबलपुर मुख्यालय सभागार में आयोजित एक विदाई समारोह में उन्हें अधीनस्थ अधिकारियों व कर्मचारियों द्वारा भावभीनी विदाई दी गई। इस अवसर पर अपर महाप्रबन्धक प्रमोद कुमार खत्री, प्रमुख वित्त सलाहकार मनजीत कौर एवं प्रमुख मुख्य कार्मिक अधिकारी एसडी पाटीदार द्वारा उन्हें सेवानिवृत्ति संबंधी दस्तावेज एवं सम्मान पत्र प्रदान किए गए। शोभना बंदोपाध्याय के नेतृत्व में पश्चिम मध्य रेल ने परिचालन, सुरक्षा और आधुनिकीकरण के क्षेत्र में नए कीर्तिमान स्थापित किए।

कार्यालय अधीक्षक, जिला जेल हरदा (म.प्र.)

(दूरभाष क्रमांक :- 9425660063)

क्रमांक 739/निर्वाह/2026 हरदा, दिनांक 27-02-2026

ई-टेण्डरिंग निविदा वित्त वर्ष 2026-27

Email_jsdjhrd@mp.gov.in & districtjailharda@gmail.com

ई - निविदा सूचना (द्वितीय आमंत्रण)

म.प्र. जेल पूर्ति नियम 1968 एवं म.प्र. भण्डार क्रय नियम के अंतर्गत (फार्म (अ) नियम 6 देखिये)

समस्त पंजीकृत एवं प्रतिष्ठित व्यापारियों को सूचित किया जाता है कि जिला जेल, हरदा में परिरूद्ध बंदियों के लिए खाद्य सामग्रीयों, सब्जियां, फल, स्वच्छता सामग्री, विद्युत तथा एल.पी.जी. गैस संयंत्र सामग्री, भवन निर्माण सामग्री, जल प्रदाय सामग्री, दवाईयॉ, सर्जिकल आईटम एवं चिकित्सीय उपकरण क्रय हेतु वार्षिक निविदायें ई-टेण्डरिंग के माध्यम से बेवसाइट http//www.mpeproc.gov.in पर दिनांक 02.04.2026 को शाम 05.00 बजे तक आमंत्रित की जाती है। इच्छुक व्यापारीगण संबंधित जेल की बेवसाइट पर जाकर निविदा की सूचना प्राप्त कर सकते है।

निविदा में संशोधन की स्थिति में बेवसाइट पर ही संशोधन देखा जा सकेगा । विस्तृत निविदा आमंत्रण सूचना व अन्य शर्तों से संबंधित जानकारी उक्त बेवसाइट पर ही देखी जा सकेगी ।

जी-26658/25

(अशोक कुमार डेहरिया)
अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व),
पदेन जेल अधीक्षक,
जिला जेल हरदा (मध्य प्रदेश)

पॉक्सो है सुरक्षा का हथियार, बच्चों पर न करें अत्याचार

आम सूचना

मकान क्रमांक-02, सनराईज कॉलोनी, ईदगाह हिल्स, भोपाल के संबंध में-

सर्व साधारण को यह सूचित किया जाता है कि श्री ओमप्रकाश पुत्र श्री चेतनदास, श्री श्याम पंजवानी पुत्र श्री चेतनदास, श्री अमित पंजवानी पुत्र श्री चेतनदास, श्रीमती अंजली पंजवानी पत्नी श्री ओमप्रकाश पंजवानी, श्रीमती कामया पंजवानी पत्नी श्री श्याम पंजवानी एवं श्रीमती हिमांशी पंजवानी पत्नी श्री अमित पंजवानी सभी निवासी-1-बी, सनराईज कॉलोनी, ईदगाह हिल्स भोपाल के स्वत्व, स्वामित्व एवं आधिपत्य का मकान क्रमांक-02, जो कि सनराईज कॉलोनी, ईदगाह हिल्स, तहसील हुजूर, जिला भोपाल नगर निगम सीमाओं के अंदर वार्ड क्रं.-10 में स्थित है, उक्त मकान के भूखण्ड का साईज 3420 वर्गफुट अर्थात 317.84 वर्गमीटर है, उक्त मकान को क्रय करने हेतु मेरे पक्षकार ने भूखण्ड स्वामी को बयाना राशि अदा कर सौदा पक्का कर दिया है, उक्त संपति पर यदि किसी भी व्यक्ति, संस्था, सोसायटी, समिति, बैंक, वित्तीय संस्थान, शासकीय/अशासकीय विभाग का हित व अधिकार, गिरवी या बंधक हो तो वह इस प्रकाशन से 07 दिवस के भीतर मेरे नीचे उल्लेखित पते पर अपनी आपत्ति दस्तावेजी साक्ष्यों के साथ स्वयं या अपने अभिभाषक के साथ प्रस्तुत करें अन्यथा मेरा पक्षकार उपरोक्त संपति का पंजीयन अपने पक्ष में करवानें हेतु स्वतंत्र रहेगा व समयावधि समाप्ति पश्चात् कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी, इति।

भवदीय **सुनील कुमार जैन** (अधिवक्ता)
आर.के.जैन लॉ चेम्बर
कार्या.: 67, आदर्श हास्पीटल के पास, थाना रोड, शाहजहॉनाबाद, भोपाल-462001 (म.प्र.)
मोबा. 9131859720

-:जाहिर सूचना :-

कृषि स्थित ग्राम सिमराई वार्ड न. 25, मंडीदीप तह. गोहरगंज, जिला रायसेन म.प्र.,

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है, कि मेरे पक्षकार ने जितेन्द्र कुमार परमार उर्फ बहादुर सिंह आ. श्री भैरो सिंह परमार निवासी नानाखेडी तह. गौंहरगंज जिला रायसेन के स्वत्व स्वामित्व की भूमि का खसरा क्रमांक 74/1/2/2, रकवा 0.404 हे. स्थित भूमि वार्ड न. 25, ग्राम सिमराई तह. गौंहरगंज जिला रायसेन म.प्र.। की भूमि विक्रय करने का अनुबंध मेरे पक्षकार से किया गया हैं, एंव बयाना राशि अदा कर दी है, जिसके दस्तावेज का पंजीयन शीघ्र होना हैं, उक्त सम्पत्ति के संबंध मे किसी भी व्यक्ति, संस्था, बैंक, फायनेंश संस्था, फर्म, शासकीय कार्यालय, बैंक के.सी.सी. का किसी भी प्रकार का बकाया या आपत्ति हो या उक्त वर्णित सम्पत्ति कहीं अनुबंध, विक्रय, दान, बंधक, गिरवी, वसीयत, हिबा, हस्तांतरण, इत्यादि हो, तो वह इस सूचना प्रकाशन के 07 दिवस की समयावधि में मेरे कार्यालय में मय दस्तावेज सहित उपस्थित होकर अपत्ति प्रस्तुत करें, अन्यथा मेरे पक्षकार उक्त वर्णित संपति का पंजीयन करा लेगा ऐसी स्थिति में कोई अपत्ति मान्य नही होगी।

भवदीय **सरिता शैर्या** अधिवक्ता
Office:-Chitransh Enterprises(Chitransh Typing) Mandideep, Distt Raisen M.P.
मो-9425301684

मध्यप्रदेश सोसायटी रजिस्ट्रीकरण अधि. 1973 (क) के अधीन पंजी. क्र. 01/01/01/27094/13

एमराल्ड पार्क सिटी कल्याण समिति

रजिस्टर्ड ऑफिस : कम्युनिटी हॉल, एमराल्ड पार्क सिटी, एम्स के निकट, बागसेवनिया, भोपाल-462043 (म.प्र.)
कार्यालय मोबाईल नं. 9685731449

क्रमांक 47 /ई.पी.सी./2026 भोपाल, दिनांक 24-02-2026

// निविदा सूचना //

एमराल्ड पार्क सिटी बागसेवनिया नियर एम्स रहवासी कॉलोनी भोपाल की सुरक्षा व्यवस्था का दायित्व (जो PASARA एक्ट 2005 पंजीकृत हो), बागवानी व्यवस्था, कॉलोनी की सफाई व्यवस्था एवं सोलर PV सिस्टम लगाने हेतु संबंधित एजेनियों से सीलबंध निविदा दिनांक 10 मार्च 2026 तक आमंत्रित की जाती है । निविदा प्रपत्र, विस्तृत विवरण सहित रुपये 500/ - (जो वापिसी योग्य नहीं होगी) जमा कर कार्यालयीन समय प्रातः 10.00 बजे से शाम 05.00 बजे तक समिति कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है।

(सम्पर्क सूत्र- मो 9685731449/9340578083)

सचिव
एमराल्ड पार्क सिटी कल्याण समिति भोपाल

-: जाहिर सूचना :-

मैं अपने पक्षकार के निर्देशानुसार सर्वसाधारण को सूचित करता हूँ कि मेरे पक्षकार ने (1) श्री हेमन्त कुमार कुशवाह आयु वयस्क पिता श्री राम सिंह कुशवाह निवासी-म.नं. 03, छोला रोड , कैंची छोला, भोपाल म.प्र. (2) श्री श्याम सिंह कुशवाह आयु वयस्क पिता श्री राम सिंह कुशवाह निवासी-म.नं. 18, भैरोंपुरा गॉव, गोलखेडी, भोपाल म.प्र. के स्वत्व, स्वामित्व एवं आधिपत्य की तीन किता भूमि खसरा क्रमांक 17 रकबा 0.55 हेक्टेयर, 18/2 रकबा 1.551 हेक्टेयर एवं 19/2 रकबा 0.324 हेक्टेयर कुल रकबा 2.425 हेक्टेयर भूमि में से 1.6187 हेक्टेयर अर्थात 4.0 एकड़ भूमि जो ग्राम गोलखेडी, पटवारी हल्का नं. 23, विकास खण्ड फंदा, तहसील हुजूर, जिला भोपाल में मुख्यमार्ग से अंदर स्थित है को क्रय करने हेतु टोकन/बयाना राशि अदा कर दी है यदि उक्त भूमि के संबंध में किसी बैंक, सोसायटी, व्यक्ति, संस्था आदि को किसी भी प्रकार की कोई आपत्ति अथवा लेन-देन या वाद विवाद या हिबा, दान, गिरवी, वसीयत, विक्रय अनुबंध, विक्रय विलेख आदि हो तो वह इस जाहिर सूचना के प्रकाशन के सात दिवस के अंदर मेरे कार्यालय मे संपूर्ण साक्ष्य के साथ उपस्थित होकर मय दस्तावेज के आपत्ति प्रस्तुत करे समय अवधि व्यतीत होने के पश्चात किसी भी प्रकार की कोई आपत्ति मान्य व स्वीकार नही होगी तथा मेरा पक्षकार उक्त भूमि का पंजीयन अपने पक्ष मे कराने के लिये स्वंतत्र होंगे।

भवदीय **राजेन्द्र सक्सेना** अधिवक्ता
सक्सेना लॉ चेम्बर
कार्या:-शॉप नं. 58, हनुमान मंदिर केम्पस, करोन्द भोपाल
मो.8959237282

-: जाहिर सूचना :-

मैं अपने पक्षकार PNB HOUSING FINANCE LIMITED भोपाल द्वारा शाखा प्रबंधक की ओर से सर्व साधारण को सूचित करता हूं कि अनुरंजना रायजादा पुत्री श्री पी.एस. रायजादा निवासी भोपाल के आधिपत्य एवं स्वामित्व का एक किता आवासीय मकान जो कि प्लॉट क्रमांक 48 के भाग 48/2 पर निर्मित होकर खसरा क्रमांक 90 का अंश भाग होकर, बंजारी गृह निर्माण सहकारी संस्था मर्यादित, ग्राम अकबरपुर तहसील हुजूर जिला भोपाल में स्थित है जिसके प्लॉट का कुल क्षेत्रफल 660 वर्गफिट है जिसके दिशा पूर्व में-कालोनी रोड, दिशा पश्चिम में-प्लॉट नंबर-23, दिशा उत्तर में-प्लॉट क्रमांक 48 का भाग 48/3 एवं दिशा दक्षिण में-प्लॉट क्रमांक 48 का भाग 48/1 है यह कि उक्त सम्पत्ति को अनुरंजना रायजादा पुत्री श्री पी.एस. रायजादा निवासी भोपाल द्वारा श्री इन्द्रेश कुमार मिश्रा आत्मज श्री रतनेश्वर मिश्रा निवासी भोपाल को विक्रय किया जा रहा है जिसे क्रय करने हेतु श्री इन्द्रेश कुमार मिश्रा द्वारा उक्त सम्पतित को बंधकर रखकर मेरे पक्षकार PNB HOUSING FINANCE LIMITED भोपाल के समक्ष ऋण प्राप्त करने का प्रस्ताव रखा हैं। यह कि उक्त सम्पत्ति से संबंधित पूर्व का मूल लिंक दस्तावेज विक्रय पत्र जिसका पंजीयन उप पंजीयक कार्यालय में दिनांक 02.03.2007 को पुस्तक क्रमांक अ-01 ग्रन्थ क्रमांक 25761 एवं दस्तावेज क्रमांक 4224 पर पंजीबद्ध है कहीं गुम हो गया है जो कि बहुत खोजने पर भी नही मिल रहा है। मेरी पक्षकार कंपनी उक्त सम्पत्ति को बंधक रखकर ऋण प्रदान करने जा रही है यदि उपरोक्त वर्णित सम्पत्ति में किसी भी व्यक्ति, (परिवार के अन्य सदस्य अथवा वारिस) संस्था, बैंक, शासकीय अथवा अर्द्धशासकीय निकाय का स्वत्व, आधिपत्य, हित, ऋण, बंधक (सम्यक), भार अथवा अन्य किसी भी प्रकार का विवाद हो तो, वह अपनी आपत्ति लिखित में मय दस्तावेजों के साथ इस सूचना पत्र प्रकाशन के 07 दिवस की अवधि के अन्दर मुझे, मेरे कार्यालय में अथवा मेरे पक्षकार के कार्यालय में प्रस्तुत करें। उपरोक्त समयावधि निकल जाने के पश्चात् किसी भी प्रकार का दावा, स्वत्व या आपत्ति मेरे पक्षकार पर बंधनकारी नहीं होगी और मेरी पक्षकार कंपनी उपरोक्त सम्पत्ति पर उपरोक्त पक्षकार को ऋण प्रदान कर सकेगी।

मनोज राठौर एडवोकेट
एस एफ-06, प्रथम तल, विजय स्तम्भ एम.पी.नगर. जोन-01, भोपाल
मो.- 9826847153

-: आम-सूचना :-

मैं अपने पक्षकार PNB HOUSING FINANCE LIMITED भोपाल द्वारा शाखा प्रबंधक की ओर से सर्व साधारण को सूचित करता हूं कि (1) श्रीमती तंकमणी पत्नि स्व. श्री टी. रामन (2) श्री विजय कुमार (3) श्री विनोद नायर एवं (4) टी. विनय कुमार सभी पुत्र स्व. श्री टी. रामन सभी निवासी भोपाल के आधिपत्य एवं स्वामित्व का एक किता आवासीय मकान जो कि प्लॉट क्रमांक 154-ए पर निर्मित होकर, दुर्गेश विहार, जय दुर्गे गृह निर्माण सहकारी संस्था ग्राम नरेला शंकरी तहसील हुजूर जिला भोपाल में स्थित है जिसके प्लॉट का कुल क्षेत्रफल 1200 वर्गफिट है जिसके दिशा पूर्व में-कालोनी रोड, दिशा पश्चिम में-प्लॉट क्रमांक 149, दिशा उत्तर में-प्लॉट क्रमांक 158 बी एवं दिशा दक्षिण में-मकान क्रमांक 154-बी है। यह कि उक्त सम्पत्ति को (1) श्रीमती तंकमणी पत्नि स्व. श्री टी. रामन (2) श्री विजय कुमार (3) श्री विनोद नायर एवं (4) टी. विनय कुमार सभी पुत्र स्व. श्री टी. रामन सभी निवासी-भोपाल द्वारा श्रीमति अश्विनी सिंह पत्नि श्री शैलेन्द्र सिंह निवासी भोपाल को विक्रय किया जा रहा है जिसे क्रय करने हेतु श्रीमति अश्विनी सिंह द्वारा उक्त सम्पतित को बंधकर रखकर मेरे पक्षकार PNB HOUSING FINANCE LIMITED भोपाल के समक्ष ऋण प्राप्त करने का प्रस्ताव रखा हैं। मेरी पक्षकार कंपनी उक्त सम्पत्ति को बंधक रखकर ऋण प्रदान करने जा रही है यदि उपरोक्त वर्णित सम्पत्ति में किसी भी व्यक्ति, (परिवार के अन्य सदस्य अथवा वारिस) संस्था, बैंक, शासकीय अथवा अर्द्धशासकीय निकाय का स्वत्व, आधिपत्य, हित, ऋण, बंधक (सम्यक), भार अथवा अन्य किसी भी प्रकार का विवाद हो तो, वह अपनी आपत्ति लिखित में मय दस्तावेजों के साथ इस सूचना पत्र प्रकाशन के 07 दिवस की अवधि के अन्दर मुझे, मेरे कार्यालय में अथवा मेरे पक्षकार के कार्यालय में प्रस्तुत करें। उपरोक्त समयावधि निकल जाने के पश्चात् किसी भी प्रकार का दावा, स्वत्व या आपत्ति मेरे पक्षकार पर बंधनकारी नहीं होगी और मेरी पक्षकार कंपनी उपरोक्त सम्पत्ति पर उपरोक्त पक्षकार को ऋण प्रदान कर सकेगी।

मनोज राठौर एडवोकेट
एस एफ-06, प्रथम तल, विजय स्तम्भ एम.पी.नगर. जोन-01, भोपाल
मो.- 9826847153

MADHYA PRADESH BHOJ (OPEN) UNIVERSITY

(Established Under an Act of State Assembly ,1991)

Raja Bhoj Marg, , Chuna Bhatti, Kolar Road Bhopal, Madhya Pradesh-462016

राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद् (NAAC) द्वारा "A" ग्रेड प्रत्यायित एक मात्र शासकीय विश्वविद्यालय

- सत्र (जनवरी-दिसम्बर) 2026 अंतिम तिथि 15 मार्च, 2026
- राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 (NEP) सत्र 2022-23 से लागू। न्यूनतम शुल्क में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ उच्च गुणवत्ता युक्त अध्ययन सामग्री।
- पाठ्यक्रम/विषय/क्षेत्रीय केन्द्र/अध्ययन केन्द्र परिर्वतन की सुविधा। उम्र का बन्धन नहीं।
- नेटवर्किंग सक्षमता निर्माण संसाधनों को साझा करके और गुणवत्ता सुनिश्चित करके राष्ट्रीय एवं वैश्विकि स्तर पर दूरस्थ शिक्षा का प्रसार।
- विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यू.जी.सी.) के नियमों के अनुसार प्रवेश शुल्क की वापसी।

Our Motto- "Embrace, Engage, Enlighten and Empower" | हमारा लक्ष्य-शिक्षा वंचितों तक पहुंचना | UGC-DEB/AICTE/RCI/NCTE/NCVET से अनुमोदित पाठ्यक्रमों का संचालन

Bachelor Programmes	PG Diploma Programmes
BA	PG Diploma in Cyber Security
BSC (Bio/Maths)	PG Diploma in Management Logistics and Supply Chain Mgt
B.Sc. (Cyber Security)	PG Diploma in Event Management
B.Sc (Data Science)	PG Diploma in Energy Management
B.Com	PG Diploma in Tribal Development
Bachelor of Library and Information Science (B.LIS)	PG Diploma in Artificial Intelligence and Data Science
Bachelor of Journalism (BJ)	PG Diploma in Fin Tech
BBA (Bachelor of Business Administration)	
BCA (Bachelor of Computer Application)	**Diploma Programmes**
Bachelor Honours Programmes	Diploma in Business Administration (DBA)
B.A.(Honours) Political Science	Diploma in Management (DIM)
B.A.(Honours) Hindi	Diploma in Computer Application (DCA)
B.Sc (Honours)Chemistry	Diploma in Nutrition and Health Education (DNHE)
B.Sc (Honours)Botany	Ramcharitra manas se samajik vikas me Diploma (RSSM)
B.Sc (Honours) (Cyber Security)	Diploma in Logistics and Supply Chain Management (DLSCM)
B.Sc(Houours) (Data Science)	Diploma in Tribal Development (DTD)
B.Com (Honours)	Diploma in Travel and Tourism (DTT)
BBA (Honours)	Diploma in Rural Management (DRM)
BCA (Honours)	Diploma in Event Management (DEVM)
PG Programmes	Diploma in Energy Management (DEM)
MBA (General)	Diploma in Cyber Security (DCS)
MBA (Material Management)	Diploma in Data Science. (DDS)
MBA(STEM)	Diploma in AI & Data Science (DADS)
MBA (Lateral Entry)	Diploma in Bhagwat Geeta (DBG)
MCA	**Certificate Programmes**
MCA (Lateral Entry)	Certificate in Human Right (CHR)
M.Com	Certificate in Rural Development (CRD)
MA (Hindi Lit.)	Certificate in Indian Literature
MA (English Lit.)	Certificate in Written and Spoken Sanskrit
MA (Political Science)	Certificate in Introduction to Vedas
MA (Economics)	Certificate in Indic Philosophy
MA (Sociology)	Certificate in Ayurvedic Dietetics
MA (History)	Certificate in Indian education and Holistic Development
MA (Geography)	Certificate in Basic of Intellectual Property Rights
MSW	Certificate in Indian Cultural Heritage
Master of Journalism	Certificate in Introduction to Yoga Nidra
Master of Science (Cyber Security)	Certificate in Organic Farming
M.Sc. (Botany)	Certificate in Sociology of Gerontology
M.Sc. (Maths)	Certificate in Mushroom Production
M.Sc. (Physics)	Certificate in Medicinal Plants from Traditional use to Sustainable Utilization
M.Sc. (Chemistry)	
M.Sc. (Zoology)	
M.Sc. (IT)	

आवेदन करने की प्रकिया :- प्रवेश हेतु आवेदन करने के लिए स्वयं आवेदक **www.mpbou.edu.in** पर जाकर ऑनलाइन आवेदन कर सकता है। 2. असुविधा होने पर नजदीकी कियोस्क पर जाकर प्रवेश आवेदन एवं फीस जमा की जा सकती है। 3. अर्हतादायी प्रमाणपत्र की छाया प्रतियों तथा मूलअंकसूची एवं अन्य मूलदस्तावेज के मिलान कराकर प्रवेश प्रक्रिया पूर्ण कराए।

प्रवेश हेतु जानकारी के लिए लिंक
https://mpbou.mponline.gov.in/portal/services_bhoj.aspx?groupid=1

विशेष

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के प्रावधानों तथा मध्यप्रदेश शासन, उच्च शिक्षा विभाग के निर्देशों के परिपेक्ष्य में प्रवेशित विद्यार्थी अब एक साथ दो पाठ्यक्रम पूर्ण कर सकते हैं। एक पाठ्यक्रम किसी भी महाविद्यालय अथवा विश्वविद्यालय से नियमित विद्यार्थी के रूप में, जबकि दूसरा पाठ्यक्रम मध्यप्रदेश भोज (मुक्त) विश्वविद्यालय से दूरस्थ माध्यम के अंतर्गत, विद्यार्थी चाहें तो एक साथ दोनों पाठ्यक्रम भोज (मुक्त) विश्वविद्यालय से भी पूर्ण कर सकता है। प्रदेश के सभी शासकीय एवं अनुदानित महाविद्यालय हमारे अध्ययन केन्द्र हैं। विद्यार्थी प्रवेश व अन्य जानकारी हेतु महाविद्यालय के प्राचार्य अथवा समन्वयक से संपर्क कर सकता है। बी.एड./डी.एल.एड. (सामान्य) के लिए डॉ. हेमंत सिंह केसवाल (7696569224) तथा श्री संजय गुलाटी (9826392619), बी.एड. विशेष शिक्षा हेतु डॉ. ज्योति पाराशर (9425365725) तथा अन्य पाठ्यक्रमों के लिए डॉ. रतन सूर्यवंशी, निदेशक (9329823741), डॉ. राजवती दीपांकर (8349280917) ,आई.टी. विभाग से संबंधित जानकारी के लिए उपनिदेशक आई.टी. डॉ. प्रज्ञा ओझा (9755294824) एवं प्रोग्रामर डॉ. राजेश सक्सेना (9827736834) तथा परीक्षा/प्रवेश से संबंधित जानकारी के लिए निदेशक (प्र.मू.) डॉ. सतीश पाटिल (7067425675) तथा उपनिदेशक डॉ. मधुकर इटेवार (8817440127) से सम्पर्क किया जा सकता है।

म.प्र. माध्यम/124709/2026 कुलसचिव

आईइएचई में 'तरंग' का भव्य समापन

शिवाजी महाराज से लेकर भोपाल की बेगम के किरदारों ने जीता दिल

जागरण, भोपाल। उच्च शिक्षा उत्कृष्टता संस्थान (आईइएचई) में तीन दिनों से जारी वार्षिकोत्सव 'तरंग-2026' का शनिवार को रंगारंग समापन हुआ। अंतिम दिन का मुख्य आकर्षण 'धरोहरः कला और अभिव्यक्ति' थीम पर आधारित पारंपरिक परिधान प्रतियोगिता रही, जिसमें विद्यार्थियों ने भारतीय संस्कृति के विभिन्न रूपों को जीवंत कर दिया। प्रतियोगिता में शिवाजी महाराज की ओजस्वी पोशाक पहनकर ऋतिक सत्या ने सर्वश्रेष्ठ परिधान (छात्र) और मणिपुरी वस्त्रों में सजी रोशनी कुशवाहा ने सर्वश्रेष्ठ परिधान (छात्रा) का खिताब जीता। वहीं, अंशुल के. तिवारी को श्रीकृष्ण के स्वरूप के लिए 'मिस्टर ईव' और नूरिया सिद्दीकी को 'भोपाल की बेगम' के गरिमामय प्रस्तुतिकरण हेतु 'मिस ईव' चुना गया। नृत्य और फोटोग्राफी में भी छात्र-छात्राओं ने अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया। फोटोग्राफी और फिल्म मेकिंग प्रतियोगिता 'दृश्यायन' में नव्या भार्गव, देवांशी अय्यर और ऋषिता कपूर ने बाजी मारी। शाम को 'संगीत अविरल' बैंड परफॉर्मेंस के साथ उत्सव का समापन हुआ, जहां नैवेद्य, आदर्श, चंचल और रिमी के सुरीले गीतों पर पूरा कैंपस झूम उठा। संस्थान के संचालक डॉ. प्रज्ञेश कुमार अग्रवाल ने आयोजन की सफलता पर खुशी जताते हुए सभी विजेताओं और समिति सदस्यों को बधाई दी।

एमएलबी कॉलेज में अनन्या का समापन

छात्राओं ने रखे देवियों के भव्य स्वरूप

जागरण, भोपाल। शासकीय महारानी लक्ष्मीबाई कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय के वार्षिक उत्सव 'अनन्या' का भव्य समापन पुरस्कार वितरण और पारंपरिक वेशभूषा प्रतियोगिता के साथ हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में दक्षिण-पश्चिम क्षेत्र के विधायक भगवान दास सबनानी उपस्थित रहे। समारोह का मुख्य आकर्षण पारंपरिक वेशभूषा प्रतियोगिता रही, जिसमें 74 छात्राओं ने भारतीय संस्कृति के विभिन्न रूपों को मंच पर उतारा। प्रतियोगिता में महाविद्यालय की छात्राओं ने 'काली माई, और रानी लक्ष्मीबाई' जैसे स्वरूप धारण किए। वेशभूषा प्रतियोगिता में सुरभी शारे को काली माई के लिए प्रथम पुरस्कार, द्वितीय जौहर दृश्य के लिए काजल शर्मा, तृतीय पुरस्कार अहिल्या बाई के लिए साक्षी मीना को दिया गया। विधायक सबनानी ने विजेता छात्राओं को पुरस्कृत करते हुए उनके आत्मविश्वास और कला की सराहना की।

समूह नृत्य प्रतियोगिता में दिखाया उत्साह

एक्सेलेन्स कॉलेज के वार्षिक उत्सव तरंग में हुई प्रतियोगिता नृत्य झंकार की थीम नृत्य विधा में प्रथम स्थान अन्वी पांडे के रेडिएंट नृत्य समूह, द्वितीय स्थान धारवी कुशवाहा के आदि शक्ति नृत्य समूह एवं सानिध्य शुक्ला के नृत्य तरंगिनी समूह ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। वहीं फ्यूजन नृत्य विधा में राघवेंद्र सिंह चौधरी का लेजी बॉय नृत्य समूह प्रथम व मोहित शर्मा का टीम नटराज नृत्य समूह विजेता घोषित हुए। तृतीय विधा लोकके अंतर्गत अनियारा शर्मा के आवेग नृत्य समूह ने प्रथम, ऋषिता थापा के गोरखा गर्ल्स नृत्य समूह ने द्वितीय एवं मोहिनी शिल्पी के नेतृत्व वाले नृत्य समूह ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

मानव संग्रहालय में मणिपुर की 'उमंगलाई' परंपरा

प्रकृति और देवत्व के मिलन का अद्भुत संगम

जागरण, भोपाल। राजधानी के इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय में पूर्वोत्तर भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और प्रकृति पूजा का अनूठा संगम देखने को मिला। संग्रहालय में मणिपुर की 'उमंगलाई' परंपरा पर आधारित एक भव्य अनुष्ठानिक प्रस्तुति का आयोजन किया गया। मणिपुरी संस्कृति में 'उमंग' का अर्थ वन और 'लाई' का अर्थ देवता होता है। उमंगलाई उन पवित्र उपवनों को कहा जाता है जहाँ स्थानीय देवताओं का वास माना जाता है। इस अवसर पर पारंपरिक वेशभूषा में सजे कलाकारों और पुजारियों ने आह्वान मंत्रों, लोकगायन और वाद्ययंत्रों की थाप पर आध्यात्मिक वातावरण निर्मित किया। अनुष्ठान के दौरान नृत्य-नाट्य के जरिए दर्शकों को मणिपुर के प्राचीन लोक-विश्वासों से परिचित कराया गया। संग्रहालय के विशेषज्ञ एन. सकमाचा सिंह ने बताया कि यह परंपरा दर्शाती है कि कैसे स्थानीय समुदाय प्रकृति को देवत्व प्रदान कर उसकी रक्षा करते हैं।

गौहर महल में 'अनुत्तरा-2' संपन्न

विरासत और नवाचार का संगम

जागरण, भोपाल। ऐतिहासिक गौहर महल में आयोजित 'अनुत्तरा-2' क्राफ्ट बाजार का शनिवार को भव्य समापन हुआ। नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी भोपाल द्वारा आयोजित इस पांच दिवसीय उत्सव ने आधुनिक डिजाइन और सस्टेनेबिलिटी का अनूठा संगम भी पेश किया। समारोह की मुख्य अतिथि प्रमुख सचिव (कुटीर एवं ग्रामोद्योग) स्मिता भारद्वाज ने युवा पीढ़ी के नवाचार की सराहना की। आयोजन में कुल 44 स्टॉल लगाए गए थे। निफ्ट भोपाल के निदेशक अखिल सहाय के अनुसार, यह बाजार विद्यार्थियों और कारीगरों के बीच ज्ञान के आदान-प्रदान का एक सशक्त माध्यम बना।

फैब्रिक वेस्ट से बने इको-फ्रेंडली उत्पाद : निफ्ट भोपाल की फैकल्टी स्वर्णा मूलचंदानी ने सस्टेनेबल फैशन का बेहतरीन उदाहरण पेश किया। उनके स्टॉल की हैंडमेड डायरियां टेक्सटाइल इंडस्ट्री से निकलने वाले वेस्ट कपड़े के पल्प (गूदे) से बनाई गई हैं, जो पूरी तरह इको-फ्रेंडली हैं। डायरी के अलावा स्वर्णा के पास लैम्प्स, पेन रोल्स और सेंटेड कैंडल्स भी थे। जिसकी रेंज 50रुपए से शुरू होकर 5000रुपए (हैंडमेड लैम्प) तक है।

क्रोशे आर्ट में आधुनिक प्रयोग : 45 वर्षों से इस कला में माहिर शालिनी गर्ग ने यूरोपियन तकनीक क्रोशे को नए रूप में पेश किया है। टर्किश फ्लावर आर्ट और पारंपरिक तकनीक का इस्तेमाल कर बनाई गई क्रोशे वरमाला (कीमत 10,000रुपए) और फ्लावर बुके 3500रुपए है, जो चर्चा का केंद्र रहे।

पत्थरों में जान फूंकती कला

जबलपुर से आए स्टोन क्राफ्ट आर्टिस्ट लव दहिया ने निफ्ट के छात्रों को पत्थर तराशने का डेमो भी दिया। उनके स्टॉल पर पत्थरों से बनी बुद्ध प्रतिमा, जेत स्तंभ, मार्बल पेन और स्टोन ज्वेलरी उपलब्ध थी।

पाइप क्लीनर से तैयार कलाकृतियां

एक सेल्फ-टॉट आर्टिस्ट के रूप में धनश्री वर्मा ने पाइप क्लीनर का उपयोग करके बेहद खूबसूरत और रंगीन फूल तैयार किए हैं। उनके पास पाइप क्लीनर फ्लावर्स के अलावा हैंड पेंटेड टोट बैग्स, क्लिप-आर्ट और कस्टमाइज्ड घड़ियां भी थी।

सांइस सेंटर में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस संपन्न

'निम्न दाब' के रोमांचक प्रयोगों ने विद्यार्थियों को चौंकाया

जागरण, भोपाल। राजधानी स्थित आंचलिक विज्ञान केन्द्र में 'नेशनल काउंसिल ऑफ साइंस म्यूजियम' के तत्वावधान में आयोजित सप्ताहव्यापी राष्ट्रीय विज्ञान दिवस समारोह का शनिवार को समापन हुआ। इस वर्ष का आयोजन 'वूमेन इन साइंसः कैटलाइजिंग विकसित भारत' थीम पर आधारित था, जिसका मुख्य उद्देश्य महान वैज्ञानिक सी.वी. रमन की खोज 'रमन प्रभाव' को याद करना और समाज में वैज्ञानिक दृष्टिकोण विकसित करना रहा। समापन दिवस का मुख्य आकर्षण 'निम्न दाब पर प्रयोग' (एक्सपेरिमेंट अंडर लो प्रेशर) विषयक विशेष प्रदर्शन रहा। इस दौरान कृत्रिम रूप से वायुदाब कम करके द्रवों के व्यवहार और भौतिक परिवर्तनों का सजीव चित्रण किया गया। दर्शकों ने प्रत्यक्ष देखा कि कैसे कम दबाव में द्रव जल्दी उबलने लगते हैं, गुब्बारे फैल जाते हैं और ध्वनि तरंगें लुप्त होने लगती हैं। इन प्रयोगों के माध्यम से तापमान, अणुगत ऊर्जा और अवस्था परिवर्तन जैसी जटिल वैज्ञानिक अवधारणाओं को सरलता से समझाया गया।

खेल समाचार

ईडन गार्डन्स में भारत और वेस्टइंडीज के बीच होगा वर्चुअल क्वार्टर फाइनल

नई दिल्ली, जेएनएन। वर्ल्ड कप 2026 के ग्रुप1 का सबसे बड़ा मुकाबला रविवार शाम को कोलकाता के ऐतिहासिक ईडन गार्डन्स में खेला जाएगा। भारत और वेस्टइंडीज के बीच होने वाला यह मैच अब एक वर्चुअल क्वार्टर फाइनल बन चुका है, क्योंकि जो भी टीम यह मैच जीतेगी, वह दक्षिण अफ्रीका के साथ सीधे सेमीफाइनल में प्रवेश कर जाएगी। इस महामुकाबले से पहले टीम इंडिया के लिए अच्छी खबर यह है कि ईडन गार्डन्स की पिच बल्लेबाजों के लिए स्वर्ग साबित होने वाली है। ईडन गार्डन्स के स्थानीय क्यूरेटर सुजन मुखर्जी ने पीटीआई से बातचीत में संकेत दिए हैं कि पिच पूरी तरह से बल्लेबाजों के अनुकूल तैयार की गई है। शुक्रवार शाम को पूर्व भारतीय कप्तान और कैब अध्यक्ष सौरव गांगुली ने भी मुख्य क्यूरेटर आशीष भौमिक के साथ पिच का निरीक्षण किया। गांगुली पिच की तैयारी से काफी खुश नजर आए। मुखर्जी ने बताया कि यह एक विशिष्ट ईडन विकेट है जहां भरपूर रन बनेंगे, हालांकि गेंदबाजों के लिए भी इसमें कुछ न कुछ जरूर होगा।

अब गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन की बारी

भारत के बल्लेबाज सही समय पर लय में लौट आए हैं और अब गेंदबाजों की बारी है। जिम्बाब्वे के खिलाफ बाएं हाथ के अर्शदीप सिंह ने अच्छी गेंदबाजी की। बुमराह और हार्दिक पांड्या ने भी शानदार प्रदर्शन किया है, लेकिन स्पिन गेंदबाज वरुण चक्रवर्ती अपने पुराने फॉर्म में नहीं नजर आ रहे हैं। यह रहस्यमयी स्पिनर अपनी लेंथ को सही ढंग से नियंत्रित करने में विफल रहा है और ऐसा लगता है कि वह बहुत ज्यादा प्रयोग कर रहे हैं। चक्रवर्ती के नहीं चल पाने के कारण दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ भारत को नुकसान हुआ।

अभिषेक की फॉर्म में वापसी से मिली राहत

भारत के लिए राहत की बात यह है कि अभिषेक शर्मा फॉर्म में वापस लौट आए हैं। अभिषेक ने टूर्नामेंट के शुरुआती तीन मैच में खाता भी नहीं खोला था, लेकिन जिम्बाब्वे के खिलाफ अर्धशतक लगाकर फॉर्म में वापसी की थी। भारतीय टीम प्रबंधन को उम्मीद होगी कि अभिषेक का बल्ला वेस्टइंडीज के खिलाफ भी चले।

हेड टू हेड

कुल मैच-	30
भारत जीता	19
वेस्टइंडीज जीता	10
रिजल्ट नहीं	01

टी20 वर्ल्ड कप आमने-सामने के आंकड़े

संस्करण	विजेता	जीत का अंतर	स्थान
2009	वेस्टइंडीज	7 विकेट से	लॉर्ड्स लंदन
2010	वेस्टइंडीज	14 रन से	ब्रिजटाउन बारबाडोस
2014	भारत	7 विकेट से	मीरपुर बांग्लादेश
2016	वेस्टइंडीज	7 विकेट से	वानखेड़े मुंबई (सेमीफाइनल)

भारत के पास विंडीज से बदला लेने का मौका

वेस्टइंडीज टीम पर नजर डालें तो उसकी बल्लेबाजी बेहद मजबूत है, लेकिन गेंदबाजी कमजोर है। भारतीय टीम विपक्षी टीम की इसी कमजोरी का फायदा उठाकर सेमीफाइनल में जगह बनाने उतरेगी।

विंडीज के पास हैं पॉवर हिटर्स

बल्लेबाजी पिच भले ही भारत को पसंद आए, लेकिन वेस्टइंडीज की टीम भी इस खबर से गदगद होगी। कैरेबियाई टीम के पास दुनिया के सबसे खतरनाक पावर-हिटर्स हैं जो किसी भी सपाट पिच पर मैच का पासा पलट सकते हैं। इतिहास गवाह है कि 2016 टी20 वर्ल्ड कप के सेमीफाइनल में मुंबई की बल्लेबाजी पिच पर ही वेस्टइंडीज ने 190 से ज्यादा का स्कोर चेज कर भारत को चौंकाया था।

श्रीलंका ने हारकर भी पाक को वर्ल्डकप से किया बाहर

पाल्लेकल, जेएनएन। कप्तान दासुन शनाका (नाबाद 76) की शानदार पारी श्रीलंका को पांच रन की करीबी हार से नहीं बचा सकी लेकिन पाकिस्तान को शनिवार को यहां टी20 विश्व कप से बाहर कर दिया जिससे न्यूजीलैंड ग्रुप दो से शीर्ष पर काबिज इंग्लैंड के साथ सेमीफाइनल में पहुंच गया। श्रीलंका को लक्ष्य का पीछा करते हुए आखिरी ओवर में 24 रन चाहिए थे। श्रीलंकाई कप्तान शनाका ने शाहीन शाह अफरीदी (48 रन देकर एक विकेट) की गेंद पर लगातार तीन छक्के और एक चौका मारे जिससे आखिरी गेंद पर छह रन की जरूरत थी। लेकिन शनाका ने आखिरी गेंद को यह सोचकर छोड़ दिया कि इसे वाइड कहा जाएगा जिसे मैदानी अंपायर ने वाइड करार नहीं दिया। शनाका ने 31 गेंद की नाबाद पारी में आठ छक्के और दो चौके लगाए लेकिन अपनी टीम को जीत नहीं दिला सके। उनके अलावा पवन रत्नायके ने 58 रन की अर्धशतकीय पारी खेलीं।

36 रन पर पाक ने गंवाए आठ विकेट

16वें ओवर में पाकिस्तान ने बिना विकेट गंवाए 176 रन बना लिए थे लेकिन टीम ने आखिरी चार ओवर में 36 रन पर आठ विकेट गंवा दिए। पाकिस्तान अगले दौर में पहुंचने के लिए श्रीलंका को कम से कम 64 रन या उससे ज्यादा रन से जीत दर्ज करनी थी, लेकिन अबरार अहमद के चार ओवर में 23 रन देकर तीन विकेट के शानदार स्पैल के अलावा कोई अन्य गेंदबाज अच्छा प्रदर्शन नहीं कर सका।

टीम इंडिया को साख बचाने को चुनौतियों से पार पाना जरूरी

महिला क्रिकेट

नई दिल्ली, जेएनएन। भारतीय टीम पहले दोनों मैच में चुनौतीपूर्ण स्कोर बनाने में नाकाम रही और ऑस्ट्रेलिया ने बिना किसी परेशानी के लक्ष्य हासिल करके श्रृंखला में 2-0 से अजेय बढ़त बनाई। हरमनप्रीत कौर की अगुवाई वाली भारतीय टीम को अगर क्लीन स्वीप से बचना है तो उसके बल्लेबाजों को अपने खेल में आमूलचूल सुधार करना होगा। पहले दो मैचों में बुरी तरह हारने के बाद बैकफुट पर खड़ी मौजूदा विश्व चैंपियन भारतीय टीम को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ रविवार को होबार्ट में होने वाले तीसरे और अंतिम महिला एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में साख बचानी होगी। भारतीय महिला टीम को अगर जीत हासिल करके अपनी प्रतिष्ठा कुछ हद तक बचानी है तो उसको अपनी बल्लेबाजी की कमजोरियों को दूर करना होगा। भारतीय टीम पहले दोनों मैच में चुनौतीपूर्ण स्कोर बनाने में नाकाम रही और ऑस्ट्रेलिया ने बिना किसी परेशानी के लक्ष्य हासिल करके श्रृंखला में 2-0 से अजेय बढ़त बनाई। यह लगातार 12वां अवसर है जबकि भारतीय महिला टीम ने ऑस्ट्रेलिया से वनडे श्रृंखला गंवाई।

जम्मू-कश्मीर 67 साल बाद बना रणजी चैंपियन

हुबली, जेएनएन। रणजी ट्रॉफी फाइनल के पांचवें दिन जम्मू-कश्मीर ने अपनी दूसरी पारी 342/4 के स्कोर पर घोषित की, जिसमें कामरान इकबाल (160) और साहिल लोतरा (101) ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए अपने-अपने शतक पूरे किए। दोपहर लगभग 2.10 बजे कप्तान पारस डोगरा द्वारा पारी घोषित किए जाने के बाद दोनों कप्तानों ने हाथ मिलाया और मैच ड्रॉ पर समाप्त हुआ। चूंकि जम्मू-कश्मीर ने पहली पारी में 291 रनों की विशाल बढ़त हासिल की थी, इसलिए उन्हें विजेता घोषित किया गया और इस तरह उन्होंने 67 वर्षों के इतिहास में अपना पहला रणजी खिताब जीतकर नया इतिहास रचा। इस मैच में जम्मू एंड कश्मीर के लिए 121 रनों की पारी शुभम पुंडीर ने खेली थी, जबकि 88 रन यावर हसन ने बनाए थे। 72 रन साहिल लोत्रा ने और 70-70 रनों की

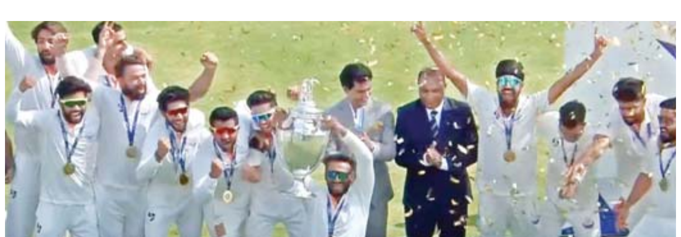

पारी कप्तान पारस डोगरा और कन्हैया वधवान ने खेली थी। 61 रन अब्दुल समद ने भी बनाए थे। प्रसिद्ध कृष्ण को पांच विकेट मिले थे। कर्नाटक के लिए 160 रनों की पारी मयंक अग्रवाल ने खेली। उनके अलावा कोई अर्धशतक भी नहीं जड़ सका। आकिब नबी डार ने 5 विकेट निकाले। दूसरी पारी में कामरान इकबाल ने शतक पूरा कर लिया है। मैच ड्रॉ पर समाप्त हुआ।

सीएम अब्दुल्ला ने दो करोड़ के नकद पुरस्कार की घोषणा की

मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने जम्मू-कश्मीर क्रिकेट टीम की ऐतिहासिक रणजी ट्रॉफी जीत पर खिलाड़ियों और सहयोगी स्टाफ के लिए दो करोड़ रुपये की नकद पुरस्कार राशि की घोषणा की। मुख्यमंत्री ने इसे जम्मू-कश्मीर क्रिकेट के लिए बड़ी उपलब्धि करार देते हुए कहा कि इस उपलब्धि ने पूरे क्षेत्र को गर्व और प्रेरणा से भर दिया है।

दक्षिण अफ्रीका पर जीत की चाह लिए मैदान में उतरेगा जिम्बाब्वे

नयी दिल्ली, जेएनएन। सेमीफाइनल की दौड़ से बाहर हो जाने के बावजूद जोश से भरी जिम्बाब्वे की टीम को अगर टी20 विश्व कप में अपने अभियान का शानदार अंत करना है तो उसे बेहतरीन फॉर्म में चल रहे दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ रविवार को यहां होने वाले सुपर आठ के मैच में अपनी गेंदबाजी की कमजोरियों को दूर करना होगा। जिम्बाब्वे ने लीग चरण में अपने ग्रुप में शीर्ष पर रहकर सुपर आठ में जगह बनाई थी लेकिन इस चरण में उसे वेस्टइंडीज और भारत के हाथों करारी हार का सामना करना पड़ा। इसके बावजूद सिकंदर रजा की अगुवाई वाली यह टीम दक्षिण अफ्रीका को कड़ी टक्कर देने के लिए प्रतिबद्ध होगी। आईसीसी के इस टूर्नामेंट में दक्षिण अफ्रीका को हराना मुश्किल है और अगर जिम्बाब्वे को उसे चुनौती देनी है तो उसके गेंदबाजों को अच्छा प्रदर्शन करना होगा जिन्होंने वेस्टइंडीज और भारत के खिलाफ पिछले दो मैच में 250 से अधिक रन लुटाए। रजा को पता है कि वे बड़ी टीमों से तभी मुकाबला कर सकते हैं जब वे तीनों विभागों में अच्छा प्रदर्शन करें। रजा ने कहा, "विश्व कप में सर्वश्रेष्ठ टीमों के खिलाफ आपको अपने तीनों विभागों में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा।

प्रेमिका के जीजा के घर पहुंचे युवक ने खुद को गोली मारी

बैतूल से 350 किमी स्कूटी से चलकर गर्लफ्रेंड से मिलने उज्जैन पहुंचा था

जागरण, उज्जैन। प्रदेश के बैतूल जिले के सारणी में रहने वाले एक युवक से उसकी प्रेमिका ने बात करना बंद किया तो वह तनाव में आ गया। शनिवार को युवक बैतूल से स्कूटी पर 350 किलोमीटर की दूरी तय कर उज्जैन की बंगाली कॉलोनी में प्रेमिका के जीजा के घर पहुंचा। युवक ने यहां खुद के सीने में गोली मारकर आत्महत्या कर ली। घटना के बाद इलाके में सनसनी मच गई। पुलिस के मुताबिक, मृतक की पहचान निखिल के रूप में हुई है, जो बैतूल जिले के सारणी का रहने वाला था। वह शाम करीब 6 बजे एक्टिवा से महिला मित्र से मिलने उसके जीजा के घर पहुंचा था। घर में उस समय युवती, उसकी बड़ी बहन और बच्चा मौजूद थे। युवक घर के अंदर घुसा और युवती की बहन व बच्चे को एक कमरे में बंद कर

दिया। युवती से बातचीत के दौरान ही उसने घर के अहाते में खुद को गोली मार ली। गोली की आवाज सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और पुलिस को सूचना दी। युवक को तत्काल अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने घटनास्थल से हथियार जब्त कर लिया है और शव को पीएम के लिए भेजा है। फिलहाल पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि युवक के पास हथियार कैसे पहुंचा और घटना के पीछे की वजह क्या थी।

वापस जाने को कहा तो आहते में जाकर मारी गोली

वारदात बंगाली कॉलोनी में विनय गायनी के घर की है। विनय की पत्नी ने पुलिस को बताया कि निखिल घर में घुसते ही कहने लगा कि आपकी बहन मुझसे बात नहीं कर रही, उससे कहो मुझसे बात करे। इस पर लड़की ने अपनी बहन से निखिल को वापस भेजने के लिए कहा। इसके कुछ ही देर बाद निखिल घर के अहाते में गया और खुद को गोली मार ली।

पति की हत्या की आरोपी महिला कैदी ने कांच की चूड़ियां पीसकर खाईं

बैतूल जेल का मामला, इलाज के लिए भोपाल किया रेफर

जागरण, बैतूल। प्रदेश के बैतूल जेल में बंद एक महिला कैदी ने शनिवार को बैरक में आत्महत्या करने के इरादे से कांच की चूड़ियां पीसकर खा लीं। महिला कैदी की तबीयत बिगड़ी तो जेल में हड़कंप मच गया और उसे तुरंत जिला अस्पताल ले गए। हालत गंभीर होने पर महिला कैदी को भोपाल रेफर किया है।

महिला कैदी अपने पति की हत्या के आरोप में जेल में बंद है। जानकारी अनुसार बैतूल जेल में विचाराधीन कैदी पूनम उइके (21 वर्ष) ने शनिवार को बैरक में कांच की चूड़ियां पीसकर खा लीं। घटना के वक्त बैरक में और भी महिला कैदी मौजूद थीं लेकिन किसी को कुछ खबर नहीं लगी। चूड़ियां खाने के कुछ देर बाद महिला की तबीयत बिगड़ गई और वह दर्द से कराहने लगी, जिससे हड़कंप मच गया।जेल प्रहरियों ने तुरंत जेलर को सूचना दी और फिर जेल प्रशासन तुरंत महिला कैदी पूनम उइके को जिला अस्पताल लेकर पहुंचा। अस्पताल में जांच में पता चला है कि महिला कैदी के गले के अंदरूनी हिस्से में कांच के टुकड़ों के कारण गहरे जख्म हुए हैं। बेहतर इलाज के लिए महिला कैदी को भोपाल रेफर किया है।

जेल के अंदर चूड़ियां, सुरक्षा को लेकर सवाल

इस घटना के बाद एक बार फिर जेल की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सवाल उठ रहे हैं। नियमों के तहत जेल में किसी भी कैदी के प्रवेश के पहले ही उसके कड़े, धागे, कलावा और चूड़ियां उतरवा ली जाती हैं। ऐसे में सवाल उठ रहा है कि पूनम तक कांच की चूड़ियां कैसे पहुंची?

शिवपुरी में जेल से फरार आरोपी को छह घंटे में दबोचा

जागरण, शिवपुरी। जिले के थाना पोहरी क्षेत्र की उपजेल से फरार बलात्कार के आरोपी को पुलिस ने महज 6 घंटे के भीतर गिरफ्तार कर पुनः जेल भेज दिया। इस त्वरित कार्रवाई से पुलिस की मुस्तैदी और अपराधियों के प्रति जीरो टॉलरेंस नीति का स्पष्ट संदेश गया है। थाना पोहरी को उपजेल पोहरी से सूचना प्राप्त हुई थी कि कैदी बादाम सिंह शाक्य न्यायिक अभिरक्षा से फरार हो गया है। मामले की गंभीरता को देखते हुए एसपी अमन सिंह राठौड़ ने तत्काल अनुभाग पोहरी के सभी थाना प्रभारियों व पुलिस बल को अलर्ट कर आरोपी की शीघ्र गिरफ्तारी के निर्देश दिए। एएसपी संजीव मुले एवं एसडीओपी पोहरी आनंद राय के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी पोहरी निरीक्षक नरेन्द्र कुशवाह ने त्वरित रणनीति बनाते हुए अलग-अलग टीमें गठित कीं। मुखबिर तंत्र को सक्रिय कर संभावित ठिकानों पर सघन दबिश दी गई। लगातार सर्च ऑपरेशन के दौरान मुखबिर से मिली पुख्ता सूचना पर आरोपी बादाम सिंह को ग्राम परिच्छा बमरा के खेत से पकड़ लिया।

रतलाम में दो तस्करों से 2.46 करोड़ की हेरोइन व गाड़ी जब्त

जागरण, नीमच। केंद्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो (सीबीएन) की टीम ने रतलाम जिले के बिलपांक टोल प्लाजा पर दबिश देकर 352 किलोग्राम अवैध हेरोइन (ब्राउन शुगर) बरामद की है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में इसकी अनुमानित कीमत 2 करोड़ 46 लाख रुपए बताई जा रही है। यह कार्रवाई डिप्टी नारकोटिक्स कमिश्नर के निर्देशन में की गई। इस दौरान दो तस्करों को मौके से गिरफ्तार किया गया, जबकि तस्करी में प्रयुक्त एक काले रंग की गाड़ी भी जब्त की गई है। विशेष खुफिया सूचना के आधार पर टीम ने मंदसौर से इंदौर की ओर जा रहे संदिग्ध वाहन पर निगरानी रखी। रतलाम जिले के नीमच-मऊ हाईवे स्थित बिलपांक टोल प्लाजा पर चेकिंग के दौरान टीम ने गुजरात नंबर की एक थार को रोककर तलाशी ली। तलाशी में कार

से पॉलिथीन में छिपाकर रखी गई 352 ग्राम ब्राउन शुगर बरामद हुई। इसके बाद दोनों आरोपियों को वहीं हिरासत में लेकर वाहन और मादक पदार्थ जब्त कर लिया गया। सीबीएन ने दोनों आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर लिया है। टीम अब यह पता लगाने में जुटी है कि ब्राउन शुगर किससे खरीदी गई थी? इसे किसे सप्लाई किया जाना था? तस्करी के नेटवर्क में और कौन-कौन लोग शामिल हैं? अधिकारियों का कहना है कि इस मामले में तस्करी से जुड़े अन्य लोगों की भी तलाश की जा रही है।

मध्यप्रदेश राज्य वन विकास निगम लि., भोपाल
Please visit our Website : www.mpsfdc.com, Phone : RGM Bhopal - 0755-2674298, CIN : U02001 MP 1975 SGC 001341

सर्वसाधारण के सूचनार्थ वनोपज परिवहन सूचना 2025-26

म.प्र. राज्य वन विकास निगम के विदिशा-रायसेन, भोपाल एवं रामपुर-भतौड़ी, बैतूल परियोजना मंडल के परिवहन समूहों से काष्ठ एवं जलाऊ चट्टे के विभिन्न स्थाई काष्ठागारों/अस्थाई काष्ठागारों में/ट्रक/ट्रेक्टर से परिवहन हेतु, प्रत्येक समूह के लिये, निर्धारित फार्म में पृथक-पृथक सीलबंद एकल दिवस निविदा निम्नानुसार आमंत्रित है:-

निविदाओं का दौर	निविदा जमा करने की तिथि/समय		संबंधित क्षेत्रीय महाप्रबंधक कार्यालय में खोलने की तिथि/समय
	संभागीय प्रबंधक कार्यालय में	क्षेत्रीय महाप्रबंधक कार्यालय में	
षष्ठम	दिनांक 06.03.2026 4 बजे सायं तक	दिनांक 07.03.2026 2 बजे दोपहर तक	दिनांक 07.03.2026 3 बजे दोपहर

नोट :- (1) सत्यंकार राशि के रूप में राशि रु. 3000/- (रु. तीन हजार) का बैंक ड्राफ्ट जो किसी अनुसूचित बैंक द्वारा जारी किया गया हो, एवं संभागीय प्रबंधक के पक्ष में उनके मुख्यालय की स्थानीय बैंक में देय हो। (2) निर्धारित फार्म संबंधित संभागीय प्रबंधक कार्यालय में रु. 100/- जमा करने पर दिनांक 04.03.2026 से किसी भी कार्यालयीन दिवस एवं समय में प्राप्त किये जा सकते हैं। (3) विस्तृत निविदा जिन शर्तों के तहत मान्य होगी उनका उल्लेख निविदा फार्म में है और उन शर्तों की पूर्ति न किये जाने की स्थिति में निविदा स्वीकार नहीं किये जाने का अधिकार संबंधित संभागीय प्रबंधक को होगा। (4) वनोपज की परिवहन अवधि 31 मई, 2026 तक रहेगी एवं ठेका अवधि 30 जून, 2026 तक रहेगी। (5) दिनांक 07.03.2026 को षष्ठम दौर निविदा के खुलने के पश्चात् उसी दिन अवशेष समूहों का नीलाम द्वारा निर्वतन किया जावेगा।

म.प्र.माध्यम/124659/2026 **प्रबंध संचालक**

दमोह में 9 माह की मासूम से पड़ोसी ने की दरिंदगी

जागरण, दमोह। प्रदेश में दमोह जिले के नोहटा थाना इलाके के अंतर्गत आने वाले एक गांव से शर्मसार करने वाली घटना सामने आई है। घर के पास रहने वाला एक व्यक्ति मासूम को खिलाने के बहाने अपने घर ले गया। आरोपी ने यहां मासूम के साथ दरिंदगी की। घटना के बाद परिजन बच्ची को गंभीर हालत में जिला अस्पताल लेकर पहुंचे। अस्पताल में चिकित्सकों ने बच्ची का इलाज शुरू कर दिया है। फिलहाल, उसकी हालत नाजुक है।

जिला अस्पताल के सिविल सर्जन डॉक्टर प्रहलाद पटेल, डॉक्टर सीमा के अलावा और भी डॉक्टर टीम बच्ची के इलाज में लगे हुए हैं। परिजनों के मुताबिक आरोपी पड़ोसी बच्ची को खिलाने की बात कहकर अपने साथ ले गया था, लेकिन कुछ देर बाद जब बच्ची की हालत बिगड़ी तो पूरा मामला सामने आया। सूचना के बाद पुलिस के वरिष्ठ अफसर अस्पताल पहुंचे और बच्ची की हालत की जानकारी ली।

अधिकारियों की मौजूदगी में बच्ची का मेडिकल परीक्षण कराया, जिसमें दुष्कर्म की पुष्टि होने के बाद पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। घटना से पूरे इलाके में आक्रोश का माहौल है। ग्रामीणों ने आरोपी के खिलाफ कड़ी से कड़ी कार्रवाई की मांग की है। एसपी श्रुतकीर्ति सोमवंशी ने बताया कि 9 माह की बच्ची से रेप की वारदात सामने आई है। परिजन की सहायता से बच्ची को अस्पताल में भर्ती करा दिया है। फरार आरोपी की तलाश के लिये टीमें गठित कर उसे गिरफ्तार कर लिया है।

उज्जैन में लड्डू में निकला नाखून रेस्टोरेंट का लाइसेंस निरस्त

जागरण, उज्जैन। शहर के साईं दरबार रेस्टोरेंट में परोसे गए लड्डू में नाखून मिला। एक महिला ग्राहक ने इसका वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया, जिसके बाद फूड डिपार्टमेंट की टीम ने रेस्टोरेंट पर रेड मारी। सर्च के बाद रेस्टोरेंट का लाइसेंस सस्पेंड कर दिया। रेस्टोरेंट संचालक संजय राका का कहना है कि सब साजिश के तहत बदनाम करने के लिए वीडियो बनाकर वायरल किया है। पूरा खाना खाने के बाद आखिरी में महिला ने नाखून निकलने का आरोप लगाया है। हालांकि वीडियो में रेस्टोरेंट का एक कर्मचारी यह बताते हुए दिख रहा है कि नाखून आटा गूंथते समय गिर गया होगा।

एसवी क्रिएशन ने 6 मार्च को पूरे भारत में रिलीज की घोषणा की- मिशन सी1000 हिंदू आतंकवाद

एसवी क्रिएशन गर्व के साथ प्रस्तुत करता है मिशन सी1000 हिंदू आतंकवाद एक हाई-ऑक्टेन एक्शन थ्रिलर, जिसका निर्देशन और मुख्य भूमिका तेजेश्वर ने किया है। यह फिल्म पूरे भारत में 6 मार्च को तेलुगु, हिंदी और कई अन्य भाषाओं में प्रदर्शित की जाएगी, और देशभर के दर्शकों को एक रोमांचक सिनेमाई अनुभव देने का वादा करती है। देशभक्ति, विज्ञान और एक्शन से भरपूर कहानी के मिश्रण के साथ, 'मिशन सी1000' की कहानी राम (तेजेश्वर) के इर्द-गिर्द घूमती है। जब हीरोइन के पिता द्वारा विकसित एक अत्याधुनिक वैज्ञानिक सूत्र खतरनाक आतंकवादी समूह के निशाने पर आता है, राम को इस नवाचार की सुरक्षा करने और भारत की छवि को नुकसान पहुँचाने वाली वैश्विक साजिश को रोकने का काम सौंपा जाता है। कहानी के साथ-साथ यह फिल्म राष्ट्रीय अखंडता, सांस्कृतिक जागरूकता और युवा सशक्तिकरण जैसे विषयों की पड़ताल करती है। रोमांचक एक्शन सीक्वेंस और भावनात्मक गहराई के माध्यम से, राम धैर्य और साहस का प्रतीक बनकर युवाओं को अपनी विरासत, एकता और राष्ट्र के प्रति जिम्मेदारी की अहमियत समझाता है। फिल्म में एक जबरदस्त कलाकारों की टीम है, जिसमें प्रज्ञा नयन, कबीर दुहान सिंह, संजय पांडेय, जया प्रकाश, अनीश कुरुवेला, सुद्धा शामिल हैं, और काली चरण महाराज का विशेष प्रदर्शन भी है।

फिल्म की सिनेमैटोग्राफी भारत के प्राकृतिक दृश्य और सांस्कृतिक जीवंतता को जीवंत रूप में प्रस्तुत करती है, जबकि बैकग्राउंड स्कोर और एक्शन कोरियोग्राफी फिल्म की भावनात्मक और नाटकीय गहराई को बढ़ाती है। अत्याधुनिक वीएफएक्स और इमर्सिव 7.1 एटमॉस साउंड डिजाइन के साथ, मिशन सी1000 दर्शकों को एक दृश्यात्मक और तकनीकी रूप से समृद्ध थिएटर अनुभव देने का लक्ष्य रखती है। अपनी प्रेरक कहानी, दमदार अभिनय और सोचने पर मजबूर करने वाले विषयों के साथ, 'मिशन सी1000 हिंदू आतंकवाद' इस वर्ष की सबसे चर्चित रिलीज़ में से एक बनने का दावा करती है।

6 मार्च को अपने कैलेंडर में निशान लगाएँ और बड़े पर्दे पर इस मिशन का रोमांच देखें। पी एंड जी शिक्षा मंडीदीप ने 1989 में मध्य प्रदेश में अपने अत्याधुनिक विनिर्माण संयंत्र की स्थापना के बाद शिक्षा क्षेत्र में भी महत्वपूर्ण योगदान दिया है। 2005 से यह पहल देशभर के हजारों विद्यालयों और समुदायों के साथ मिलकर वंचित क्षेत्रों के 1 करोड़ से अधिक बच्चों के जीवन पर सकारात्मक प्रभाव डाल रही है। यह कार्यक्रम रोकथाम और सुधारात्मक उपायों पर केंद्रित है। सुधारात्मक पहल में Educational Initiatives के सहयोग से Mindspark जैसे कंप्यूटर-आधारित अनुकूलनशील शिक्षण उपकरण शामिल हैं, जबकि प्राथमिक शिक्षा के माध्यम से बच्चों में भाषा, संज्ञानात्मक, सामाजिक-भावनात्मक और रचनात्मक कौशल विकसित किए जाते हैं। इस पहल ने बच्चों के आत्मविश्वास और सीखने की क्षमताओं को मजबूत किया है। भारत में प्रारंभिक पहचान, लक्षित सुधारात्मक हस्तक्षेप और निरंतर सहयोग से सीखने की कमियों को दूर करना आज और भी महत्वपूर्ण है। इसके प्रभाव की कहानियाँ बच्चों की वास्तविक शिक्षा यात्रा को उजागर करती हैं। *फीचर इम्पैक्ट*

तकनीकी उत्कृष्टता के साथ फिल्म निम्नलिखित है

■ **निर्माता:** किरणमयी, विराट × शौर्य ■ **कहानी, पटकथा, संवाद और निर्देशन:** तेजेश्वर ■ **बैनर:** एसवी क्रिएशन (टॉलीवुड) ■ **फोटोग्राफी निदेशक:** महेन्दर एस. ■ **संगीत:** श्रीधर अथरेया ■ **संपादन:** मार्थंड के. वेंकटेश (अन्नपूर्णा स्टूडियोज़) ■ **कोरियोग्राफी:** गणेश स्वामी ■ **फाइट्स:** स्टंट जोशुआ ■ **7.1 एटमॉस साउंड:** कृष्ण (रामानायडू स्टूडियोज़) सरदी स्टूडियोज़ ■ **वीएफएक्स प्रमुख:** अनंत इय्युन्नी ■ **साउंड इफेक्ट्स:** जे. आर. एथिराज (रामानायडू स्टूडियोज़) ■ **गायन:** वैशाली माजगे, पामेला जैन, विजय प्रकाश, श्रीकांत सांड्रगु ■ **कार्यकारी निर्माता:** डॉ. एलसगराम प्रभाकर, वी. रामू, गांडीकोटा श्रीनिवास ■ **सह-निर्माता:** टी. ईश्वर × टी. उमा महिंद्रा ■ **मार्केटिंग और प्रमोशन:** रुचिका गुप्ता, मीडिया फोर्थ

उत्तर मध्य रेलवे

ई-निविदा सूचना सं. 2026-फरवरी-03 दिनांक : 27.02.2026

ई-निविदा सूचना

मंडल रेल प्रबन्धक/इंजीनियरिंग/उत्तर मध्य रेल आगरा द्वारा भारत के राष्ट्रपति के लिये एवं उनकी ओर से नीचे दिये गये कार्यों के लिये "खुली निविदा" ई-टेण्डरिंग केवल ऑनलाइन के माध्यम से आमंत्रित की जाती है।

क्र.सं.	निविदा सं.	अनुमानित लागत (₹)
1	2026-फरवरी-03-01	₹ 35695432.74
कार्य का विवरण: ईदगाह - बाँदीकुई एवं ईदगाह-बयाना खंड में विभिन्न समपार फाटकों पर मानक आरडीएसओ ड्राइंग के अनुसार ऊंचाई गेज (कुल 50 संख्या) का प्रावधान।		
2	2026-फरवरी-03-02	₹ 41122404.20
कार्य का विवरण: वरि. मंडल इंजीनियर द्वितीय, आगरा के अन्तर्गत वरि. खंड इंजीनियर/रेलपथ के अन्तर्गत हर गैंग/यूनिट के लिए रेस्ट रूम के साथ टूलबॉक्स का प्रावधान।		
3	2026-फरवरी-03-03	₹ 1210838.52
कार्य का विवरण: ईदगाह-बॉदीकुई खंड में विभिन्न स्टेशनों हेलक, पपरेरा, इकरन, खेड़ली और मंडावर महवा रोड पर 01 वर्ष की अवधि के लिए पीने योग्य पानी की आपूर्ति।		
4	2026-फरवरी-03-04	₹ 80302682.80
कार्य का विवरण: ईदगाह-बयाना खंड में विभिन्न स्टेशनों पर नए टाइप-II (12 यूनिट), टाइप-III (08 यूनिट) और टाइप-IV (12 यूनिट) रेलवे आवासों का निर्माण कार्य।		
5	2026-फरवरी-03-05	₹ 7257040.60
कार्य का विवरण: आगरा मंडल में 43 पोर्टर हट का प्रावधान।		
6	2026-फरवरी-03-06	₹ 15106033.42
कार्य का विवरण: (अ) सहायक मंडल इंजीनियर प्रथम, मथुरा के अधिकार क्षेत्र में कोसीकलां - पलवल खंड में रेलवे कॉलोनी में रेलवे आवासों की मरम्मत का कार्य। (ब) सहायक मंडल इंजीनियर द्वितीय, मथुरा के अधिकार क्षेत्र में मथुरा-अलवर खंड में बेडम स्टेशन बिल्डिंग की छत बदलने एवं मरम्मत का कार्य।		
7	2026-फरवरी-03-07	₹ 25287642.02
कार्य का विवरण: मथुरा - अलवर एवं मथुरा-पलवल खंड में विभिन्न समपार फाटकों पर मानक आरडीएसओ ड्राइंग के अनुसार ऊंचाई गेज (कुल 35 संख्या) का प्रावधान।		
8	2026-फरवरी-03-08	₹ 41250539.10
कार्य का विवरण: वरि. मंडल इंजीनियर प्रथम, आगरा के अन्तर्गत वरि. खंड इंजीनियर/रेलपथ के अन्तर्गत हर गैंग/यनिट के लिए रेस्ट रूम के साथ टूलबॉक्स का प्रावधान।		

निविदा को प्रस्तुत करने एवं निविदा के बारे में पूरी जानकारी के लिए भारतीय रेल की बेवसाइट **www.ireps.gov.in** पर देखें। निविदायें केवल बेव पोर्टल **www.ireps.gov.in** के माध्यम से दिनांक **20.03.2026** को 15:00 बजे तक प्रस्तुत की जा सकती हैं। **468/26(DG)**

North central railways @CPRONCR www.ncr.indianrailways.gov.in

उत्तर मध्य रेलवे

ई-टेन्डरिंग निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से एवं उनके लिये **मण्डल रेल प्रबन्धक/कार्य/झाँसी** निम्नलिखित कार्य हेतु ऑनलाईन (ई-टेन्डरिंग) के माध्यम से खुली निविदा आमंत्रित करते है।

ई-निविदा सूचना संख्या: झाँसी-इन्जी.-सी-2026-37

कार्य का नाम: कोंचः प्रोविजन ऑफ़ 2.8 किमी. आरसीसी बाउंड्री वाल अलोंग दी ट्रैक ऑन एप्रोच ऑफ़ कोंच स्टेशन अंडर एडीईएन/कानपुर सब डिवीज़न।

अनुमानित लागत	अमानत राशि	निविदा बन्द होने की तिथि
₹ 24861363.22	₹ 274300.00	30.03.2026 at 15.00 hrs.

स्वीकृत पत्र जारी होने के समय से कार्य समापन/अवधि की तिथि: 12 माह।

ई-निविदा सूचना संख्या: झाँसी-इन्जी.-सी-2026-39

कार्य का नाम: भीमसेनः प्रोविजन ऑफ़ 2.4 किमी. आरसीसी बाउंड्री वाल अलौंग दी ट्रैक ऑन एप्रोच ऑफ़ भीमसेन स्टेशन अंडर एडीईएन/कानपुर सब डिवीज़न।

अनुमानित लागत	अमानत राशि	निविदा बन्द होने की तिथि
₹ 24347845.18	₹ 271700.00	30.03.2026 at 15.00 hrs.

स्वीकृत पत्र जारी होने के समय से कार्य समापन/अवधि की तिथि: 12 माह

• निविदा दिनांक **30.03.2026** को बजे तक ऑन लाईन जमा कर सकेंगे।
• पूर्ण विवरण एवं निविदा को प्रस्तुति करने के लिए भारतीय रेल के वेब साइट **www.ireps.gov.in** पर देखें। **457/26 FA**

North central railways @CPRONCR www.ncr.indianrailways.gov.in

OFFICE OF THE PRINCIPAL DISTRICT & SESSION JUDGE, Betul

NOTICE INVITING TENDER

No. 03 /II-12-5/2025 Betul, Date- /02/2026

Sealed tenders are invited from Reputed/Authorized Vendors/ Agencies for Mechanized Cleaning Services, Maintenance of Garden, Taluka Court Building, Amla District Betul Madhya Pradesh. The last date of tender submission is **28/03/2026 at 5:00 PM.** The tender shall be opened on **30/03/2026 at 05:00 P.M.** at District Court Betul. The detailed tender document along with terms and conditions is available on the official website of the High Court i.e. www.mphc.gov.in and District Court Betul betul.dcourts.gov in/notice-category/tenders & Government Tender portal www.mptenders.gov.in.

PRINCIPAL DISTRICT & SESSIONS JUDGE
Betul (M.P.)

जी-26589/25

पॉक्सो है सुरक्षा का हथियार, बच्चों पर न करें अत्याचार

बिजनेस प्लस

आईईएस यूनिवर्सिटी के फार्मेसी विभाग द्वारा साइंस डे पर हुआ आयोजन

भोपाल। आईईएस यूनिवर्सिटी के आईईएस इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मेसी द्वारा साइंस डे पर वीमेन इन साइंस- काटलीसिंग विकसित भारत थीम पर दो दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन आईईएस कॅम्पस में किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ श्री देवांश सिंह, सीईओ, आईईएस यूनिवर्सिटी, पूर्व प्रोफेसर डॉ अनिल प्रकाश, माइक्रोबायोलॉजी विभाग बीयू और प्रोफेसर विनय कुमार श्रीवास्तव, पूर्व प्रमुख जीवन विज्ञान संकाय और डीन बायो साइंस बीयू के संबोधन एवं दीप प्रच्वलन के साथ किया गया साथ ही प्रोफेसर डॉ अश्विनी मिश्रा, एनएमआईएमएस, प्रोफेसर डॉ आशीष बाल्दी, पंजाब टेक्निकल यूनिवर्सिटी , डॉ श्वेता, एस वी पॉलिटेक्निक कॉलेज आदि मौजूद रहे। एक्सपर्ट्स ने छात्रों को फार्मा में एआई के वास्तविक औद्योगिक अनुभव और वास्तविक दुनिया के अनुप्रयोगों को साझा किया। छात्रों को विकसित फार्मा उद्योग के साथ करियर योजनाओं को संरेखित करने के लिए प्रोत्साहित किया। दो दिवसीय कार्यक्रम में छात्रों के लिए साइंटिस्ट रंगोली, पावर प्वाइंट प्रेजेंटेशन एवं पोस्टर प्रेजेंटेशन जैसी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

उत्तर मध्य रेलवे

ई-टेन्डरिंग निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से एवं उनके लिये मण्डल रेल प्रबंधक /कार्य/ झाँसी निम्नलिखित कार्य हेतु आनलाईन (ई- टेन्डरिंग) के माध्यम से खुली निविदा आमंत्रित करते है।

ई- निविदा सूचना संख्या : झाँसी-इन्जी0-सी- 2026-36

कार्य का नाम : पुखरायाँ: प्रोविजन ऑफ़ 3.6 किमी. आरसीसी बाउंड्री वाल अलोंग दी ट्रैक ऑन एप्रोच ऑफ़ पुखरायाँ स्टेशन अंडर एडीईएन/ कानपुर सब डिवीजन।

अनुमानित लागत रू.: 31954933.62 | **अमानत राशि** : 309800.00

स्वीकृत पत्र जारी होने के समय से कार्य समापन/अवधि की तिथि : 12 माह

निविदा बन्द होने की तिथि : 27/03/2026 at 15:00 hrs.

ई- निविदा सूचना संख्या : झाँसी-इन्जी0-सी- 2026-38

कार्य का नाम : उरईः प्रोविजन ऑफ़ 4.0 किमी. आरसीसी बाउंड्री वाल अलोंग दी ट्रैक ऑन एप्रोच ऑफ़ उरई स्टेशन अंडर एडीईएन /कानपुर सब डिवीजन।

अनुमानित लागत रू.: 35330731.43 | **अमानत राशि** : 326700.00

स्वीकृत पत्र जारी होने के समय से कार्य समापन/अवधि की तिथि : 12 माह

निविदा बन्द होने की तिथि : 27/03/2026 at 15:00 hrs.

• निविदा दिनांक **27/03/2026** को **15:00 बजे** तक आन लाईन जमा कर सकेंगे।
• पूर्ण विवरण एवं निविदा को प्रस्तुति करने के लिए भारतीय रेल के वेब साइट www.ireps.gov.in पर देखें। **456/26 (D)**

North central railways @ CPRONCR www.ncr.indianrailways.gov.in

उत्तर मध्य रेलवे

पत्र सं.- No. JHS/Commercial/e-Auction/26 दिनांक- 25.02.2026

ई-नीलामी सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से **मण्डल रेल प्रबन्धक (वाणिज्य)-झाँसी** द्वारा निम्न दी गयी श्रेणियों के अनुसार ई-नीलामी आमंत्रित की जाती है:-

श्रेणी: प्रचार | **केटलॉग संख्या:** JHS-NFR-MIX-44

एसेट्स डिटेल्स: **E-Auction** के माध्यम से मिस्लेनियस स्टेटिक पालिसी के तहत निम्न रेलवे स्टेशनों पर ठेको का आवंटनः- **1.** Display of commercial publicity at publicity area situated outside of **DABRA** railway station under OOH policy. **2.** Advertisement right through NON-DIGITAL media inside **DABRA** & on the rooftop of the running room situated behind the YATRI SHED at **VGLJ** railway station under RDN policy. **3.** Allotment of contact for operation and management of CLOAK room at **GWALIOR** railway station. **4.** Provision for installment of drinks vending machines at **TALBEHAT** railway station. **5.** Contract for milti-functional complex (MFC) in railway land behind lalu boot sipari bazar near goods shed Jhansi. **6.** Contract for installation, maintenance, operation and management of Premium Stall at baba dham near chitra chauraha JHANSI.

ई-नीलामी प्रारम्भ की तिथि व समय: दिनांक **16.03.2026** को समय- **11.00** से

ई-नीलामी समाप्त की तिथि व समय: दिनांक **16.03.2026** को समय- **12.30** तक

नोट:- उक्त ठेकों के आवंटन हेतु नीलामी केवल ऑनलाइन वेबसाइट- **www.ireps.gov.in** के **E-Auction Module** के माध्यम से की जायेगी। लॉट अनुसार विवरण उपर्युक्त केटलॉग संख्या के अंतर्गत उपलब्ध है। **473/25 FA**

North central railways @CPRONCR www.ncr.indianrailways.gov.in

लोकायुक्त कार्यालय मध्यप्रदेश
लोकायुक्त भवन
भोपाल

क्रमांक/2521/स्टोर/2026 भोपाल, दिनांक 25/2/26

-:: वार्षिक रख-रखाव कार्य (AMC) एवं दर अनुबंध (Rate Contract) संबंधी

ई-निविदा सूचना ::-

लोकायुक्त संगठन, म.प्र., भोपाल के एफ ब्लॉक पुराना सचिवालय स्थित मुख्यालय कार्यालय के कम्प्यूटर्स, लेपटॉप, प्रिंटर्स, यू.पी.एस., इंटरनेट नेटवर्किंग एवं फोटोकॉपी मशीनों के वार्षिक रख-रखाव कार्य हेतु एवं निविदा के दर पत्रक (प्रपत्र-2) के भाग-दो (अ एवं ब) एवं तीन में उल्लेखित सामग्री आवश्यकता अनुसार एक वर्ष की अवधि हेतु प्रदाय किया जाना है। सामग्री प्रदाय हेतु इच्छुक पंजीकृत एवं अनुभवी फर्मों से उल्लेखित वर्णित सामग्रियों हेतु ई-निविदाएं https://mptenders.gov.in पोर्टल के माध्यम से आमंत्रित की जाती है।

ऑनलाईन निविदा प्रक्रिया में सम्मिलित होने के लिये निम्नानुसार तिथियाँ निर्धारित की गई हैं:-

1. ई-निविदा का विस्तृत विवरण https://mptenders.gov.in पर उपलब्ध है, जिस पर निविदा संबंधी समस्त शर्तें दी गई है, जो कि राशि रुपये 1,000/- (रुपये एक हजार मात्र) ऑनलाईन जमा करने पर प्राप्त की जा सकती है।
2. ऑनलाईन निविदा प्रक्रिया में सम्मिलित होने के लिये निम्नानुसार तिथियां निर्धारित की गई है:-
   1. ऑनलाईन निविदा जमा करने की प्रारंभ दिनांक 13.03.2026 समय सुबह 10:00 से दिनांक 02.04.2026 समय सुबह 10:00 बजे तक।
   2. ऑनलाईन प्राप्त निविदाओं में सर्वप्रथम तकनीकी निविदाएं दिनांक 03.04.2026 समय दोपहर 12:00 बजे अथवा उसके उपरांत लोकायुक्त कार्यालय परिसर, भोपाल में खोली जावेगी, तत्पश्चात् तकनीकी निविदाओं में पात्र पाये गये निविदादाताओं की वित्तीय निविदायें दिनांक 10.04.2026 समय दोपहर 03:00 बजे अथवा उसके उपरांत खोली जावेगी।
   3. निविदा स्वीकृत करने अथवा अस्वीकृत करने का पूर्ण अधिकार सचिव, लोकायुक्त कार्यालय, म.प्र. भोपाल का होगा, इस हेतु पृथक से कोई पत्राचार नहीं किया जावेगा।

निविदा संबंधी शेष शर्तें निविदा प्रपत्र में दी गई है।

(विनोद मालवीय)
उप संचालक (वित्त)
लोकायुक्त कार्यालय मध्यप्रदेश
भोपाल
फोन - 2545572

जी-26635/25

पॉक्सो है सुरक्षा का हथियार, बच्चों पर न करें अत्याचार

लंबी टिकने वाली महक

क्षणभंगुर ईयू डी टॉयलेट को त्यागें और ईयू डी परफ्यूम या एक्सट्रेट डी परफ्यूम में निवेश करें। इसके अलावा, बेस नोट्स पर भी ध्यान दें। समृद्ध वेनिला, कस्तूरी, ऊद, पचौली और चंदन जैसे तत्व आपकी त्वचा को हल्के, पानी वाले खट्टे नोटों की तुलना में अधिक समय तक महकाते रहेंगे। अब आप अपनी वैनिटी को अपग्रेड कर सकते हैं। यहां सर्वोत्तम, शोध-समर्थित सुगंधें हैं जो वास्तव में लंबे समय तक टिकती हैं।

महिलाओं के लिए अजेय सुगंध

यदि आप ऐसे परफ्यूम की तलाश में हैं जो लंबे समय तक आपकों कपड़ों में समाई रहे, जिसकी महक कपड़े को धोने के बाद ही जाए - तो ये आपके लिए सबसे अच्छे विकल्प हैं। मैसन फ्रांसिस कुर्कडजियन का बैकारेट रूज 540 (एक्स्ट्रेट डी परफ्यूम) सौंदर्य जगत में प्रसिद्ध है। इसे अक्सर बीस्ट मोड सुगंध कहा जाता है, केसर, एम्बरवुड और चमेली का इसका मादक, हवादार मिश्रण आसानी से 12 घंटे तक रहता है, जहां भी आप चलते हैं एक अविस्मरणीय महक छोड़ देते हैं।

मुगलर एलियन

क्या आप कुछ अधिक बोल्ड चाहते हैं? मुगलर एलियन इओ डे परफ्यूम एक ध्रुवीकरण करने वाला लेकिन निर्विवाद रूप से खुशबू का पावरहाउस है। चमेली साम्बक की एक विशाल मात्रा के साथ पैक किया गया और कश्मीरी लकड़ी और सफेद एम्बर द्वारा ग्राउंड किया गया, यह आसानी से 10 से 12 घंटों तक त्वचा पर रहता है। एक उमस भरी शाम के लिए, टॉम फोर्ड ब्लैक ऑर्किड ईडीपी गहरी लग्जरी लाता है। ब्लैक ट्रफल, कस्टम ऑर्किड, पचौली और वेनिला को मिलाकर, यह मोहक खुशबू पूरी रात और अगली सुबह तक बनी रहेगी।

आपकी मदद भी चाहिए परफ्यूम को महकने के लिए

सबसे शक्तिशाली परफ्यूम को भी आपकी थोड़ी मदद की ज़रूरत होती है। यहां बताया गया है कि उनकी रहने की शक्ति को अधिकतम कैसे किया जाए।

अपना कैनवास तैयार करें : शुष्क त्वचा पर खुशबू तेजी से वाष्पित हो जाती है। स्प्रे करने से पहले हमेशा बिना खुशबू वाला बॉडी लोशन या तेल लगाएं ताकि खुशबू वाले तेलों को बांधने के लिए कुछ मिल सके।

सही स्थानों पर स्प्रे करें : अपने नाड़ी बिंदुओं को लक्षित करें। कलाई, आंतरिक कोहनी, आपकी गर्दन और कान का पिछला भाग और आपके घुटनों के पीछे। इन क्षेत्रों में आपके शरीर की प्राकृतिक गर्मी गंध को बाहर की ओर धकेलती है।

घर्षण बंद करें : अपनी कलाइयों को आपस में रगड़ना बंद करें! यह आदत खुशबू के नाजुक शीर्ष नोट्स को तोड़ देती है और इत्र के जीवनकाल को खत्म कर देती है। इसे प्राकृतिक रूप से सूखने दें।

अपने पहनावे पर लगाएं

कपड़े त्वचा की तुलना में अधिक देर तक खुशबू बनाए रखते हैं। हल्के रंग के कपड़ों पर गहरे, तेल युक्त भारी इत्र के साथ थोड़ा सावधान रहें ताकि आप पर दाग न लगें।

> हम सब के साथ ऐसा अकसर होता है। घर से बाहर निकलते समय अपना पसंदीदा, महंगा परफ्यूम छिड़कते हैं, और दोपहर के भोजन के समय तक... आपकी वह महंगी मादक महक बिल्कुल शून्य हो चुकी होती है। एक परफ्यूम की दुनिया से ऐसी विशिष्ट गंध ढूंढना जो वास्तव में हर समय आपको महकाए रहती है, भूसे के ढेर में सुई खोजने जैसा हो सकता है। परफ्यूम इंडस्ट्री का एक सीक्रेट है- अविश्वसनीय लॉन्ग लास्टिंग महक पाने का (पेशेवर इसे सिलेज कहते हैं) शुद्ध विज्ञान पर निर्भर करता है। यदि आप ऐसी खुशबू चाहते हैं जो आपकी तरह ही काम करे, तो आपको एकाग्रता पर ध्यान देने की जरूरत है।

रोजमर्रा के हस्ताक्षर

क्या आपको कुछ ऐसा चाहिए जो पूरे दिन कार्यालय में बना रहे लेकिन अत्यधिक नाटकीय न हो? यवेस सेंट लॉरेंट लिब्रे इंटेंस फ्रेंच लैवेंडर, मोरक्कन ऑरेंज ब्लॉसम और समृद्ध वेनिला की भारी खुराक का एक शानदार, सुरुचिपूर्ण संतुलन है। यह अविश्वसनीय रूप से शक्तिशाली लगता है और 8 से 10 घंटे तक आराम से चलता है। बरबेरी गॉडेस ईडीपी को लेने के लिए वेनिला प्रेमियों को चलना नहीं बल्कि दौड़ना चाहिए। इसमें लैवेंडर के स्पर्श के साथ काटे गए वेनिला की एक अनूठी तिकड़ी का उपयोग किया गया है, जो आपको एक आरामदायक, परिष्कृत माहौल देता है जो 8 घंटे के निशान को खूबसूरती से पार कर जाता है। यदि साफ पुष्प आपकी गति से अधिक हैं, तो लैंकोमे आइडल ईडीपी एक अभूतपूर्व विकल्प है। यह ताजा, चमकदार और लगातार बना रहता है। बेहतर अनुभव के लिए, ग्लोसियर यू ईडीपी तेजी से फीका नहीं पड़ता है। एम्ब्रॉक्स और आईरिस पर भारी, यह आपके व्यक्तिगत बॉडी कैमिस्ट्री के अनुकूल होकर दिन के अधिकांश समय विशिष्ट रूप से गर्म और मांसल गंध देता है।

मुगल परंपरा से अलग है अकबर का मकबरा

कभी-कभी सच तक पहुंचने का रास्ता इतना धुंधला होता है कि पता ही नहीं चलता कि मंजिल कहां है। कई इतिहासकारों ने आगरा के सिकंदरा में मौजूद अकबर के मकबरे के बारे में लिखा है कि इसमें इस्लामी, बौद्ध, हिंदू व ईसाई धर्म के प्रतीकों का इस्तेमाल किया गया, या इसमें सुलहकुल का सिद्धांत दिखता है। मकबरे की खासियत यह है कि अकबर ने इसे बनाने का विचार अपने जीवनकाल में ही कर लिया था। इसे बहिश्ताबाद का नाम दिया गया, यानी स्वर्ग सरीखा स्थान। भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के अधीन यह इमारत आज भी दुनिया भर के पर्यटकों को अपनी तरफ खींचती है। आगरा के जिस इलाके (सिकंदरा) में यह बना है, उसे नाम ही सल्तनत काल के शासक सिकंदर लोदी से मिला है। अकबर के शासनकाल में 1602 ईस्वी में निर्माण शुरू हुआ और करीब 15 लाख रुपये लागत आई। 1605 में अकबर का निधन हो गया। फिर उसके उत्तराधिकारी जहांगीर ने इसे 1613 में पूरा करा दिया। पर एक बात है, जो इतिहासकारों को उलझन में डाल देती है।

दरअसल, मुगल वास्तुकला में तहखाने में असली कब्र, उसके ऊपर कब्र की प्रतिकृति और फिर गुंबद होता है। मगर इस मकबरे के तहखाने में कब्र तो है, पर उसके ऊपर कब्र की प्रतिकृति और गुंबद नहीं है। तहखाने में संगमरमर से बनी अकबर की मुख्य कब्र बहुत सादी है और इस पर कुछ नहीं लिखा है। हैरानी की बात यह है कि पांचवीं मंजिल पर असली कब्र की प्रतिकृति है, जो अलंकृत है और बेहतरीन कारीगरी की मिसाल है। इस पर अरबी व फारसी में अल्लाह के 99 नाम लिखे गए हैं। इसे ही अकबर की कब्र की प्रतिकृति माना जाता है।

पर असली राज चौथी मंजिल का है। वरिष्ठ पत्रकार थॉमस स्मिथ ने अपने लेख में लिखा था कि वर्षों तक किसी की भी नजर चौथी मंजिल पर मौजूद कब्र पर नहीं पड़ी। लेकिन एक शोधार्थी ने इसे खोज निकाला। यहां पहुंचना आसान नहीं था। यहां तक पहुंचने के लिए कोई सीढ़ी नहीं बनाई गई। फर्श से छह फीट की ऊंचाई पर एक खिड़की है, जिससे एक बड़े गुप्त कक्ष में पहुंचा जा सकता है। पर इसके लिए पहले सीढ़ी लगानी होगी। कक्ष के मध्य में प्लास्टर और ईंटों से बनी साधारण कब्र है। यह किसकी है, कहीं भी इसका कोई ब्योरा उपलब्ध नहीं है। इतालवी यात्री मनुची ने अपने संस्मरणों में लिखा है कि 1688 में औरंगजेब के शासनकाल में भरतपुर के राजाराम के नेतृत्व में जाटों ने मकबरे पर हमला किया और अकबर की कब्र को नुकसान पहुंचाया। इतिहासकार मानते हैं कि इस तरह की संभावनाओं से आशंकित होकर ही तो कहीं अकबर ने वह गोपनीय कक्ष नहीं बनवाया था, जहां उसे दफन किया जाए। यह ऐसा सवाल है, जिसका जवाब शायद इसे जानने वाले के साथ ही दफन हो गया। वर्षों तक किसी की भी नजर चौथी मंजिल पर मौजूद कब्र पर नहीं पड़ी। लेकिन एक शोधार्थी ने इसे खोज निकाला। इतिहासकार ऐसा मानते हैं कि शायद हमले की संभावनाओं से आशंकित होकर अकबर ने वह गोपनीय कक्ष बनवाया था, जहां उसे दफन किया जाए। लेकिन इसका राज उसकी मौत के साथ ही दफन हो गया।

> आगरा के सिकंदरा में मौजूद अकबर के मकबरे की बनावट मुगल वास्तुकला से अलग है, जो इतिहासकारों के बीच कौतुहल का विषय है। खास तौर पर चौथी मंजिल आज भी रहस्यमय है।

अनोखा स्टे एक्सपीरियंस सेथन इग्लू विलेज

सेथन (हिमाचल प्रदेश) मनाली के पास सेथन की बर्फ से ढकी घाटियों में इग्लू स्टे एक बार फिर टूरिस्ट के लिए एक बड़ा अट्रैक्शन बन गया है। बर्फ से ढकी पहाड़ियों के बीच बने ये इग्लू न सिर्फ देखने में शानदार हैं, बल्कि टूरिस्ट को एक रोमांचक, एडवेंचरस एक्सपीरियंस भी देते हैं। इग्लू के अंदर गर्म बिस्तर, लाइटिंग और दूसरी ज़रूरी सुविधाओं पर खास ध्यान दिया गया है, ताकि टूरिस्ट ठंड में भी आराम से रह सकें।

सेथन में शुरू हुए इस अनोखे इग्लू स्टे को लेकर टूरिस्ट में ज़बरदस्त उत्साह है। टूरिज्म इंडस्ट्री के लोगों का मानना है कि इग्लू स्टे शुरू करने से सेथन और मनाली में टूरिज्म को एक नई पहचान मिलेगी और सर्दियों में टूरिस्ट की संख्या बढ़ेगी। इग्लू बनाने के लिए, सब-ज़ीरो टेम्परेचर और अच्छी क्वालिटी की बर्फ़ ज़रूरी है। इग्लू बनाने की जानकारी रखने वालों के मुताबिक, यहां रात में टेम्परेचर माइनस 15 डिग्री सेल्सियस या उससे भी कम हो जाता है, जो इग्लू बनाने के लिए एकदम सही है। इग्लू बनाना आमतौर पर दिसंबर में शुरू होता है।

इग्लू स्टे मैनेजमेंट टीम की रिपोर्ट है कि फरवरी के बाद टेम्परेचर बढ़ने लगता है, इसलिए इस साल इग्लू स्टे का समय मार्च के तीसरे हफ़्ते तक बढ़ाने के लिए काफ़ी ठंडी जगह चुनी गई है। यह इग्लू स्टे का दसवां सफल सीज़न है, जिसमें बड़ी संख्या में टूरिस्ट वापस आ रहे हैं। कई टूरिस्ट 7-8 बार मनाली आ चुके हैं, लेकिन एक बार इग्लू में रुकने के बाद, वे बार-बार लौटना चाहते हैं।

एक इग्लू मालिक ने इग्लू बनाने के बारे में बताया कि अब तक पाँच इग्लू बन चुके हैं। एक इग्लू बनाने में लगभग 2 दिन लगते हैं। इस साल, देर से हुई बर्फबारी और शुरुआती हालात खराब होने की वजह से, कंस्ट्रक्शन में थोड़ा ज़्यादा समय लगा। पूरे सीज़न में यहां 10 से 15 लोगों की टीम काम करती है, जिनमें से ज़्यादातर लोकल युवा हैं। इग्लू के अंदर का टेम्परेचर बाहर के टेम्परेचर से कहीं ज़्यादा आरामदायक होता है। आमतौर पर, बाहर और अंदर के टेम्परेचर में 8 से 10 डिग्री का फ़र्क होता है, जिससे इग्लू के अंदर रहना एक गर्म और आरामदायक अनुभव होता है।

सेथन गांव के पवन नेगी ने कहा, इस साल बर्फबारी थोड़ी देर से हुई, लेकिन इग्लू की कामयाबी पक्की करने की कोशिशें चल रही हैं। हालांकि पूछताछ थोड़ी कम हुई है, लेकिन कुल मिलाकर टूरिस्ट का रिस्पॉन्स अच्छा रहा है। कुछ साल पहले तक, सेथन की एक्टिविटीज़ लिमिटेड थीं, लेकिन तब से कई तरह की एडवेंचर और टूरिज़्म एक्टिविटीज़ शुरू हो गई हैं, जिससे यह गांव और इग्लू गांव तेज़ी से पॉपुलर हो रहे हैं। टूरिस्ट मनाली इग्लू स्टे वेबसाइट के ज़रिए ऑनलाइन बुकिंग कर सकते हैं। इस साल, मनाली इग्लू स्टे के साथ मिलकर सेथन में नौ इग्लू बनाए गए हैं। सेथन गांव मनाली से करीब 11 किलोमीटर दूर है और सर्दियों के महीनों में बर्फ का अनोखा अनुभव लेने वाले टूरिस्ट के लिए यह एक पॉपुलर जगह बन रहा है।

> हिमाचल प्रदेश का सेथन इग्लू विलेज इन दिनों नया टूरिस्ट अट्रैक्शन बन गया है। इसमें आमतौर पर, बाहर और अंदर के टेम्परेचर में 8 से 10 डिग्री का अंतर होता है, जिससे इग्लू के अंदर रहना एक आरामदायक अनोखा एक्सपीरियंस देता है। इस साल इग्लू स्टे का समय मार्च के तीसरे हफ़्ते तक बढ़ाने के लिए काफ़ी ठंडी जगह चुनी गई है।

फोकस: भारत के जॉब मार्केट पर कितना होगा असर एआई 'सुनामी' का?

भारत में कम से कम 26 फीसदी नौकरियां खत्म हो सकती हैं। आईएमएफ और सिट्रिनी रिसर्च के ताजा अध्ययनों में इसके बारे में गंभीर चेतावनी दी गई है। इसका सबसे बुरा असर कालेज से निकल कर नौकरी शुरू करने वाले युवाओं पर पड़ेगा। एआई को सही तरीके से अपनाकर ही इस चुनौती से निपटा जा सकता है।

● प्रभाकर मणि तिवारी ●

नौकरियों पर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के असर पर आईएमएफ की ताजा रिपोर्ट चौंकाने वाली है। इसमें कहा गया है कि नौकरियों पर इसका असर सुनामी के जैसा होगा। इससे पूरी दुनिया में औसतन 40 प्रतिशत नौकरियां प्रभावित होंगी लेकिन कुछ विकसित देशों में यह आंकड़ा 60 फीसदी तक पहुंच सकता है। इससे सबसे ज्यादा खतरा कालेज से निकल कर नौकरी के बाजार में कदम रखने वाले युवाओं को है। कई बहुराष्ट्रीय कंपनियां भी कर्मचारियों की छंटनी और नए कर्मचारियों की भर्ती पर रोक की दिशा में बढ़ रही हैं।

वैश्विक कार्यबल को प्रभावित करेगी

गोल्डमैन सैक्स रिसर्च का अनुमान है कि अमेरिका में 2.5 फीसदी रोजगार नुकसान के जोखिम में होगा। कंप्यूटर प्रोग्रामर, लेखा परीक्षक, कानूनी और प्रशासनिक सहायक और ग्राहक सेवा प्रतिनिधि जैसे व्यवसायों के कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) द्वारा विस्थापित होने का खतरा अधिक है। (एआई) नवाचार से अमेरिका के 6-7 फीसदी कार्यबल विस्थापित हो सकता है। टीम ने 800 से अधिक व्यवसायों का अध्ययन किया। चार्ट दर्शाता है कि तकनीकी क्षेत्र से जुड़े व्यवसायों में कार्यरत 20 से 30 वर्ष के युवाओं में बेरोजगारी दर 3 प्रतिशत बढ़ गई है। मार्केटिंग कंसल्टिंग, ग्राफिक डिजाइन, ऑफिस एडमिनिस्ट्रेशन और टेलीफोन कॉल सेंटर जैसे उद्योगों में रोजगार वृद्धि एआई दक्षता लाभों के कारण रुझान से नीचे गिर गई है।

कैसे निपटा जा सकता है इस खतरे से

एक आईटी कंपनी में सीनियर साइंटिस्ट अनिर्वाण चौधरी कहते हैं एआई की सुनामी के धक्के को संभालने का एकमात्र तरीका उसका (एआई का) सही इस्तेमाल करना है। इस तकनीक का समुचित इस्तेमाल करने वाले बदली हुई परिस्थिति में बाकियों से आगे रहेंगे। अनिर्वाण कहते हैं, कोई भी तकनीक शुरुआत में सौ फीसदी सही नहीं होती। शोध व प्रयोग के साथ धीरे-धीरे वह बेहतर होती है। कंपनियां अपने फायदे के लिए इस तकनीक का इस्तेमाल कर रही हैं। अब छात्रों को उन कामों के बारे में सिखाना होगा जो एआई के जरिए नहीं किए जा सकते। अब महज प्रोग्रामिंग जानने वाले पेशेवरों का रेस में टिकना मुश्किल है। यह काम एआई उनसे कम समय में बेहतर कर सकता है। वह बताते हैं कि इसी कारण से कई बड़ी कंपनियों में अब नई भर्तियों में कटौती कर रही हैं। हाल के दिनों में बड़े पैमाने पर छंटनी हुई है आईएमएफ की रिपोर्ट के मुताबिक जिन 26 फीसदी लोगों की नौकरी खतरे में है उनका क्या होगा? विशेषज्ञों का कहना है कि इसके दायरे में आने वाले पेशेवरों के लिए अलग से एडवांस्ड प्रोग्रामिंग की ट्रेनिंग की व्यवस्था करनी होगी। कोलकाता स्थित भारतीय सांख्यिकी संस्थान (आईएसआई) के प्रोफेसर स्वागतम दास कहते हैं, अब सिर्फ पुरानी नौकरियां बचाना ही नहीं, नई नौकरियां पैदा करना भी जरूरी है।

तकनीक इंसान का विकल्प नहीं

विशेषज्ञों का कहना है कि एआई चाहे जितना भी सटीक हो जाए, यह इंसान का विकल्प नहीं बन सकता। एक आईटी विशेषज्ञ उज्ज्वल गोस्वामी कहते हैं, शुरुआत में हर नई तकनीक आने पर दिक्कत होती है। मिसाल के तौर पर बैंकिंग क्षेत्र के ऑटोमेशन को लिया जा सकता है। लेकिन अब लोग इसके अभ्यस्त हो चुके हैं। इसी तरह उन लोगों को नई स्किल की ट्रेनिंग दी जानी चाहिए जिनकी नौकरियों पर एआई के कारण सबसे ज्यादा खतरा है। लेकिन इंसान की भूमिका का कोई विकल्प नहीं है। विशेषज्ञों का कहना है कि सूचनाओं को डिजिटल स्वरूप देने के लिए प्रशिक्षित पेशेवरों की जरूरत होगी। इससे भारी तादाद में नई नौकरियां भी पैदा होंगी। एआई ने मानव सभ्यता को वरदान और अभिशाप के मोड़ पर ला दिया है। उज्ज्वल गोस्वामी कहते हैं, तकनीक को नहीं अपनाना समस्या का हल नहीं हो सकता। तकनीक का इस्तेमाल उस संकट को दूर करने के लिए किया जाना चाहिए जो इसी ने पैदा किया है। वैसी स्थिति में ही युवा पीढ़ी के भविष्य रास्ता साफ हो सकता है। विशेषज्ञोंकी आम राय है कि एआई की संभावित सुनामी को रोकने के लिए सरकार को भी ठोस नीति बना कर इस दिशा में पहल करनी होगी।

आईएमएफ प्रमुख की चेतावनी

आईएमएफ की प्रबंध निदेशक क्रिस्टालिना जार्जीवा ने इस रिपोर्ट के आधार पर कहा है कि एआई की वजह से शुरुआती स्तर की नौकरियों के अलावा सूचना तकनीक (आईटी) और वित्तीय क्षेत्र की नौकरियों पर सबसे ज्यादा असर पड़ने का अंदेशा है। इससे देश की प्रमुख आईटी कंपनियों को गंभीर झटका लग सकता है। जार्जीवा ने कहा है कि कालेज से निकल कर आईटी सेक्टर में काम करने वाले युवाओं के काम का ज्यादातर हिस्सा एआई के जरिए संभव है। इससे नई पीढ़ी के बड़े हिस्से के सामने बेरोजगारी का गंभीर खतरा मंडरा रहा है। आंकड़ों के मुताबिक, वर्ष 2023-24 के दौरान 1.90 करोड़ युवाओं ने अपनी पहली नौकरी शुरू की थी। क्रिस्टालिना का कहना है कि एआई का विरोध करने का कोई मतलब नहीं है। उसे सही तरीके से अपनाना होगा। सुनियोजित तरीके से इसके इस्तेमाल की स्थिति में संभावित अभिशाप एक वरदान बन सकता है। एआई और इस पर आधारित तकनीक भारत की जीडीपी में 0.7 फीसदी की वृद्धि कर सकती है।

आईटी पेशेवरों की जगह लेगा एआई

दूसरी ओर, सिट्रिनी रिसर्च की 'द 2028 ग्लोबल इंटेलिजेंस क्राइसिस' शीर्षक की एक रिपोर्ट ने भी वैश्विक वित्तीय बाजारों में हड़कंप मचा दिया है। इसमें कहा गया है कि एआई की वजह से कार्पोरेट मुनाफा व उत्पादकता बढ़ने के कारण कागज पर अर्थव्यवस्था तो मजबूत नजर आएगी। लेकिन बड़े पैमाने पर नौकरियां खत्म होने के कारण लोगों की आय कम हो जाएगी। इसका असर उनकी खर्च करने की क्षमता पर पड़ना स्वाभाविक है। इस रिपोर्ट के मुताबिक, एआई निकट भविष्य में कोडिंग, प्रोग्रामिंग, वित्तीय विश्लेषण और कानून के क्षेत्र में काम करने वाले पेशेवरों की जगह ले लेगा। इसमें वैश्विक क्लाइंट्स के एआई की मदद लेने के कारण भारत में आईटी सेक्टर की दिग्गज कंपनियों पर गंभीर असर पड़ने और डालर के मुकाबले रुपए की कीमत में गिरावट का भी अंदेशा जताया गया है। इस रिपोर्ट के सह-लेखक अलाप शाह ने सरकार से इस संकट से निपटने के लिए एआई टैक्स लगाने का भी सुझाव दिया है।

संक्षिप्त समाचार

एआई समिट: यूथ कांग्रेस अध्यक्ष को जमानत

नई दिल्ली, जेएनएन। दिल्ली की एक कोर्ट ने इंडियन यूथ कांग्रेस के प्रेसिडेंट उदय भानु चिब को जमानत दे दी है, जिन्हें इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट में एक प्रोटेस्ट के सिलसिले में गिरफ्तार किया गया था, और कहा कि 'सिर्फ अंदाजों के आधार पर किसी भी व्यक्ति की आजादी छीनी नहीं जाएगी।' हालांकि, चिब को जमानत देने के कुछ घंटों बाद, कोर्ट ने यूथ कांग्रेस चीफ द्वारा दिए गए डॉक्यूमेंट्स और बॉन्ड्स के वेरिफिकेशन का आदेश दिया और कहा कि वह 1 मार्च सुबह तक ज्यूडिशियल कस्टडी में रहेंगे। चिब को ड्यूटी मजिस्ट्रेट वंशिका मेहता के सामने ऑफिशियल घर पर सुबह करीब 1 बजे पेश किया गया। पुलिस ने चिब की कस्टडी तीन दिन और बढ़ाने की मांग की। कोर्ट ने अर्जी खारिज कर दी और कहा, 'जीवन और स्वतंत्रता का अधिकार भारतीय संविधान की आत्मा है।'

एलजीबीटी समुदाय के पहले सांसद बन सकते हैं मेनका

कोलकाता, जेएनएन। तृणमूल कांग्रेस ने राज्यसभा चुनाव के लिए अपने चार उम्मीदवारों की घोषणा कर दी। पार्टी ने बाबुल सुप्रियो, पश्चिम बंगाल के पूर्व डीजीपी राजीव कुमार, सीनियर एडवोकेट मेनका गुरुस्वामी और अभिनेत्री कोयल मल्लिक को मैदान में उतारा है।

सीनियर एडवोकेट मेनका गुरुस्वामी एलजीबीटीक्यू समुदाय से आती हैं। यदि वे निर्वाचित होती हैं तो भारतीय संसद के इतिहास में यह पहला अवसर होगा जब कोई खुलकर एलजीबीटी पहचान रखने वाला सदस्य राज्यसभा पहुंचेगा। 50 वर्षीय मेनका ने ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी, हार्वर्ड लॉ स्कूल और नेशनल लॉ स्कूल ऑफ इंडिया से शिक्षा प्राप्त की है। 10 राज्यों की 37 राज्यसभा सीटों के लिए 16 मार्च को मतदान होगा। नामांकन की अंतिम तारीख 5 मार्च है।

धोनी को झारखंड स्टेट हाउसिंग बोर्ड का नोटिस

रांची, जेएनएन। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी को झारखंड स्टेट हाउसिंग बोर्ड ने नोटिस जारी किया है। मामला रांची के हरमू इलाके में स्थित एच-10ए आवासीय प्लॉट से जुड़ा है। बोर्ड का आरोप है कि यह प्लॉट केवल आवासीय उद्देश्य से आवंटित किया गया था, लेकिन वर्तमान में वहां कथित तौर पर एक पैथोलॉजी लैब संचालित की जा रही है। अधिकारियों के अनुसार, यह आवंटन की शर्तों का उल्लंघन है। नोटिस में धोनी से इस संबंध में स्पष्टीकरण मांगा गया है। बोर्ड ने स्पष्ट किया है कि यदि निर्धारित समय सीमा के भीतर संतोषजनक जवाब नहीं मिलता है, तो प्लॉट आवंटन रद्द करने की सिफारिश की जा सकती है। बोर्ड ने ऐसे कई मामलों की समीक्षा शुरू की है।

आंध्र प्रदेश: पटाखा फैक्ट्री में ब्लास्ट, 21 की मौत

अमरावती, जेएनएन। आंध्र प्रदेश के काकीनाडा जिले के वेटलापलेम गांव में शनिवार को पटाखा बनाने वाली यूनिट में धमाका हो गया। हादसे में 21 लोगों की मौत हो गई, जबकि 8 लोग गंभीर रूप से घायल हैं। दोपहर करीब 2 बजे ब्लास्ट हुआ। धमाके इतना भीषण था कि इसकी आवाज 5 किलोमीटर दूर तक सुनाई दी। इसके बाद ग्रामीण घटनास्थल पर पहुंचे और हादसे में घायल लोगों को अस्पताल भेजना शुरू किया। धमाका इतना तेज था कि लाशें पास के धान के खेतों में जाकर गिरीं। हरे-भरे धान के खेतों के बीच डरावना मंजर देखने को मिला, जब स्थानीय लोग बाराकालू, यानी खाद की बोरियों से बनी चादरों में लाशें ले जाते दिखे। पुलिस ने पास के खेतों में बिखरे शरीर के हिस्सों का पता लगाने के लिए ड्रोन तैनात किए हैं। काकीनाडा गवर्नमेंट हॉस्पिटल के सुपरिटेंडेंट ने कहा कि हॉस्पिटल में आए घायल 90 से 100 परसेंट तक जले हुए हैं।

जैफ्री एपस्टीन मामला

क्लिंटन बोले- 'मैंने कुछ भी गलत नहीं किया'

वॉशिंगटन, जेएनएन। एपस्टीन फाइल्स केस में अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति बिल क्लिंटन ने खुद को बेकसूर बताया है। उन्होंने कांग्रेस की प्रतिनिधि सभा की निगरानी समिति के समक्ष बंद कमरे में गवाही दी। क्लिंटन ने कहा कि उन्होंने 'कुछ भी गलत नहीं किया' और उन्हें एपस्टीन के यौन अपराधों की कोई जानकारी नहीं थी। यह पहली बार है जब किसी पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति को संसद की समिति के सामने इस तरह गवाही देने के लिए बाध्य होना पड़ा। यह घटनाक्रम उस समय हुआ जब एक दिन पहले उनकी पत्नी और पूर्व विदेश मंत्री हिलेरी क्लिंटन ने भी समिति के सामने बयान दर्ज कराया था। क्लिंटन पर सीधे तौर पर किसी आपराधिक गतिविधि का आरोप नहीं लगाया गया है।

ईरान-इजराइल संघर्ष से वैश्विक तनाव चरम पर

चीन, रूस, फ्रांस, बहरीन, कोलंबिया की अपील पर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की इमरजेंसी बैठक

न्यूयॉर्क/तेहरान, जेएनएन। ईरान और इजराइल के बीच बढ़ते सैन्य टकराव के बीच संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) की आपात बैठक शनिवार को न्यूयॉर्क में बुलाई गई है। यह बैठक बहरीन, कोलंबिया, चीन, रूस और फ्रांस की अपील पर आयोजित की जा रही है। मध्य पूर्व में तेज होते हमलों और जवाबी कार्रवाइयों के बीच अंतरराष्ट्रीय समुदाय गहरी चिंता जता रहा है। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने 'मध्य पूर्व में शनिवार की सैन्य कार्रवाई' की आलोचना करते हुए कहा कि यह अंतरराष्ट्रीय शांति और सुरक्षा को कमजोर करती है। उन्होंने सभी पक्षों से तुरंत हिंसा रोकने और तनाव कम करने की अपील की।

वैश्विक असर और खाड़ी क्षेत्र में सतर्कता: अमेरिका ने संयुक्त अरब अमीरात में अपने नागरिकों के लिए सुरक्षा अलर्ट जारी किया है। वहीं एयर इंडिया ने मध्य पूर्व के कुछ हिस्सों के लिए अपनी उड़ानें अस्थायी रूप से रोक दी हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि यदि संघर्ष और बढ़ता है तो होर्मुज जलडमरूमध्य में तेल आपूर्ति बाधित हो सकती है, जिससे वैश्विक ऊर्जा बाजार में भारी अस्थिरता आ सकती है।

भारत ने जताई चिंता: भारत के विदेश मंत्रालय ने बयान जारी कर कहा कि 'ईरान और खाड़ी क्षेत्र में हाल की घटनाओं से भारत बहुत चिंतित है।' भारत ने सभी पक्षों से संयम बरतने, आम नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने और कूटनीतिक समाधान की दिशा में आगे बढ़ने की अपील की है। क्षेत्र में भारतीय दूतावास भारतीय नागरिकों के संपर्क में हैं और उन्हें सतर्क रहने के निर्देश दिए हैं।

ईरान का जवाब: प. एशिया में अभूतपूर्व जवाबी हमले

तेहरान, जेएनएन। अमेरिका और इसराइल के हमलों के बाद ईरान ने मध्य पूर्व में अभूतपूर्व जवाबी कार्रवाई शुरू कर दी है। ईरान ने कई ऐसे देशों को निशाना बनाया है, जहां अमेरिकी सैन्य अड्डे मौजूद हैं, साथ ही इसराइल पर भी हमले किए हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, संयुक्त अरब अमीरात, कतर और बहरीन में धमाकों की खबरें सामने आई हैं। इसके अलावा सऊदी अरब में भी विस्फोटों की सूचना है। सऊदी अरब ने बयान जारी कर कहा है कि वह अपनी सुरक्षा के लिए 'हर आवश्यक कदम' उठाएगा। विशेषज्ञों का मानना है कि जून में अमेरिका और इसराइल ने ईरान के बैलिस्टिक मिसाइल भंडार को निशाना बनाया था, जिससे उसकी जवाबी क्षमता कमजोर हुई थी। ऐसे में ईरान अब अपने मौजूदा मिसाइल शस्त्रागार का उपयोग तेजी से करने की कोशिश कर सकता है, ताकि भविष्य में संभावित नुकसान से पहले वह अपनी ताकत दिखा सके।

हमले के दौरान समुद्र में गिरी एक मिसाइल।

लड़कियों के स्कूल पर मिसाइल हमला

ईरान की सरकारी समाचार एजेंसी के अनुसार, दक्षिणी होर्मोजगन प्रांत के मिनाब काउंटी में लड़कियों के एक प्राइमरी स्कूल पर मिसाइल हमला हुआ, जिसमें कम से कम 53 लोगों की मौत और 63 के घायल होने की खबर है। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अरागची ने सोशल मीडिया पर ध्वस्त स्कूल की तस्वीर साझा करते हुए आरोप लगाया कि दिनदहाड़े मासूम बच्चों को निशाना बनाया गया। हालांकि, इन दावों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हो सकी है। अंतरराष्ट्रीय मीडिया संगठनों को अक्सर ईरान में रिपोर्टिंग की अनुमति सीमित मिलती है और इंटरनेट सेवाओं पर भी पाबंदियां बताई जा रही हैं। ईरान ने उन देशों को टारगेट किया है जहां अमेरिकी सैन्य ठिकाने हैं। कतर और बहरीन में अमेरिका के प्रमुख नौसैनिक और वायुसेना अड्डे स्थित हैं।

हमलों के बाद मध्य पूर्व में उड़ानों पर असर, ईरान के ऊपर हवाई यातायात लगभग ठप

तेहरान/दुबई। ईरान और इजराइल-अमेरिका के बीच बढ़ते सैन्य तनाव का असर अब हवाई यातायात पर भी साफ दिखाई दे रहा है। फ्लाइट ट्रैकिंग वेबसाइट फ्लाइटरेडार24 के आंकड़ों के अनुसार, हमलों के बाद ईरान और मध्य पूर्व के कई देशों के ऊपर हवाई यातायात लगभग पूरी तरह ठप हो गया है। डेटा से पता चलता है कि एक हफ्ते पहले जहां इस क्षेत्र के आसमान में सैकड़ों उड़ानें सक्रिय थीं, वहीं शनिवार शाम स्थानीय समय के अनुसार उड़ानों की संख्या में भारी गिरावट दर्ज की गई।

ट्रंप ने अपने दूसरे कार्यकाल में दिए कई सैन्य हमलों के आदेश

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दूसरे कार्यकाल (2025-2026) में अब तक उन्होंने कई देशों और समूहों के खिलाफ सैन्य कार्रवाइयों का आदेश दिया है। यह कार्यवाहियां आतंकवाद उन्मूलन, क्षेत्रीय सुरक्षा और रणनीतिक हितों को ध्यान में रखकर की गई हैं।

- 28 फरवरी को ट्रंप प्रशासन ने ईरान के खिलाफ 'ऑपरेशन एपिक फ्यूरी' नामक बड़ा सैन्य अभियान शुरू किया, जिसमें मिसाइल और हवाई हमले शामिल हैं। इसका उद्देश्य ईरान की मिसाइल और नौसेना क्षमताओं को कमजोर करना बताया गया है।
- 2025 के मध्य में अमेरिका ने ईरान के कुछ परमाणु सुविधाओं पर बड़े पैमाने पर एयर और मिसाइल स्ट्राइक किए थे, जिसमें फोर्डो और नतान्ज जैसी जगहें शामिल थीं। ट्रंप प्रशासन का दावा था कि इन हमलों ने ईरान की परमाणु संवर्धन क्षमताओं को गंभीर रूप से नुकसान पहुंचाया।
- मार्च से मई 2025 के बीच, अमेरिकी सेना ने यमन में ईरान-समर्थित हूती विद्रोहियों के खिलाफ एयर और नौसैनिक हमले किए। ऑपरेशन 'रफ राइडर' के तहत रेड सी और अदन की खाड़ी में हूति सैन्य ढांचे, रडार और ड्रोन लॉन्च साइटों को निशाना बनाया गया।
- दिसंबर 2025 में, आईएसआईएस के हमले में दो अमेरिकी सैनिक और एक नागरिक अनुवादक मारे गए थे। इसके जवाब में सीरिया में आईसिस के खिलाफ 'ऑपरेशन हॉकआई स्ट्राइक' चलाया।
- ट्रंप प्रशासन ने वेनेजुएला में भी सैन्य दबाव और स्ट्राइक दिए हैं। इस दौरान वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को अमेरिकी सेना ने गिरफ्तार करने की कार्रवाई भी की है।
- ट्रंप प्रशासन ने ईस्टर्न पैसेफिक और कैरिबियन में जिन्होंने ड्रग-तस्करी से जुड़े नावों और नेटवर्क का पता लगाया, उन पर दर्जनों बार हवाई और समुद्री स्ट्राइक किए हैं। इन हमलों में कम से कम 148 व्यक्तियों की मौत हुई है।

साणंद में सेमीकंडक्टर प्लांट का पीएम ने किया उद्घाटन

बोले-देश की आज हार्डवेयर बनाने के लिए भी पहचान

साणंद (गुजरात), जेएनएन। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को गुजरात के साणंद में माइक्रोन टेक्नोलॉजी की सेमीकंडक्टर असेंबली, टेस्टिंग, मार्किंग और पैकेजिंग (एटीएमपी) फैसिलिटी का उद्घाटन किया। पीएम ने कहा, 10-11 साल पहले तक भारत में डेटा और चिप की चर्चा कम होती थी। पहले देश की पहचान सॉफ्टवेयर के रूप में थी, आज भारत हार्डवेयर बनाने के लिए भी पहचाना जाने लगा है। उन्होंने कहा- जून 2023 में एमओयू साइन हुआ, सितंबर 2023 में काम शुरू हुआ और फरवरी 2026 में यहां प्रोडक्शन शुरू हो गया। इस सेक्टर को जानने वाले समझते हैं कि यह बहुत तेज रफ्तार है। साफ नीयत हो तो नीतियां भी साफ बनती हैं और फैसले जल्दी होते हैं। इस प्लांट में पहली बार मेड इन इंडिया सेमीकंडक्टर मेमोरी मॉड्यूल्स का कमर्शियल प्रोडक्शन और शिपमेंट शुरू होगा। यह केंद्र के मेक इन इंडिया सेमीकंडक्टर मिशन का पहला प्रोजेक्ट है। यह प्लांट 22,516 करोड़ रुपए की लागत से बना है।

साणंद में पीएम मोदी ने सेमीकंडक्टर प्लांट का उद्घाटन किया।

अमेरिकी कंपनी ने लगाया है प्लांट

प्लांट अमेरिकी माइक्रोचिप कंपनी माइक्रोन कंपनी ने यह प्लांट लगाया है, इसके लिए अगस्त-2023 में सीएम भूपेंद्र पटेल की मौजूदगी में एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए थे। इस एमओयू से पहले जुलाई-2023 में पीएम मोदी अमेरिका गए थे और वहां माइक्रोन ने गुजरात में प्लांट लगाने का ऐलान किया था। केंद्र ने 2023 में साणंद में माइक्रोन के पहले सेमीकंडक्टर संयंत्र की स्थापना को मंजूरी दी थी।

सेमीकंडक्टर पॉलिसी वाला पहला राज्य

गुजरात ने 2022 से 2027 तक के लिए सेमीकंडक्टर नीति बनाई है और यह नीति बनाने वाला पहला राज्य है। गुजरात सेमीकंडक्टर नीति 2022-27 के तहत सेमीकंडक्टर परियोजनाओं को सब्सिडी, प्रोत्साहन दिया जा रहा है। प्रोजेक्ट के लिए 75 प्रतिशत सब्सिडी, जमीन खरीद पर जीरो स्टांप शुल्क की योजना है। पहले 5 साल तक प्लांट को 12 रुपए प्रति क्यूबिक मीटर की दर से पानी उपलब्ध कराया जाएगा।

कांग्रेस के कुकर्मों को देश माफ नहीं करेगा: मोदी

पीएम मोदी ने अजमेर से ह्यूमन पैपिलोमा वायरस वैक्सीनेशन अभियान की शुरुआत की। जनसभा में मोदी ने कहा-कांग्रेस को कुकर्मों के लिए देश कभी माफ नहीं करेगा। पूरे देश में कांग्रेस लगातार हार रही है और गुस्से में इसका बदला भी ले रही है। शनिवार को पीएम मोदी अजमेर के कायड़ विश्रामस्थली में सभा को संबोधित कर रहे थे। इससे पहले अभियान की शुरुआत में मनीषा रावत, भूमिका, पूर्वी अग्रवाल, चंचल, चिड़िया मेघवंशी को वैक्सीनेशन लगाई गई। इस दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सभी लड़कियों से वैक्सीनेशन के बारे में जानकारी ली। साथ ही यह भी पूछा कि टीका क्यों लगाया जाता है? प्रधानमंत्री ने छात्राओं से एग्जाम के बारे में बात की। पूर्वी अग्रवाल और चंचल ने बताया कि उन्हें प्रधानमंत्री से बात करके बहुत अच्छा लगा।

दुनिया के सामने देश को बेइज्जत किया

हाल ही में दिल्ली में दुनिया का सबसे बड़ा एआई सम्मेलन हुआ। इसमें कई देशों के पीएम-राष्ट्राध्यक्ष, मंत्री आए। दुनिया की बड़ी-बड़ी कंपनियों के लीडर एक छत के नीचे इकट्ठे हुए। भारत की खुले मन से प्रशंसा की। हताशा, निराशा में डूबी कांग्रेस ने दुनिया भर के मेहमानों के सामने देश को बदनाम करने की कोशिश की। इन्होंने विदेशी मेहमानों के सामने देश को बेइज्जत किया।

मुस्लिम लीग की राह पर कांग्रेस

इतिहास गवाह है, मुस्लिम लीग भारत से नफरत करती थी, इसीलिए मुस्लिम लीग ने देश को बांट दिया। आज कांग्रेस भी वही कर रही है। माओवादी भी भारत की समृद्धि, हमारे संविधान और हमारे सफल लोकतंत्र से नफरत करते हैं।

राहुल का वित्त मंत्री को पत्र दिव्यांग पेंशन की मांग

नई दिल्ली, जेएनएन। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को पत्र लिखकर सशस्त्र बलों के पूर्व सैनिकों से जुड़े दो अहम मुद्दों पर हस्तक्षेप की मांग की है। 25 फरवरी 2026 को लिखे इस पत्र में उन्होंने एक्स-सर्विसमेन कंट्रीब्यूटरी हेल्थ स्कीम (ईसीएचएस) के लिए पर्याप्त बजट उपलब्ध कराने और दिव्यांगता पेंशन पर लगाए गए नए आयकर प्रावधान को वापस लेने की अपील की है। राहुल गांधी रक्षा संबंधी संसद की स्थायी समिति के सदस्य भी हैं। उन्होंने अपने पत्र में लिखा कि श्वष्ट।ाऽ का उद्देश्य पूर्व सैनिकों और उनके आश्रितों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराना है, लेकिन यह योजना गंभीर वित्तीय संकट से गुजर रही है। राहुल ने पत्र में बताया कि इस योजना के तहत 12 हजार करोड़ रुपये से अधिक के मेडिकल बिल लंबित हैं। मौजूदा बजट आवंटन आवश्यकता से लगभग 30 फीसदी कम है। भुगतान में देरी के कारण कई निजी अस्पताल इस योजना से बाहर हो रहे हैं, जिससे पूर्व सैनिकों को इलाज के लिए अपनी जेब से खर्च करना पड़ रहा है। कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों के इलाज में भी देरी की शिकायतें सामने आ रही हैं।

करेंसी से भरा विमान क्रैश, 15 की मौत, नोट लूटने उमड़ी भीड़

ला पाज/एल आल्टो। बोलिविया के एल आल्टो शहर में शनिवार सुबह एक सैन्य विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया। यह विमान बोलिविया की वायुसेना का हरक्यूलिस एयरक्राफ्ट था, जो देश के सेंट्रल बैंक से नए बैंकनोट लेकर अन्य शहरों की ओर जा रहा था। हादसे में कम से कम 15 लोगों की मौत हो गई, जबकि 30 से अधिक लोग घायल बताए जा रहे हैं। हादसे के बाद का दृश्य बेहद भयावह था। सड़क पर विमान का मलबा, टूटी हुई कारें और घायलों के शव बिखरे नजर आए। चूंकि विमान सेंट्रल बैंक के नए नोट लेकर जा रहा था, इसलिए सड़क पर बड़ी मात्रा में बैंकनोट भी बिखर गए। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, आसपास मौजूद लोग नोट उठाने के लिए मौके पर जमा हो गए।

दीपिका ने हॉलीवुड सीरीज के ऑडिशन से किया इनकार

अफवाहों के बीच शेयर किया क्रिप्टिक पोस्ट

नई दिल्ली, जेएनएन। बॉलीवुड एक्ट्रेस दीपिका पादुकोण को लेकर हाल ही में खबरें आईं कि उन्हें चर्चित हॉलीवुड शो 'द व्हाइट लोटस' के सीजन 4 के लिए अप्रोच किया गया था, लेकिन उन्होंने ऑडिशन देने से इनकार कर दिया। इन दावों के बीच दीपिका ने सोशल मीडिया पर एक लंबा और 'क्रिप्टिक' नोट शेयर किया, जिसे फैंस इन अफवाहों से जोड़कर देख रहे हैं।

रिपोर्ट्स में कहा गया कि 'द व्हाइट लोटस' के मेकर्स दीपिका को सीजन 4 में कास्ट करना चाहते थे। कथित तौर पर उनसे ऑडिशन देने को कहा गया, लेकिन उन्होंने इसके लिए सहमति नहीं दी। यह भी कहा गया कि शो की कास्टिंग प्रक्रिया में ऑडिशन अनिवार्य है और दीपिका इसके लिए उत्सुक नहीं थीं, जिसके चलते यह मौका हाथ से निकल गया। बताया जा रहा है कि इससे पहले सीजन 3 के लिए भी उन्हें अप्रोच किया गया था, लेकिन उस समय वह प्रेग्नेंट थीं और उन्होंने ऑफर ठुकरा दिया था। दीपिका ने सीधे तौर पर इन खबरों पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी, लेकिन उन्होंने इंस्टाग्राम पर एक लंबा पोस्ट शेयर किया। उसमें उन्होंने लिखा, 'शांत होना सबसे जोरदार फ्लेक्स है: असली ताकत तब दिखती है जब अफरा-तफरी मचे और आप नहीं झुकते, शांत रहना कमजोरी नहीं, बल्कि मास्टरी है।' फैंस इसे अफवाहों पर उनका तंज मान रहे हैं। पोस्ट में उन्होंने यह भी लिखा कि हर बात पर रिएक्ट करना जरूरी नहीं होता और शोर भरी दुनिया में शांत रहना एक सुपरपावर है। यह पोस्ट रेडिट समेत सोशल मीडिया पर वायरल हो गया, जहां यूजर्स इसे 'ऑडिशन' वाली खबरों से जोड़ रहे हैं।

Congratulations, Ph.D. AWARDED

Dr. Meenal Verma

Dr. Meenal Verma

D/O Mrs Aarti & Mr Arvind Kumar Verma and W/O Mr Keyur Bhavsar has been awarded Doctor of Philosophy (Ph.D.) in Management from the School of Management, SAGE University, Bhopal, for her research on the topic, "e-SUPPLY CHAIN MANAGEMENT: A STUDY AMONG SMALL AND MEDIUM ENTERPRISES IN MANDIDEEP INDUSTRIAL AREA"under the guidance of Dr. Sunil Atulkar.Thanks to Hon'ble Chancellor Er. Sanjeev Agrawal Sir, Vice Chancellor, Guide, and the entire Faculty & Staff Members of School of Management, SAGE University, Bhopal.Best wishes from: Family and friends

दैनिक जागरण वर्गीकृत

जागरण क्लासीफाइड डबल धमाका
हमारा वादा, कम में ज्यादा
एक के साथ एक फ्री स्कीम
रनिंग क्लासीफाइड के साथ
भोपाल संस्करण ₹300/- | संपूर्ण म.प्र. संस्करण ₹500/-
विज्ञापन बुकिंग हेतु संपर्क करें 9826065324
डिस्प्ले क्लासीफाइड ₹50/- per sqcm.
Email : advtbhopaljagran@gmail.com

अण्डा

BHOPAL EGG RATE 475/-
Rate Suggested by RS Agro P.I.P.L. and Associated Poultry farmers.

सलाह

पाठकों को सलाह दी जाती है कि किसी भी विज्ञापन पर कार्रवाई करने से पूर्व आवश्यक/सम्पूर्ण जानकारी कर लेवें। यह समाचार पत्र विज्ञापनदाता द्वारा किये गये किसी भी प्रकार के दावे/प्रस्तुतीकरण के लिए जिम्मेदार नहीं है। -व्यवस्थापक

रिपोर्ट

2025 में बदल रहा भारतीय शहरों और कस्बों में खपत का ट्रेंड

टियर 3-5 शहरों ने रिटेल ग्रोथ में मेट्रो को पछाड़ा

नई दिल्ली, जेएनएन। भारत के छोटे शहरों और कस्बों (टियर 3 से 5) ने 2025 में फिजिकल रिटेल खर्च की वृद्धि दर में मेट्रो और टियर 1-2 शहरों को पीछे छोड़ दिया है। मास्टरकार्ड, क्लियरटी एक्स और मैप मॉय इंडिया की 'डिसेंट्रलाइजेशन ऑफ डिमांड' रिपोर्ट के मुताबिक, 5,000 से कम आबादी वाले अर्ध-ग्रामीण बाजार भी अब खुदरा खपत के नए इंजन बनकर उभरे हैं। रिपोर्ट बताती है कि 2023-24 में जहां टियर 1 और 2 शहरों को देश की सबसे बड़ी उपभोक्ता शक्ति माना जा रहा था, वहीं 2025 में ट्रेंड पलट गया है। अब मांग छोटे शहरों और कस्बों की ओर शिफ्ट हो रही है।

2023 में कुल रिटेल खर्च का 73 फीसदी हिस्सा मेट्रो और टियर 1-2 शहरों से आता था, जबकि टियर 3-5 और ग्रामीण क्षेत्रों की हिस्सेदारी 27 फीसदी थी। यानी दो साल पहले ग्रामीण हिस्सेदारी और शहरी बाजार में अंतर 46 फीसदी था। लेकिन 2025 में यह अंतर घटकर 63 फीसदी बनाम 37 फीसदी रह गया है। यानी छोटे बाजारों की हिस्सेदारी में तेज बढ़ोतरी दर्ज की गई है और अंतर घटकर 26 फीसदी हो गया है। रिपोर्ट के अनुसार, टियर 3-5 बाजारों की ग्रोथ दर मेट्रो शहरों की तुलना में लगभग दोगुनी रही है।

क्विक-कॉमर्स और सोशल मीडिया का असर

रिपोर्ट के मुताबिक, छोटे शहरों में 'आकांक्षी मांग' तेजी से बढ़ रही है। क्विक-कॉमर्स प्लेटफॉर्म्स और सोशल मीडिया ने ब्रांड्स की पहुंच को हाइपर-लोकल पिनकोड्स तक संभव बनाया है। कंपनियां अब छोटे पैक साइज, किफायती दाम और स्थानीय जरूरतों के मुताबिक उत्पाद लॉन्च कर रही हैं। इससे खपत का लोकतंत्रीकरण और समावेशी आर्थिक वृद्धि को बल मिला है।

3एफ और 2एच बना रहे हैं नई डिमांड

क्लियरएक्स की सह-संस्थापक राखी प्रसाद के अनुसार, 2एच (हाईवे और हाई स्ट्रीट) नए डिमांड इंजन के रूप में उभर रहे हैं। वहीं 3एफ- फ्यूल, फूड और फैशन, टियर 3-5 शहरों में खपत को तेजी से आगे बढ़ा रहे हैं। हाईवे किनारे बढ़ती फ्यूल, फूड खपत, नए हाई-स्ट्रीट रिटेल कॉरिडोर और प्रीमियम ब्रांड्स की एंट्री छोटे शहरों में उपभोक्ता व्यवहार के बदलाव को दर्शाती है। पहले जहां बड़ी कंपनियां मेट्रो, बड़े शहरों पर फोकस करती थीं, अब वे छोटे कस्बों, अर्ध-ग्रामीण इलाकों में विस्तार कर रही हैं। हाईवे कॉरिडोर के आसपास नए रिटेल हब तैयार हो रहे हैं, जो आगे उपभोक्ता मांग के बड़े केंद्र बन सकते हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि यह ट्रेंड भारत में मांग के विकेंद्रीकरण का स्पष्ट संकेत है।

उत्कल एक्सप्रेस का वेंकटनगर में ठहराव शुरू

जागरण, अनूपपुर। जिले के वेंकटनगर रेलवे स्टेशन पर कलिंगा उत्कल एक्सप्रेस (18477) का ठहराव शुरू हो गया है। निर्धारित समय शाम 4 बजकर 29 मिनट से लगभग साढ़े सात घंटे विलंब से यह ट्रेन रात करीब शुक्रवार 12 बजे वेंकटनगर स्टेशन पहुंची। देर रात पहुंचने के बावजूद, बड़ी संख्या में भाजपा नेता, कार्यकर्ता और वेंकटनगर के ग्रामीणों ने बैंड बाजे के साथ रेलवे स्टेशन पर ट्रेन का स्वागत किया।

उज्जैन में फाग उत्सव की शुरुआत

जागरण, उज्जैन। होलिका दहन से पहले ही धर्मनगरी उज्जैन रंगों में सराबोर नजर आ रही है। शहर के प्रमुख मंदिरों में फाग उत्सव शुरू हो चुका है और गुलाल और फूलों से जमकर होली खेली जा रही है। वैष्णव संप्रदाय के मंदिरों के साथ ही नई पेठ स्थित गजलक्ष्मी मंदिर, छत्री चौक स्थित गोपाल मंदिर और खाटू श्याम जी मंदिर में भक्त रंगों में सराबोर नजर आए। इस दौरान शहर के मंदिरों में उत्सव जैसा नजारा दिखाई दिया।

"ट्वीट ऑफ द डे"

अखिलेश यादव
सपा प्रमुख

सनातन धर्म की रक्षक होने का दावा करने वाली सरकार में कोई ब्राह्मणों की चोटी कैसे खींच सकता है? यह आश्चर्य की बात है कि उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक घटना के लगभग एक महीने बाद इस बारे में बात कर रहे हैं। उपमुख्यमंत्री मंत्रिमंडल के वरिष्ठ सदस्य होने के नाते या तो अपने समुदाय की गरिमा की रक्षा करें अथवा यदि वे ऐसा करने में असमर्थ हैं तो पद छोड़ दें।

सीमांकन के साथ बुलडोजर एक्शन शुरू, हटाए जा रहे एफटीएल से 50 मीटर के अंदर बने अतिक्रमण

तालाब की सीमा से हलालपुर के पास चार अतिक्रमण और कलियासोत के कैचमेंट में बनीं 12 डेयरियां हटाईं

जागरण संवाददाता, भोपाल। जिला प्रशासन द्वारा बड़े तालाब की सीमा तय करने किए जा रहे सीमांकन कार्य के साथ ही शनिवार को बुलडोजर एक्शन की कार्रवाई भी शुरू कर दी गई। जिला प्रशासन के अमले ने नगर निगम के अतिक्रमण अमले की सहायता से कार्रवाई करते हुए हलालपुर बस स्टैंड के सामने स्थित गार्डन की अवैध बाउंड्रीवाल और इसके पीछे स्थित झुग्गियों को हटा दिया।

नगर निगम के अतिक्रमण अधिकारी महेश गौहर के अनुसार गार्डन के पीछे तीन अन्य निर्माणों को भी जमींदोज किया है। जिला प्रशासन ने यहां पर कुल 7 अतिक्रमण तालाब की सीमा में चिह्नित किए थे, जिन्हें हटाने की कार्रवाई की गई है। अमले के अनुसार अन्य तीन अतिक्रमण भी जल्द ही हटा दिए जाएंगे। इसके अलावा कलियासोत डैम के कैचमेंट एरिया में बनी 12 डेयरियों को हटवाने की कार्रवाई की। इसके बाद खानूगांव क्षेत्र में चिह्नित अतिक्रमणों को भी हटाने की कार्रवाई शुरू कर दी जाएगी। राजस्व अधिकारियों के मुताबिक 16 मार्च 2022 को वेटलैंड एक्ट लागू होने के बाद जो भी निर्माण तालाब के कैचमेंट में हुए हैं वे पूरी तरह अवैध हैं। इन्हें हटाया जाएगा। इसके अलावा पूर्व में हुए निर्माणों के दस्तावेज चेक करने के बाद यदि कोई अतिरिक्त निर्माण या अतिक्रमण हुआ होगा, तो उसे भी हटाया जाएगा। बता दें कि बुधवार से कर्बला से खानूगांव तक सीमांकन की कार्यवाही की गई थी। तीन दिन तक चली इस कार्यवाही में कर्बला से खानूगांव तक 38 और हलालपुर में 7 अतिक्रमण चिह्नित किए गए हैं, जिन्हें हटाए जाने की कार्रवाई की जानी है। बता दें कि इन निर्माणों को सुप्रीम कोर्ट की गाइडलाइन के अनुसार बिना नोटिस दिए ही तोड़ा जा रहा है।

इन लोगों के अतिक्रमण तोड़े गए

शनिवार को हलालपुर में कार्रवाई के दौरान मोहम्मद शकील और मोहम्मद अमीन के अवैध निर्माण के साथ अन्य लोगों के निर्माण भी तोड़े गए। जबकि एक दो दिन में तीन अन्य निर्माण जमींदोज कर दिए जाएंगे। बता दें कि इसके पहले प्रेमपुरा घाट के पास शासकीय जमीन पर बनी झुग्गियों को और सूरज नगर के पास अवैध शेड हटाए गए हैं। साथ ही जिला प्रशासन की ओर से दुकानदारों को अपने आप ही सामान हटाकर अतिक्रमणों को हटाने के लिए कहा गया है।

सीमांकन को लेकर खानूगांव के रहवासियों ने उठाए सवाल

जिला प्रशासन द्वारा कराए गए सीमांकन और सर्वे के बाद खानूगांव के रहवासियों में भय का माहौल है। रहवासियों ने सीमांकन और सर्वे पर ही सवाल उठा दिए। साथ ही पार्षद रेहाना सुल्तान और कांग्रेस नेता मोहम्मद जहीर के साथ तहसीलदार हर्ष विक्रम सिंह को ज्ञापन सौंपकर फिर से सीमांकन कराने की मांग की। रहवासियों ने तहसीलदार से कहा कि पूर्व में जिला प्रशासन और नगर निगम के झील संरक्षण प्रकोष्ठ द्वारा बड़े तालाब का सीमांकन कराया गया था, जिसके बाद रिटेनिंग वॉल बनाई गई थी और इस रिटेनिंग वॉल को ही फुल टैंक लेवल बताया गया था। इसके तुरंत बाद हुए सीमांकन में रिटेनिंग वॉल को ही तालाब की सीमा बताई गई थी, लेकिन वर्तमान में जो सीमांकन कार्य निजी एजेंसी द्वारा किया जा रहा है वह अलग दिशा में जा रहा है। जिससे रहवासियों में भ्रम की स्थिति है और कई लोगों के वैध मकान भी अतिक्रमण की श्रेणी में आ गए हैं। अतः नगर निगम के झील संरक्षण प्रकोष्ठ के नक्शे के अनुसार फिर से सीमांकन कार्य कराया जाए। इस दौरान कांग्रेस नेता मोहम्मद जहीर ने कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह से फोन पर बातकर स्थिति से अवगत कराया।

कलियासोत डैम हो रहा था प्रदूषित

इधर तहसीलदार कुणाल राउत ने कलियासोत डैम के कैचमेंट एरिया में बनी 12 डेयरियों को हटवाने की कार्रवाई की। इन डेयरियों के कारण लंबे समय से कलियासोत डैम प्रदूषित हो रहा था। जबकि प्रशासन द्वारा कई बार डेयरी संचालकों को शिफ्टिंग के लिए आदेश जारी किए गए थे, लेकिन कार्रवाई न होने के कारण डेयरी संचालक जमे थे। शनिवार को कार्रवाई के दौरान डेयरी संचालक शिफ्टिंग के लिए समय की मांग करते रहे। इधर तहसीलदार राउत ने कहा कि एनजीटी का आदेश है और अधिकारियों के दबाव के चलते हमें कार्रवाई करनी ही पड़ेगी, जिसके बाद डेयरियों को हटा दिया गया। इसके बाद अतिक्रमण अमले ने डेयरियों को हटा दिया। इधर संचालकों को चेतावनी भी दी कि आगे इस क्षेत्र में अतिक्रमण नहीं होना चाहिए। मौके पर मौजूद अतिक्रमण अमला कार्रवाई के बाद बांस बल्लियों को भी मौके से ले गया। तहसीलदार राउत ने बताया कि टीटी नगर नजूल क्षेत्र में जलाशयों के कैचमेंट एरिया में जो कब्जे हुए हैं, वो सभी तोड़ने की कार्रवाई की जाएगी। होली के बाद भदभदा, सूरज नगर, सेवनियां गोंड, बिशनखेड़ी सहित अन्य क्षेत्रों में तालाब के एफटीएल के 50 मीटर के दायरे में आने वाले सभी चिह्नित अवैध कब्जों को हटाया जाएगा।

4 दिन बाद बदलेगा मौसम हल्की बारिश की संभावना

नगर संवाददाता, भोपाल। होली के मौके पर भोपाल सहित प्रदेश के कई जिलों में मौसम बदल सकता है। मौसम विभाग ने संभावना जताई है कि चार मार्च की रात से हिमालयी क्षेत्र में एक पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय हो रहा है। जो हिमालयी क्षेत्र में बर्फबारी करा सकता है। इसका असर मप्र में देखने को मिलेगा। जिससे प्रदेश के कई जिलों में बादल छाने और हल्की बारिश होने की संभावना है। यदि ऐसा होता है तो प्रदेश का मौसम एक बार फिर बदल जाएगा। अभी तापमान बढ़ने से कई जिलों में गर्मी ने दस्तक दे दी है, लेकिन चार मार्च के बाद ठंड का एक दौर फिर आ सकता है। पश्चिमी विक्षोभ का असर ग्वालियर-चंबल में सबसे ज्यादा देखने को मिल सकता है। मौसम केंद्र भोपाल के अनुसार, वर्तमान में पश्चिमी हिस्से में दो साइक्लोनिक सकुर्लेशन सिस्टम एक्टिव है। वहीं, एक ट्रफ की एक्टिविटी भी प्रदेश में देखने को मिल रही है। भले ही मौसम विभाग ने मौसम में बदलाव के संकेत दिए हों, लेकिन शनिवार को प्रदेश के कई जिलों में तापमान ऊपर चढ़ा। राजधानी भोपाल की बात करें तो यहां दिन का अधिकतम तापमान 32.4 डिग्री रहा। भोपाल में रात का पारा एक डिग्री बढ़कर 15.6 पर पहुंच गया है, इससे रात में भी गर्मी रही। अन्य जिलों में खरगौन सबसे ज्यादा गर्म रहा। यहां दिन का अधिकतम तापमान 34.8 डिग्री दर्ज किया गया। प्रदेश में सबसे न्यूनतम तापमान मंदसौर और पचमढ़ी में रहा, यहां पारा 11.8 डिग्री रहा।

सुपर स्पेशलिटी डॉक्टरों को राहत

8 फीसदी वार्षिक वेतनवृद्धि व एरियर्स भुगतान के निर्देश

जागरण, जबलपुर। मप्र हाईकोर्ट ने अपने एक अहम फैसले में शासकीय अस्पतालों में कार्यरत सुपरस्पेशलिटी डॉक्टर्स को उनके द्वारा प्राप्त अंतिम वेतन से 8 प्रतिशत वार्षिक वेतनवृद्धि का लाभ प्रदान करने को कहा है। जस्टिस विशाल धगट की एकलपीठ ने डॉक्टर्स को 6 फीसदी ब्याज के साथ 2018 से एरियर्स का भुगतान करने के भी निर्देश दिए। इसके अलावा शासन को ऑपरेशन व हस्तक्षेप उपचार से प्राप्त राजस्व का 20 फीसदी राशि का भी भुगतान करने भी कहा। एकलपीठ ने मामले में स्पष्ट किया कि चूंकि उपरोक्त भुगतान करने के लिए एक नियम है, इसलिए सरकार नियमों के विपरीत कार्य नहीं कर सकती। न्यायालय ने कहा कि उक्त भुगतान सुपरस्पेशलिटी डॉक्टरों को दिया जाए। सुपरस्पेशलिटी डॉक्टर्स एसोसिएशन रीवा की ओर से अधिवक्ता अमित सिंह ने पक्ष रखा। उन्होंने बताया कि सरकार प्रारंभिक निर्धारित वेतन से वेतन वृद्धि की गणना कर रहे हैं। डॉक्टर्स को हर साल मिलने वाली वेतन वृद्धि को अगले वर्ष की वेतन वृद्धि की गणना में नहीं जोड़ा जाता है। मांग की गई कि अंतिम वेतन से वेतन वृद्धि का लाभ प्रदान करें। सुनवाई पश्चात् न्यायालय ने कहा कि 2018 की अधिसूचना के नियम के अनुसार प्रत्येक वर्ष आठ प्रतिशत की वेतनवृद्धि दी जानी है। यदि निर्धारित प्रारंभिक वेतन से वेतनवृद्धि दी जाती है, तो वास्तव में एक वर्ष के बाद कोई वेतनवृद्धि नहीं होगी।

इजराइल-ईरान जंग...मप्र के 100 से ज्यादा लोग दुबई में फंसे

फ्लाइट कैंसिलः इंदौर, भोपाल सहित कई जिलों के लोग हो रहे परेशान

जागरण, भोपाल। मध्य पूर्व में इजराइल-ईरान के बीच बढ़ते तनाव और कई देशों के एयरस्पेस में लगे प्रतिबंधों का सीधा असर मध्य प्रदेश के यात्रियों पर पड़ा है। शारजाह से इंदौर आने वाली एयर इंडिया एक्सप्रेस की फ्लाइट आईएक्स -256 रद्द हो गई है। फ्लाइट कैंसल होने से मध्य प्रदेश के 100 से ज्यादा यात्री दुबई और शारजाह एयरपोर्ट पर फंस गए हैं। जानकारी के अनुसार, शारजाह से इंदौर के लिए दोपहर 12.20 बजे (यूएई समय) रवाना होने वाली फ्लाइट को अंतिम समय में रद्द किया गया। यात्रियों को इसकी जानकारी एयरपोर्ट पहुंचने के बाद मिली। कई यात्री पहले से दुबई पहुंचे थे, जिनकी कनेक्टिंग फ्लाइट शारजाह से इंदौर के लिए थी। वे भी वहीं फंसे हैं। दुबई में एक शादी समारोह में शामिल होने के लिए इंदौर से कई लोग गए थे। इनमें पूर्व विधायक संजय शुक्ला, विशाल पटेल, प्रवीण कक्कड़, सहारा ग्रुप के मनीष सहारा, अग्रवाल समूह के संजय अग्रवाल, सी-21 मॉल के मालिक पिंटू छाबड़ा, गोलू पाटनी सहित कई लोग शामिल हैं।

परिवार के साथ गए थे कई लोग

फंसे यात्रियों में इंदौर, भोपाल, ग्वालियर सहित मध्य प्रदेश के कई जिलों के लोग शामिल हैं। इनमें बड़ी संख्या में परिवार, महिलाएं और बच्चे भी हैं। कई यात्री छुट्टियां मनाने या पारिवारिक कार्यक्रमों में शामिल होने गए थे, लेकिन अब वापसी को लेकर अनिश्चितता बनी हुई है। एक यात्री ने बताया कि वे आठ घंटे से अधिक समय से शारजाह एयरपोर्ट पर बैठे हैं, लेकिन एयरलाइन की ओर से स्पष्ट जानकारी नहीं दी जा रही। होटल बुकिंग की अवधि खत्म हो चुकी है। खाने-पीने की भी दिक्कत हो रही है। बच्चों को संभालना मुश्किल हो गया है।

टकराव बढ़ा तो भारत के तेल टैंकरों को होगी देरी

नई दिल्ली, जेएनएन। ईरान पर इजरायल के हमले और अमेरिका-ईरान के बीच बेनतीजा वार्ताओं के बाद पश्चिम एशिया में तनाव चरम पर है। आशंका जताई जा रही है कि यदि हालात और बिगड़ते हैं तो ईरान रणनीतिक रूप से बेहद अहम होर्मुज जलडमरूमध्य को बंद कर सकता है। ऐसा हुआ तो भारत समेत एशिया के कई देशों की तेल आपूर्ति पर गंभीर असर पड़ सकता है। ओमान और ईरान के बीच स्थित होर्मुज जलडमरूमध्य दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण तेल मार्गों में से एक है। वैश्विक स्तर पर समुद्री मार्ग से होने वाले करीब 20 प्रतिशत कच्चे तेल का परिवहन इसी रास्ते से होता है। 2025 की पहली तिमाही में औसतन 20 मिलियन बैरल प्रतिदिन तेल और पेट्रोलियम उत्पाद इस मार्ग से गुजरे। खाड़ी के प्रमुख उत्पादक सऊदी अरब, इराक, संयुक्त अरब अमीरात, कुवैत और कतर का तेल यहीं से एशियाई बाजारों, खासकर भारत और चीन, तक पहुंचता है। कमोडिटी ट्रैकिंग फर्म के आंकड़ों के मुताबिक, भारत के कुल कच्चे तेल आयात का करीब 50 प्रतिशत हिस्सा होर्मुज मार्ग से आता है।

भारत की कूटनीतिक तैयारी

भारत ने हाल के वर्षों में यूएई और ओमान के साथ रणनीतिक संबंध मजबूत किए हैं। दिसंबर 2025 में भारत-ओमान के बीच व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौता भी हुआ। आपात स्थिति में भारत इन देशों के माध्यम से वैकल्पिक समुद्री मार्ग तलाश सकता है, लेकिन इससे सप्लाई में देरी और लागत बढ़ने की आशंका बनी रहेगी।

यह हैं विकल्प

- सऊदी अरब की पूर्व-पश्चिम पाइपलाइन (क्षमताः 5 लाख बैरल प्रतिदिन) अब्कैक से लाल सागर के यानबू बंदरगाह तक जाती है।
- यूएई की 18 लाख बैरल प्रतिदिन क्षमता वाली पाइपलाइन फुजैराह टर्मिनल तक तेल पहुंचाती है।

अभियानः पहले दिन प्रदेश में दो हजार लड़कियों ने लगवाई सर्वाइकल कैंसर से बचाने वाली वैक्सीन

भोपाल के काटजू अस्पताल में 14 वर्षीय किशोरी को लगा पहला टीका

नगर संवाददाता, भोपाल। महिलाओं को सर्वाइकल कैंसर से बचाने के लिए केंद्र सरकार द्वारा टीकाकरण अभियान शुरू किया है। अभियान के पहले दिन मप्र में लगभग दो हजार लड़कियों को एचपीवी का टीका लगाया गया। अभियान का राष्ट्रीय शुभारंभ राजस्थान के अजमेर से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किया, जबकि मप्र में इसकी शुरुआत उप मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल ने की। शनिवार को भोपाल के डॉ. कैलाशनाथ काटजू अस्पताल में 14 वर्षीय किशोरी को पहला टीका लगाया गया। एचपीवी वैक्सीन को लेकर सरकार का कहना है कि यह पहल भविष्य में महिलाओं को एक बड़ी और दर्दनाक बीमारी से बचाने की दिशा में अहम कदम है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने वर्चुअल संबोधन में कहा कि बाजार में एचपीवी वैक्सीन की कीमत करीब 4 हजार रुपये प्रति डोज है, लेकिन सरकार इसे पूरी तरह मुफ्त उपलब्ध करा रही है। उन्होंने अभिभावकों, जनप्रतिनिधियों और स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं से अपील की कि वे इस अभियान को जनआंदोलन बनाएं। उनका कहना है कि बीमारी का इलाज करने से बेहतर है, इसका समय रहते बचाव करना।

बालाघाट में 250 पार पहुंचा आंकड़ा

वैक्सीनेशन के पहले दिन मप्र में सबसे अधिक टीके बालाघाट जिले में लगाए गए। यहां टीकों की संख्या 250 पार तक पहुंच गई। जबकि भोपाल में महज 25 के आस पास ही टीके लगाए जा सके। प्रदेश के 55 जिलों में शनिवार शाम तक कुल 2 हजार के करीब टीके लगाए गए। टीकाकरण अभियान तीन महीने तक चलेगा। इसके बाद सरकार इस प्रोग्राम को आगे भी जारी रखेगी।

भोपाल में किशोरी की बिगड़ी तबीयत

भोपाल काटजू अस्पताल में टीका लगाने के बाद एक 14 वर्षीय किशोरी तान्या माथुर की तबीयत बिगड़ गई। बच्ची को खांसी आई और हल्के चक्कर महसूस हुए। मौके पर मौजूद डॉक्टरों ने तुरंत उसका ब्लड प्रेशर चेक किया, जो सामान्य पाया गया। एहतियात के तौर पर उसे ओआरएस का घोल पिलाकर आराम कराया गया। करीब 10 मिनट में उसकी स्थिति सामान्य हो गई और वह घर चली गई। मौजूदा डॉक्टरों ने बताया कि बच्ची सुबह से खाली पेट थी। जिस वजह से उसे चक्कर आए, इसमें वैक्सीनेशन का कोई रोल नहीं है।

डॉक्टर की निगरानी में लगेगा टीका

स्वास्थ्य अधिकारियों ने बताया कि प्रदेश में एचपीवी टीकाकरण सत्र रोज सुबह 9 बजे से दोपहर 2 बजे तक शासकीय स्वास्थ्य संस्थानों में आयोजित होंगे। 14 वर्ष पूर्ण कर चुकी और 15 वर्ष से कम आयु की बालिकाएं पात्र हैं। टीकाकरण पूरी तरह स्वैच्छिक है और अभिभावक की सहमति आवश्यक है। यू-विन पोर्टल पर पंजीकरण कर स्लॉट लिया जा सकता है। टीका लगने के बाद 30 मिनट तक निगरानी में रखा जाएगा। हल्के दुष्प्रभाव जैसे इंजेक्शन वाली जगह पर दर्द या सिरदर्द सामान्य हैं। हेल्पलाइन 104 भी जारी की गई है।

भोपाल से प्रदेशव्यापी अभियान की शुरुआत

उपमुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल ने कहा कि रिसर्च से साबित हुआ है कि एचपीवी वायरस सर्वाइकल कैंसर का प्रमुख कारण है। वैक्सीनेशन से इस खतरे को काफी हद तक कम किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि महिलाओं में होने वाले कैंसर के मामलों में सर्वाइकल कैंसर दूसरे नंबर पर है, इसलिए यह अभियान बेहद जरूरी है।

मुख्यमंत्री से मिले बस आपरेटर, 2 मार्च से प्रस्तावित हड़ताल ली वापस

विशेष संवाददाता, भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि प्रदेश के हर ग्रामीण अंचल तक यात्रियों को सुगम आवागमन की सुविधा मिले, इसके लिए हम जरूरी कदम उठा रहे हैं। मुख्यमंत्री शनिवार को मुख्यमंत्री निवास स्थित समत्व भवन में मध्यप्रदेश बस ऑनर्स एसोसिएशन के प्रतिनिधियों (बस ट्रांसपोटर्स) से चर्चा कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि बस ऑपरेटर्स की सभी शंकाओं/कठिनाई का मिल-बैठकर हल निकाला जाएगा। उन्होंने कहा कि ऑनर्स के पदाधिकारी परिवहन मंत्री से मिलकर सभी समस्याओं का समाधान कराएंगे। इसके लिए वे परिवहन मंत्री को भी निर्देशित कर रहे हैं। दोनों पक्षों की चर्चा और समाधान के बाद ही आगे की कार्यवाही की जाएगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने शासन द्वारा जारी की गई एक सूचना एवं एक अधिसूचना को होल्ड करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव से सकारात्मक बातचीत, अपनी मांगों के संबंध में विस्तृत चर्चा एवं उपर्युक्त सूचना/अधिसूचना को होल्ड करने का आश्वासन मिलने के बाद मध्यप्रदेश बस ऑनर्स एसोसिएशन (बस ट्रांसपोटर्स) के पदाधिकारियों ने आगामी 2 मार्च 2026 से प्रारंभ होने वाली बस हड़ताल वापस लेने की घोषणा की है। एसोसिएशन ने विषय का संतोषजनक समाधान निकालने के लिए मुख्यमंत्री का आभार भी जताया। बैठक में सचिव परिवहन श्री मनीष सिंह, बस ऑनर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, अन्य पदाधिकारी एवं प्रदेश के दस संभागों से आए बस ऑनर्स उपस्थित थे।

अधिसूचना को होल्ड करने के निर्देश

इको-सेंसिटिव जोन घोषित हो हाथी कारीडोर

जबलपुर। राष्ट्रीय हरित अधिकरण, एनजीटी के चेयरमैन न्यायमूर्ति प्रकाश श्रीवास्तव व विशेषज्ञ सदस्य डा. अफरोज अहमद की युगलपीठ ने हाथी कारीडोर को इको-सेंसिटिव जोन घोषित करने की मांग के मामले की प्रारंभिक सुनवाई की। राज्य शासन सहित अन्य को नोटिस जारी कर जवाब-तलब कर लिया। याचिका में राज्य द्वारा प्रस्तावित हाथी करीडोर को पर्यावरण संरक्षण अधिनियम, 1986 के तहत इको-सेंसिटिव जोन घोषित करने पर बल दिया गया है। आवेदक ने अनुमति मांगी कि वह आवेदन से प्रार्थना खंड-ए को हटाना चाहता है, क्योंकि उक्त अनुमति नौ मई, 2025 व 22 मई, 2025 के संबंध में पृथक अपील दायर की गई है।

खुशखबरी केंद्रीय वन मंत्री भूपेंद्र यादव ने प्रतीकात्मक रूप से बाड़े में 9 चीतों को किया रिलीज

बोत्सवाना से कूनो पार्क पहुंचे 6 मादा और 3 नर चीते

जागरण, श्योपुर। चीता परियोजना के तहत दक्षिण अफ्रीका के बोत्सवाना से लाए गए 9 चीते शनिवार को कूनो नेशनल पार्क पहुंचे। केंद्रीय वन एवं पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव ने प्रतीकात्मक रूप से क्रेट का हैंडल घुमाकर चीतों को कूनों के विशेष क्वारेंटाइन बाड़ों में छोड़ा। इनमें 6 मादा और 3 नर चीते शामिल हैं। नए चीतों के आने से देश में चीतों की कुल संख्या 48 हो गई है। चीतों को बाड़े में छोड़ने के बाद केंद्रीय मंत्री ने चीता प्रोजेक्ट को सफल बताया। जानकारी के अनुसार, करीब 12 घंटे की हवाई यात्रा के बाद चीते ग्वालियर एयरफोर्स स्टेशन पहुंचे, जहां से उन्हें तीन हेलीकॉप्टरों के जरिए कूनो लाया गया। चीतों को कुछ समय तक ऑब्जर्व करने क्वारेंटाइन बाड़े में रखा जाएगा। इस अवसर पर प्रभारी मंत्री राकेश शुक्ला, पूर्व मंत्री रामनिवास रावत, कैबिनेट मंत्री दर्जा तुरसनपाल बरैया, भाजपा जिलाध्यक्ष शशांक भूषण, दुर्गा लाल विजय सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी उपस्थित रहे।

केंद्रीय वन मंत्री भूपेंद्र यादव कूनो पार्क में चीतों को छोड़ते हुए।

17 सितंबर 2022 को हुई चीता प्रोजेक्ट की शुरुआत

बता दें कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 17 सितंबर 2022 को कूनो नेशनल पार्क में चीता प्रोजेक्ट की शुरुआत की थी। इसके बाद से चीतों को बसाने के लिए कूनो नेशनल पार्क में निर्धारित प्रोटोकॉल और गाइडलाइन के अनुसार काम किया जा रहा है। कूनो के राष्ट्रीय उद्यान के 750 वर्ग किलोमीटर में चीतों के रहवास के लिए उपयुक्त है। इसके अलावा करीब 3 हजार वर्ग किलोमीटर वन क्षेत्र दो जिलों श्योपुर और शिवपुरी में चीतों के स्वच्छंद विचरण के लिए है।

अब देश में 48 हो गई चीतों की संख्या

अब देश में चीतों की संख्या 48 हो गई है। नए चीते कूनो के बाड़े में हैं। इसके अलावा 36 कूनो नेशनल पार्क में, 3 गांधी सागर अभयारण्य में है। 17 सितंबर 2022 को लाए गए 8 नामीबियाई चीतों में से 3 स्थापित हैं, उनके 17 भारतीय जन्मे शावकों सहित कुल नामीबियाई मूल की स्थापित आबादी 20 हो गई है। 18 फरवरी 2023 को लाए गए 12 दक्षिण अफ्रीकी चीतों में से 8 स्थापित हैं और उनके 11 भारतीय जन्मे शावकों सहित कुल दक्षिण अफ्रीकी मूल की स्थापित आबादी 19 हो गई है। इनमें से 16 कूनो में एवं 3 गांधी सागर में हैं।

जिला सहकारी बैंक में 3 कर्मचारियों ने किया साढ़े 10 लाख रु. का गबन

क्राइम रिपोर्टर, भोपाल। छिंदवाड़ा स्थित जिला सहकारी बैंक के तीन कर्मचारियों पर साढ़े 10 लाख रुपए गबन का आरोप लगा है। इस संबंध में ईओडब्ल्यू जबलपुर ने प्राथमिक दर्ज की है। सहायक प्रबंधक, प्रभारी लिपिक समेत तीन लोगों पर लाखों रुपए के गबन का आरोप है। ईओडब्ल्यू के मुताबिक, जिला सहकारी बैंक मर्यादित छिंदवाड़ा में वर्ष 2022 में लेखा कक्ष में लाखों रुपए की राशि गबन करने की शिकायत ईओडब्ल्यू से की गई थी। जांच में पाया गया कि बैंक में लिपिक यानी कंप्यूटर आपरेटर अभिषेक जैन ने बैंक के आंतरिक खाता से नेफट के माध्यम से साढ़े 10 लाख रुपए स्वयं के निजी खातों जमा किए। चार खातों में 19 ट्रांजेक्शन हुआ। यह सभी ट्रांजेक्शन अभिषेक जैन द्वारा अपनी मेकर आईडी एवं चेकर के रूप में अभय कुमार जैन प्रभारी प्रबंधक लेखा एवं लेखा शाखा प्रभारी नीरज जैन की आईडी का इस्तेमाल कर ट्रांसफर किया। इसका खुलासा होने के बाद सहकारी बैंक द्वारा विभागीय जांच कराई गई। जांच में अभिषेक जैन के अतिरिक्त दोनों अधिकारी भी दोषी पाए गए। सहायक प्रबंधक, लेखा प्रभारी की आईडी का उपयोग अभिषेक जैन द्वारा किया जाता रहा। इन दोनों अधिकारियों के द्वारा अभिषेक जैन के साथ जानबूझकर लापरवाही पूर्वक षड्यंत्र करके सहकारी बैंक के आंतरिक खाता से फंड का गबन किया गया।

मुद्रक एवं प्रकाशक **राजीव मोहन गुप्त** द्वारा जागरण पब्लिकेशन्स प्रा. लि. हेतु 'दैनिक जागरण प्रेस' 33, जागरण भवन, प्रेस काम्पलेक्स, जोन-1, एम.पी. नगर, भोपाल, मध्यप्रदेश -462011 (म.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित। आर.एन.आई. नं. 1573/57, पंजीयन संख्या 7 म.प्र., **संस्थापक : स्व. गुरुदेव गुप्त,** संपादक : **राजीव मोहन गुप्त,** स्थानीय संपादक : **हरिमोहन गुप्त** फोन : **कार्या.** : 0755-6723200 **E-mail :** modemdj@gmail.com।